ट्रंप के शांति प्रस्ताव का पीएम मोदी ने.. 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

इंसान की पहचान उसके रिश्तों से... 11

वर्ष - 01, अंक - 179 | गाजियाबाद / बुधवार 01 अक्टूबर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

नौवमी मां सिद्धिदात्री

मां सिद्धिदात्री आपको जीवन में अद्भुत सिद्धि, क्षमता प्रदान करती हैं ताकि आप सब कुछ पूर्णता के साथ कर सकें। सिद्धि का क्याअर्थ है। सिद्धि, सम्पूर्णता का अर्थ है विचार आने से पूर्व ही काम का हो जाना। आपके विचारमात्र, से ही, बिना किसी कार्य किये आपकी इच्छा का पूर्ण हो जाना यही सिद्धि है।

जनरल टिकट में आज से ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी

पहले 15 मिनट सिर्फ आधार ओटीपी से बुक कर सकेंगे टिकट, कालाबाजारी कम होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल यानी 1 अक्टूबर से तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन (सामान्य आरक्षण) टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इंडियन रेलवे ने 14 सितंबर को इसकी घोषणा की थी। रेल मंत्रालय के अनुसार आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबजारी और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी। अगर आपका अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे। रेलवे के कंप्यूटरीकृत काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी भी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी।

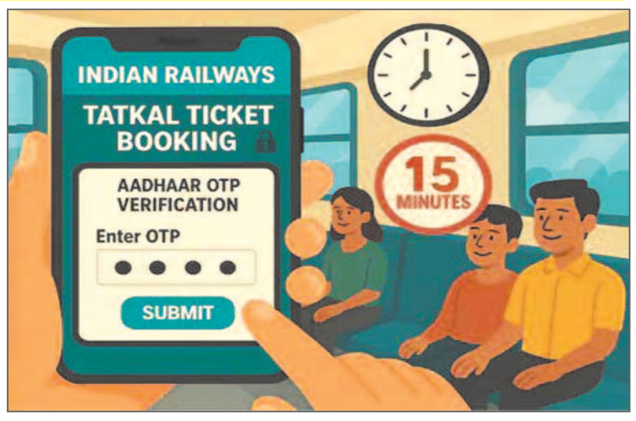

आरबीआई के नए नियमों से सस्ते हो सकते हैं लोन

सोने-चांदी पर लोन लेना भी आसान होगा

मुंबई (एजेंसी)। आने वाले दिनो में लोन सस्ते हो सकते हैं। आरबीआई ने लोन और बैंकों के लिए पूंजी जुटाने से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। इनमें से तीन बदलाव 1 अक्टूबर से लागू होंगे, जबकि अन्य प्रस्तावों पर 20 अक्टूबर 2025 तक जनता की राय मांगी है। सबसे अहम बदलाव फ्लोटिंग लोन की ब्याज दरों से जुड़ा है। मौजूदा नियमों में बैंक बाहरी बेंचमार्क पर स्प्रेड को सिर्फ तीन साल में एक बार बदल सकते थे। इससे उधारकर्ता बाजार की स्थिति बेहतर होने पर भी ऊंचे स्प्रेड में लॉक हो जाते थे। नए नियमों में बैंकों को स्प्रेड जल्दी कम करने की छूट मिलेगी। स्प्रेड का मतलब है वह अतिरिक्त ब्याज दर जो बैंक लोन की ब्याज दर में जोड़ते हैं। जब आप फ्लोटिंग रेट पर लोन लेते हैं, तो उसकी ब्याज दर रिजर्व बैंक के रेपो रेट पर आधारित होती है।

वीजा फीस 1 लाख डॉलर से नहीं भरा ट्रंप का मन

- अब बड़े बदलाव की तैयारी, अमेरिकी मंत्री ने किया खुलासा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी एच-1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 100000 डॉलर करने के बाद अब ट्रंप प्रशासन इसमें और बदलाव की तैयारी करने वाला है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने इस बारे में बड़ा बयान दिया है। लुटनिक ने कहा कि फरवरी में 100,000 डॉलर का शुल्क लागू होने से पहले

एच-1बी वीजा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव होंगे। अमेरिकी मंत्री ने मौजूदा वीजा प्रक्रिया को बिल्कुल गलत बताया, जिसके तहत कम वेतन वाले आईटी प्रोफेशनल को अमेरिका नौकरी करने और अपने परिवारों को लाने की अनुमति है। लुटनिक ने एक अमेरिकी मीडिया हाउस से बातचीत में बताया कि यह (वीजा) प्रक्रिया फरवरी 2026 में प्रभावी होगी, इसलिए मेरा अनुमान है कि अब और फरवरी 2026 के बीच इसमें महत्वपूर्ण बदलाव होंगे।

करूर भगदड़ में अब तक तीन लोग गिरफ्तार

- ऐक्टर विजय पर आरोप-देर से पहुंचे ताकि भीड़ बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में भगदड़ के मामले में अब तक 2 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पहली गिरफ्तारी सोमवार को टीवीके के जिला सचिव वीपी माथियालगन की हुई। दूसरी गिरफ्तारी टीवीके के पदाधिकारी पौनराज की रही, जिस पर भगदड़ केस के मुख्य आरोपी माथियालगन को

शरण देने का आरोप है। तीसरी गिरफ्तारी मंगलवार को यूट्यूबर और पत्रकार फेलिक्स गेराल्ड की हुई है। चेन्नई पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। गेराल्ड पर अफवाहें फैलाने का आरोप है। पुलिस ने माथियालगन, राज्य महासचिव बसी आनंद और उप महासचिव निर्मल कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में विजय पर आरोप हैं कि वे जानबूझकर रैली में देर से पहुंचे, ताकि ज्यादा भीड़ इकट्ठा हो। इसके अलावा, उन्होंने बिना अनुमति के रोड शो किया।

महाराष्ट्र में 3 हजार से ज्यादा गांवों में बाढ़

104 लोगों की मौत, दिल्ली में 5 फ्लाइट डायवर्ट, जयपुर में लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में 3,050 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 1 जून से 29 सितंबर तक बारिश-बाढ़ के कारण 104 लोगों की मौत हो गई है। नांदेड़ में सबसे ज्यादा 28 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा संभाजीनगर, बीड, हिंगोली, जालना, धाराशिव, परभणी और लातूर में लोगों की जान गई। मराठवाड़ा में 2,701 किलोमीटर सड़कें टूट गईं और 1,504 पुल क्षतिग्रस्त हैं। 1,064 स्कूल, 352 केंद्र और 58 सरकारी बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा। बारिश-बाढ़ को देखते हुए महाराष्ट्र बोर्ड ने 12वीं क्लास के एग्जाम फॉर्म भरने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 20 अक्टूबर की है। इधर, मंगलवार दोपहर दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश हुई। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट लैंड होने वाले 5 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट की गईं। सभी फ्लाइट दोपहर 12.15 बजे से 12.30 बजे के बीच डायवर्ट की गईं। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट की दूसरी फ्लाइट भी प्रभावित हुई हैं। उत्तर प्रदेश के 20 शहरों में मंगलवार सुबह से भारी बारिश हो रही है। मथुरा में घरों में नाले का पानी घुस गया। मथुरा गेट थाना के सामने दो फीट से ज्यादा पानी भर गया। हापुड़ में दिल्ली रोड स्थित रामलीला मैदान में रावण और मेघनाथ के पुतले गिर गए। गुजरात में सोमवार को कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। इससे द्वारका में कल्याणपुर को पोरबंदर से जोड़ने वाला स्टेट हाईवे डूब गया। कल्याणपुर के पास एक कार पानी में बह गई। वडोदरा में गरबा पंडाल ढह गए। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मंगलवार से फिर बारिश शुरू हो गई। इससे दुर्गा पूजा की रौनक फीकी पड़ने लगी है।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट, 10 की मौत

- 32 घायल, राष्ट्रपति बोले-तहरीक-ए-तालिबान के आतंकियों का हाथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार को फ्रंटियर कांस्टेबुलरी मुख्यालय के पास एक भीड़भाड़ वाली सड़क बड़ा धमाका हुआ है। धमाके में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हो गए। क्वेटा के अफसर मोहम्मद बलोच के मुताबिक, विस्फोटक से भरी गाड़ी मॉडल टाउन से हाली रोड की ओर मुड़ रही थी, तभी धमाका हुआ। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मोहम्मद काकर के मुताबिक घायलों को सिविल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सभी बड़े अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी है। इनमें क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर शामिल हैं। सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को अस्पतालों में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इसके पीछे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों का हाथ है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस घटना को आतंकी हमला बताया। उन्होंने कहा, धमाके के बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की और चार आतंकियों को मार गिराया। आतंकवादी कायराना हरकतों से हमारे हौंसले कमजोर नहीं कर सकते। हम शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। राष्ट्पति आसिफ अली जरदारी ने भी हमले की निंदा की और कहा कि यह हमला प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों ने किया। यह पाकिस्तान को तोड़ने की कोशिश है।

लंदन में गांधी प्रतिमा पर लिखा-गांधी-मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट

- भारतीय हाई कमीशन ने कहा-यह बर्बरता नहीं, अहिंसा के सिद्धांत पर हमला

लंदन (एजेंसी)। लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर आपत्तिजनक नारे लिखे जाने की घटना सामने आई। उपद्रवियों ने सोमवार को प्रतिमा पर पेंट से गांधी, मोदी और हिंदुस्तानियों को आतंकी लिखा। भारतीय उच्चायोग ने इस घटना पर नाराजगी जताई है। उच्चायोग ने कहा है कि यह सिर्फ प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के अहिंसा और शांतिपूर्ण विचारों पर भी हमला है। उच्चायोग ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को इस घटना की सूचना दी गई। इसके बाद ब्रिटिश अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस घटना की जांच कर रही है।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच कराए केन्द्र की सरकार

राहुल बोले-हिंसा और भय की राजनीति बंद करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों के साथ बातचीत करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने सरकार से बातचीत में शामिल होने और हिंसा और भय की राजनीति को रोकने का आह्वान किया। राहुल गांधी ने लेह में हाल ही में हुई हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा कि पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक - जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी बीजेपी सरकार ने देश के वीर सपूत को सिर्फ इसलिए गोली मारकर उसकी जान ले ली क्योंकि वह लद्दाख और अपने अधिकारों के लिए खड़ा था।

भाजपा नेता विजय कुमार मल्होत्रा का निधन

- 93 साल के थे, दिल्ली के पहले बीजेपी अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के सीनियर नेता विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार सुबह 93 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से दिल्ली एम्स में भर्ती थे। एम्स ने आज सुबह उनकी मौत की जानकारी दी। मल्होत्रा दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार के विधायक थे। वे 1980 में दिल्ली के पहले प्रदेश अध्यक्ष बने। उन्होंने 1999 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार मनमोहन सिंह को हराया था।

फिलिस्तीन को मान्यता नहीं गाजा भी नहीं छोड़ेगी सेना

ट्रंप के शांति प्रस्ताव को नेतन्याहू ने ही लगा दिया पलीता, वादों से पलटे!

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से गाजा में युद्धविराम के लिए 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया गया है। इस प्रस्ताव पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भी सहमत होने की बात कही गई है। हालांकि ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव जारी करने के कुछ ही घंटों बाद नेतन्याहू पलटी मारते दिख रहे हैं। नेतन्याहू ने फिलिस्तीन को किसी भी सूरत में मान्यता नहीं देने और गाजा में सेना बनाए रखने की बात कही है। नेतन्याहू की यह बातें ट्रंप की योजना से मिल नहीं खाती हैं। इससे यह पूरी योजना खटाई में पड़ सकती है। ट्रंप की योजना के अनुसार, इजरायल धीरे-धीरे गाजा के अधिकांश हिस्से को खाली कर देगा। सेना की वापसी होने पर इजरायल-गाजा सीमा पर केवल एक छोटा बफर जोन होगा। ट्रंप की योजना में इसे फिलिस्तीनी देश के निर्माण का रास्ता बताया गया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर हिब्रू में दिए बयान में इन दोनों बिंदुओं को खारिज कर दिया।

बरेली बवाल में तौकीर रजा का सहयोगी गिरफ्तार

74 दुकानों पर लगाई गई सील, इंटरनेट सेवा बहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बरेली में 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुए बवाल के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा के करीबी नदीम खां को शाहजहांपुर से गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा मौलाना तौकीर के एक अन्य करीब नफीस को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नफीस की नावल्टी में मौजूद मार्केट को नगर निगम ने सील कर दिया। इसमें करीब 74 दुकानें हैं। आईएमसी का दफ्तर भी इसी मार्केट से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने इस पूरे बवाल की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि एसआईटी में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं।

पुलिस खंगालेगी सभी आरोपियों की कुंडली

एसएसपी ने कहा कि नदीम नाम का व्यक्ति लगातार फोन पर संपर्क में था। नदीम ने कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी। उसने व्हाट्सएप के जरिए 55 लोगों को फोन किया, जिन्होंने फिर लगभग 1600 लोगों की भीड़ जुटाई। एसएसपी ने कहा कि हम लोगों ने कुल 10 एफआईआर दर्ज की हैं। ऐसी सात एफआईआर हैं जिनमें इनकी भूमिका पाई गई हैं। हम सभी अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास निकालेंगे और उनकी स्थिति के बारे में भी देखेंगे। बरेली और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

ठगी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और हांगकांग में बैठे साइबर ठगों के साथ मिलकर ठगी करने वाले तीन लोगों को शाहदरा जिला की साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान आयुष कोली, संजीव कुमार और आकाश के रूप में हुई है। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला आरोपितों के बैंक खातों में तीन करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। पुलिस ने आरोपितों के पास से तीन मोबाइल फोन, चार लैपटॉप, एक पेटीएम पीओएस मशीन के अलावा अन्य सामान बरामद किया है। आरोपितों के मोबाइल से मिली चैट से पता चला है कि यह लोग लगातार चीन और हांगकांग में बैठे साइबर ठगों के संपर्क में थे। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने मंगलवार को बताया कि विवेक विहार निवासी सुनीत कुमार सूरी ने साइबर ठगी की एक शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर एक व्हाट्सएप ग्रुप 'NJ Elite Growth Plan' में शामिल हुए। आरोपितों ने पीड़ित को निवेश करने पर मोटा मुनाफा देने की बात की। इसके लिए आरोपितों ने मुनाफे के स्क्रीनशॉट भी पीड़ित को भेजे। इनके झांसे में आकर पीड़ित ने 2.25 लाख रुपये निवेश कर दिए। इसके बाद उन्होंने जब अपना मुनाफ निकालने का प्रयास किया तो आरोपितों ने आईपीओ डिलीवरी के नाम पर और पैसों की डिमांड की। ठगी का अहसास होने पर मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज की जांच शुरू की। जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई थी, उनकी जांच की गई। छानबीन के बाद पुलिस ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर आयुष कोली, संजीव कुमार और आकाश को दबोच लिया।

जामिया में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत जामिया मिल्लिया इस्लामिया स्थित डॉ. एमए अंसारी स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही कैंसर से बचाव के प्रति जागरूकता को लेकर कार्यक्रम आयोजित हुए। केंद्र की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चारू लता ने महिलाओं को कैंसर की रोकथाम और मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया। साथ ही एनीमिया जैसी गैर-संचारी बीमारियों की शीघ्र पहचान करने, टीकाकरण के बारे में भी बताया गया। वहीं छात्राओं के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

'बरसात ने खोली दिल्ली सरकार की पोल' : भारत सिंह राघव ने जलभराव और गंदगी पर भाजपा को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 30 सितंबर (वेब वार्ता)। आज़ादपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भारत सिंह राघव ने दिल्ली में हुई हल्की बारिश के बाद हुए जलभराव और गंदगी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित नगर निगमों पर तीखा हमला बोला है। राघव ने कहा कि दिल्ली के अंदर भाजपा पूरी तरह से विफल साबित हुई है और थोड़ी सी बारिश ने ही 'सरकार की पोल' खोलकर रख दी है।

जलभराव और कूड़े के ढेर पर चिंता- भारत सिंह राघव ने विशेष रूप से जहाँगीरपुरी मेट्रो स्टेशन का ज़िक्र किया, जो बारिश के पानी से लबालब भरा हुआ मिला। उन्होंने कहा कि सड़कों पर चारों तरफ गंदगी के ढेर लगे हैं और जलभराव की समस्या विकराल रूप ले चुकी है।

राघव ने बताया कि जहाँगीरपुरी और रामगढ़ गाँव में घुसते ही सड़कों के किनारों पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) का कूड़ा नज़र आ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ भाजपा पूरी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 'सेवा पखवाड़ा' चला रही है, जो सिर्फ सोशल मीडिया पर फोटो खींचकर डालने तक सीमित है, जबकि ज़मीनी हकीकत यह है कि क्षेत्र में कूड़े-करकट के ढेर लगे हैं और नाली-नाले भरे हुए हैं। राघव ने कहा कि यह स्थिति दिल्ली सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

भारी बारिश से लाल किला ग्राउंड में जलभराव, पुतलों को नुकसान ; वॉटर पंपों से निकाला गया पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व विख्यात लाल किला ग्राउंड स्थित लवकुश रामलीला समिति को सोमवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश से बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते लीला ग्राउंड के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि पानी निकासी के लिए तुरंत कई वॉटर पंप लगाए गए। चार घंटे की लगातार मेहनत के बाद लगभग पूरे मैदान से पानी निकाल दिया गया और निर्धारित समय शाम 7-30 बजे से रामलीला का मंचन पूर्ववत प्रारंभ हुआ। अर्जुन कुमार ने जानकारी दी कि बारिश से तैयार हो रहे रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों को भारी नुकसान पहुंचा। लाखों रुपये का नुकसान होने के बावजूद मैदान में मौजूद कारीगरों ने दिनभर मेहनत कर पुतलों को फिर से दुरुस्त किया। उन्होंने बताया कि बुधवार को हमेशा की तरह लीला ग्राउंड में इन पुतलों की स्थापना कर दी जाएगी। अर्जुन कुमार ने कहा, 'बारिश ने जरूर कठिनाई बढ़ाई, लेकिन हमारी टीम और कारीगरों की मेहनत से दर्शकों को रामलीला के आनंद में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी।'

पैगंबर की शान और प्रशंसा में नारों और पोस्टरों पर कार्रवाई घोर अन्याय

-जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि पैगंबर के प्रेम में मुसलमान किसी भी बलिदान से नहीं हिचकिचाता

-हालांकि यह भी कहा कि पैगंबर के व्यक्तित्व की पवित्रता का ध्यान रखते हुए इसे किसी प्रतिक्रिया या विरोध का विषय न बनाया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने 卐आई लव मोहम्मद卐 जैसे नारों और पोस्टर्स पर उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयों को घोर अन्याय और चिंताजनक बताते हुए इसकी कठोर शब्दों में निंदा की है। मौलाना मदनी ने कहा कि हम मुसलमान, पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) से प्रेम, आज्ञा पालन और अनुसरण के परिणामस्वरूप ही अल्लाह की खुशी हासिल करते हैं। अगर अल्लाह की प्रेम-दृष्टि हमें प्राप्त होती है, तो वह केवल पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के माध्यम से ही प्राप्त होती है। पैगंबर के बिना हमारा सब कुछ अधूरा है। इसलिए मुसलमान इस संबंध में हर तरह का बलिदान देने से पीछे नहीं हटता। हालांकि, मौलाना मदनी ने इस तथ्य की ओर भी ध्यान दिलाया कि इस्लाम के मानने वालों की वास्तविक जिम्मेदारी यह है कि वह पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) को अपने जीवन का आदर्श और मार्गदर्शक बनाएं और उनके व्यक्तित्व को किसी भी प्रतिक्रिया या विरोध का विषय न बनाया जाए, यह आप (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के सम्मान और पवित्रता के लिए भी जरूरी है। अल्लाह ने आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को करुणा और प्रेम का स्रोत बनाया है, आप का संदेश सार्वभौमिक है और सबके लिए समान रूप से पवित्र है। मौलाना मदनी ने उत्तर प्रदेश सरकार से जोरदार मांग की है कि जनभावनाओं और धार्मिक पेशवाओं का सम्मान किया जाए और केवल नारों और पोस्टरों के आधार पर लोगों को गिरफ़्तार कर जेल में डालने के अन्यायपूर्ण कृत्य से बचा जाए। इसके साथ ही, मौलाना मदनी ने मुस्लिम युवाओं से धैर्य, विवेस, कानूनी एवं लोकतांत्रिक तरीकों के माध्यम से अपना पक्ष रखें और दुश्मनों के षडयंत्रों और चालबाजियों से सतर्क रहें।

भाजपा शासित निगम की नीतियों के खिलाफ एंटी मलेरिया व एमटीएस कर्मचारियों को कांग्रेस का पूर्ण समर्थन : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र यादव ने रविवार को निगम मुख्यालय के बाहर भूख हड़ताल पर बैठे दिल्ली नगर निगम के एंटी मलेरिया एवं मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) कर्मचारियों को कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित निगम की नीतियों के कारण कर्मचारी मजबूर होकर सड़कों पर उतरने को विवश हुए हैं और कांग्रेस उनकी आवाज को सड़क से संसद तक बुलंद करेगी।

विरोध प्रदर्शन एंटी मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन एवं निगम कर्मचारी यूनियन के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें 12 जोनों के डीबीसी, सीएफडब्ल्यू और एमटीएस कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कर्मचारी लंबे समय से नियमित नियुक्ति, वेतनमान तथा कार्यदिवसों की सुनिश्चितता जैसी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता नाजिया दानिश, डॉ. पी.के. मिश्रा, जिला अध्यक्ष मिर्जा जावेद अली, निगम पार्षद हाजी जरीफ, समीर मंसूरी और प्रमोद जयंत भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए भाजपा पर श्रमिक विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया।

श्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस सरकार के समय कर्मचारियों को न्यूनतम छह माह का सुनिश्चित कार्य दिया जाता था, जिसे दिल्ली सरकार के सहयोग से पूरे वर्ष का रोजगार उपलब्ध कराकर स्थायी स्वरूप प्रदान किया गया था। कांग्रेस ने हमेशा समाज के दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को उनके अधिकार दिलाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी ने आम नागरिक की आजीविका संकट में डाल दी है। भाजपा सरकार की संवेदनहीनता और पूंजीपतियों को संरक्षण देने वाली नीतियों के कारण देश में बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है। यही कारण है कि अब जनता में भाजपा के प्रति गहरा असंतोष है।

श्री यादव ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएंगे तथा निगम कर्मचारियों की स्थायी नियुक्ति और उनकी सभी न्यायसंगत मांगों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा श्रमिक वर्ग की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहेगी।

रेखा गुप्ता ने विजय कुमार मल्होत्रा के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के निधन पर शोक जताते हुए इसे अपूरणीय क्षति बताया है। श्रीमती रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, हम सभी कार्यकर्ताओं के अभिभावक और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का निधन अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है।' उन्होंने कहा 'जनसंघ के दौर से लेकर भाजपा की स्थापना तक उनका जीवन राष्ट्रनिष्ठा, संगठन कौशल और अनुशासन का जीता-जागता उदाहरण रहा। दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन की नींव को मजबूत किया और असंख्य कार्यकर्ताओं को सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। उनका जाना भाजपा परिवार और सामाजिक जीवन, दोनों के लिए ही एक गहरी शून्यता छोड़ गया है।' मुख्यमंत्री ने कहा 'ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवारजनों तथा कार्यकर्ताओं को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।' उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर मल्होत्रा का निधन 93 साल की उम्र में मंगलवार सुबह यहां एम्स मं निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे और एम्स में उनका इलाज चल रहा था।

प्रोफेसर मल्होत्रा की सरलता, संगठन कौशल रहेगा सदैव प्रेरणास्रोत : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राजनीति के क्षेत्र में उनकी सरलता, संगठन कौशल और मार्गदर्शक व्यक्तित्व सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। श्री विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को कहा 卐भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र, संगठन और समाज के कल्याण हेतु समर्पित किया। राजनीति के क्षेत्र में उनकी सरलता, संगठन कौशल और मार्गदर्शक व्यक्तित्व सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।' उन्होंने कहा 'ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों और समर्थकों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।' दिल्ली के कैबिनेट मंत्री परवेश साहिब सिंह ने कहा 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष एवं संगठन के आधार स्तंभ प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र, समाज और संगठन को समर्पित किया। उनका सादा, शुचितापूर्ण और प्रेरणादायक व्यक्तित्व हम सभी के लिए अनुकरणीय रहेगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति दें।' दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा का जीवन सादगी एवं जन सेवा में समर्पण की मिसाल रहा, उन्होंने दिल्ली में संघ की विचारधारा के विस्तार के लिए जनसंघ काल से बहुत काम किया। उनका जीवन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरणा देता रहा है और देता रहेगा।' दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा 'भाजपा के वरिष्ठ नेता, दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवारजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।'

हड़ताली एमटीएस कर्मचारियों के साथ धरने पर बैठे कांग्रेस पार्षद

-नाजिया दानिश ने साधा एमसीडी में सत्ताधारी बीजेपी, विपक्षी दल आम आदमी पार्टी और आईवीपी पर निशाना

-स्वर्गीय शीला दीक्षित को पता होता कि एमसीडी की सत्ता में ऐसे लोग आने वाले हैं तो पहले ही पक्का हो जाते डीबीसी कर्मचारी : नाजिया दानिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर गये एमसीडी के एमटीएस (पब्लिक हेल्थ) कर्मचारियों के आंदोलन को कांग्रेस ने अपना समर्थन दिया है। सोमवार को धरना-प्रदर्शन के पहले दिन एमसीडी में कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश के साथ पार्टी के सभी निगम पार्षद धरने में शामिल हुए। जिनमें मिर्जा जावेद, हाजी जरीफ, समीर अहमद, नाजिया खातून, जावेद चौधरी, कासिम जमील और राजेश गुप्ता के नाम शामिल हैं। हड़ताली कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पूर्व निगम पार्षद एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अभिषेक दत्त भी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मेयर राजा इकबाल सिंह और निगम आयुक्त अश्विनी कुमार से मांग की कि हड़ताल पर गये कर्मचारियों की मांगों को तुरंत माना जाये। नाजिया दानिश ने धरने पर बैठे एमसीडी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित को मालूम होता कि आने वाले दिनों में दिल्ली की सत्ता में आने वाली बीजेपी और आप की सरकारें इतनी झूठी, जालसाज और मक्कार होंगी तो वह पहले ही डीबीसी कर्मचारियों को पक्का कर देतीं। फिर इन कर्मचारियों का आज हड़ताल और धरना-प्रदर्शन नहीं करना पड़ता। नाजिया दानिश ने डीबीसी कर्मचारियों के अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने को लेकर बीजेपी, आम आदमी पार्टी और इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के ऊपर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हर दबे-कुचले, गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ खड़ी है। हम हड़ताल पर गये इन कर्मचारियों के हर कदम पर साथ खड़े हैं और तब तक धरने पर बैठेंगे जब तक इनकी मांगे पूरी नहीं कर दी जातीं।

अगले माह स्वदेशी सेलिब्रेशन करेगी दिल्ली सरकार, लोकल उत्पादों को मिलेगा मंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में अनूठा स्वदेशी सेलिब्रेशन आयोजित करने जा रही है। सरकार का कहना है कि दिल्लीवासी त्योहारों की खरीदारी के दौरान विदेशी वस्तुओं की बजाय भरोसेमंद स्थानीय उत्पादों को अपनाएं और वोकल फॉर लोकल को गति प्रदान करें। लोगों को यहां सीधी खरीद का अवसर मिलेगा और उद्यमियों से संवाद करने का भी मौका मिलेगा। इसमें सूक्ष्म उद्यमियों, शिल्पकारों, महिला स्व-सहायता समूहों, स्टार्टअप्स, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) निर्माताओं, निर्यातकों व तिहाड़ कारागार की इकाइयों द्वारा निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन होगा। घरेलू उपयोग की सामग्री से लेकर उपहार, हस्तशिल्प, खाद्य और सजावटी वस्तुओं की करीब 100 प्रदर्शनी स्टॉल प्रस्तावित हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इस बार अपने फेस्टिवल्स की शॉपिंग कार्ट स्वदेशी उत्पादों से भरें। सिरसा ने बताया कि इस आयोजन का समय फेस्टिवल्स के बीच रखा गया है ताकि परिवार और संस्थाएं दोनों अपनी खरीदारी में स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता दें। इससे न केवल छोटे उत्पादकों को बल मिलेगा, बल्कि दिल्ली की डिमांड और सप्लाई व रोजगार-सृजन भी और मजबूत होंगे। इस दौरान उद्योग-जगत के संगठनों और विश्वविद्यालयों की सहभागिता से एक पैनल डिस्कशन सत्र भी होगा, जिसमें लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए ब्रांडिंग, गुणवत्ता मानक, पैकेजिंग, ई-वाणिज्य और मार्केट एक्सेस जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसका उद्देश्य आयात पर निर्भरता घटाना और स्वदेशी उत्पादों को राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना।

पंजाबी बाग़ की रामलीला में 'लंका दहन' का सजीव चित्रण, अंगद के पैर जमाने पर गूँजे जयकारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के पंजाबी बाग़ में श्री धार्मिक रामलीला कमेटी (रजि.) द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में बीती रात लंका दहन और अंगद के पैर जमाने के प्रेरणादायी प्रसंगों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। भक्तिमय और उत्साह भरे माहौल में इन ऐतिहासिक दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हनुमान के पराक्रम पर भावविभोर हुए दर्शक

रामलीला मंचन की शुरुआत समिति के चेयरमैन सत्यदेव गोयल, अध्यक्ष वासुदेव गोयल और अन्य पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। आज के मंचन का मुख्य आकर्षण हनुमान जी द्वारा लंका दहन का दृश्य रहा, जिसने दर्शकों को भक्तिभाव से भर दिया। इसके साथ ही, शांति प्रस्ताव और अंगद रावण संवाद के दौरान अंगद की निर्भीकता और पराक्रम के प्रदर्शन ने पूरा मैदान जयकारों से गूंजा दिया। प्रत्येक प्रसंग पर दर्शकों ने जोरदार तालियाँ बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

विशिष्ट अतिथियों का रहा जमावड़ा

इस अवसर पर कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मंचन देखने पहुँचीं सांसद बांसुरी स्वराज, पूर्व केंद्रीय मंत्री जगदीश टाइटलर, विधायक हरीश खुराना, भाजपा नेता नवीन जिंदल, और दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आशुतोष पांडेय समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों का समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उन्हें राम दरबार स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और मोतियों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने रामायण के आदर्शों को समाज तक पहुँचाने के इस प्रयास की सराहना की।

46 वर्षों की परंपरा और सामाजिक संदेश

महामंत्री अमित अग्रवाल ने बताया कि चेयरमैन सत्यदेव गोयल के नेतृत्व में यह रामलीला पिछले 46 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही है। महाप्रबंधक अजय गुप्ता ने जानकारी दी कि मंचन के दौरान धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश भी दिए जा रहे हैं।

इस वर्ष विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों पर आधारित सेल्फी प्वॉइंट बनाकर दर्शकों को प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक भारी संख्या में भक्तों की उपस्थिति ने पूरे वातावरण को भक्ति, श्रद्धा और सांस्कृतिक आभा से आलोकित कर दिया। पंजाबी बाग़ की यह रामलीला सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता का भी सशक्त उदाहरण साबित हुई।

दिल्ली में डेंगू-मलेरिया ने तोड़ा 5 साल का रिकॉर्ड, 'आप' नेता अंकुश नारंग का भाजपा की 'चार इंजन सरकार' पर तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों ने पिछले पाँच वर्षों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिससे शहर में स्वास्थ्य आपातकाल जैसी स्थिति बन गई है। इस गंभीर स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भाजपा की 'चार इंजन वाली सरकार' पर तीखा हमला बोला है। नारंग ने आरोप लगाया कि भाजपा की विफलता के कारण ही दिल्लीवासी मौसमी बीमारियों से झुलस रहे हैं और हालात बदतर हो गए हैं।

डीबीसी कर्मचारियों की हड़ताल से बिगड़े हालात

एमसीडी की रिपोर्ट के अनुसार, बीते सप्ताह मलेरिया के 38 और डेंगू के 74 नए मामले दर्ज किए गए, जिससे मलेरिया के कुल मामले 371 और डेंगू के कुल मामले 759 तक पहुँच गए हैं। चिकनगुनिया के मामले भी पिछले पाँच वर्षों के उच्चतम स्तर पर हैं और अब तक 61 मामले सामने आ चुके हैं।

दिल्ली में 'सरकारी बाबूओं' के हाथ में 10 करोड़ के विकास कार्य की कमान: कांग्रेस ने कहा-भाजपा जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कर रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भाजपा शासित रेखा गुप्ता सरकार पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की अनदेखी करने और सरकारी अधिकारियों के माध्यम से राजधानी चलाने का गंभीर आरोप लगाया है। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा 'जिला परियोजना निधि योजना' लागू करके डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (डीएम) को 10 करोड़ तक के विकास कार्य करने की ज़िम्मेदारी सौंपना यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है।

डीएम को अधिकार क्यों? विधायकों पर संदेह!

देवेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सीधा सवाल किया कि क्या भाजपा सरकार को अपने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों पर भरोसा नहीं है? उन्होंने पूछा कि क्या अधिकारियों को विधायकों से ज़्यादा क्षेत्र की जानकारी है? यादव ने आशंका व्यक्त की कि जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी को नज़रअंदाज़ करके अधिकारियों के बलबूते ज़मीनी स्तर के काम को अंजाम नहीं दिया जा सकता।

यादव ने कहा कि सड़क, स्कूल, डिस्पेंसरी, सामुदायिक भवन, सार्वजनिक शौचालय, नालों की सफ़ाई जैसे कार्य मंत्रिमंडल की सीधी ज़िम्मेदारी हैं। इन कार्यों को डीएम के माध्यम से कराकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपनी और अपने मंत्रिमंडल की ज़िम्मेदारियों से भाग रही हैं। उन्होंने जल मंत्री परवेश वर्मा के पुराने बयान का ज़िक्र किया, जहाँ उन्होंने अधिकारियों पर आदेश न मानने का आरोप लगाया था, जो दिखाता है कि सरकार और अधिकारियों के बीच सामंजस्य की कमी है।

भ्रष्टाचार या विश्वासघात-कांग्रेस ने उठाए सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि जब विकास कार्यों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड जैसी सरकारी स्वीकृत एजेंसियों की ही होगी, जो सीधे भाजपा मंत्रियों के अधीन हैं, तो फिर 10 करोड़ तक की परियोजनाओं की स्वीकृति की ज़िम्मेदारी डीएम को क्यों सौंपी जा रही है?

उन्होंने आशंका जताई कि क्या परियोजनाओं में होने वाले भ्रष्टाचार से बचने के लिए डीएम को बीच में डाला जा रहा है? क्या 10 करोड़ से 50 करोड़ तक की परियोजनाओं को सचिव राजस्व-कम-डिविजनल आयुक्त द्वारा और 50 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को वित्त विभाग द्वारा स्वीकृति देने की प्रक्रिया में संबंधित मंत्री या क्षेत्रीय विधायक की कोई भूमिका नहीं होगी? यादव ने स्पष्ट आरोप लगाया कि भाजपा या तो अधिकारियों की आड़ में भ्रष्टाचार का कोई बड़ा खेल शुरू करने वाली है, या फिर उन्हें अपने मंत्रियों और विधायकों पर भरोसा नहीं है।

'अदृश्य भ्रष्टाचार' की आशंका

देवेन्द्र यादव ने कांग्रेस के 15 साल के शासन का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने कभी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को विकास कार्यों के संबंध में नज़रअंदाज़ नहीं किया। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा विकास कार्यों के डुप्लीकेशन और आंतरिक ऑडिट की बात पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक ही जगह पर बार-बार गड्ढे भरने और गाद निकालने के काम में पहले भी भारी भ्रष्टाचार हुआ है। यादव ने अंत में कहा कि डीएम को 10 करोड़ तक की परियोजनाओं को स्वीकृति देने के पीछे कहीं 'अदृश्य भ्रष्टाचार' को अंजाम देने की भाजपा की नीति तो काम नहीं कर रही है।

ऑपरेशन लंगड़ा : मुठभेड़ में एक लुटेरों को इंदिरापुरम पुलिस ने किया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम ट्रांस हिण्डन जोन और थाना इंदिरापुरम पुलिस ने मुठभेड़ में एक अभियुक्त समीर को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में समीर को गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस और चोरी की 1 मोटर साइकिल बरामद की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि स्वाट टीम ट्रांस हिण्डन जोन और थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम वसुन्धरा सेक्टर 1 टी प्वाइंट पर चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान हिंडन पुल की तरफ से आ रही एक मोटर साइकिल पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया परन्तु मोटर साइकिल सवार युवक नही रुका और मोटर साइकिल सैक्टर 2 ए ग्राउन्ड की तरफ मोड दी। ग्राउंड में आगे रास्ता नहीं होने के कारण मोटर साइकिल को तेजी से पीछे मोड़ते हुए भागने का प्रयास किया तो मोटर साइकिल का सन्तुलन बिगड गया और मोटर साइकिल फिसल कर गिर गई। मोटर साइकिल पर सवार व्यक्ति को पुलिस ने पकडने का प्रयास किया गया तो उस व्यक्ति ने तमंचा निकाल कर जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर सीधा फायर कर दिया, जिससे पुलिस टीम बाल-बाल बची। पुलिस ने भी जवाबी फायर किया गया, जिससे बदमाश समीर उर्फ कालू पुत्र मौहम्मद जाविर उर्फ मौहम्मद जावेद निवासी वर्तमान पता- म0नं0-142 विक्रम एन्कलेव शालीमार गार्डन गाजियाबाद स्थाई पता- डी- 1045 जेजे कालोनी बवाना दिल्ली उम्र करीब 22 वर्ष के पैर में गोली लग गई। उन्होंने बताया कि समीर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसके खिलाफ लगभग डेट दर्जन मुकदमे लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली एनसीआर में राह चलते लोगों से मोबाइल, चैन व बैग आदि लूटकर दिल्ली में सस्ते दामों में बेच देता है और उन पैसों को अपने शौक मौज में खर्च कर देता है।

गहसि न राम चरन सठ जाई॥ सुनत फिरा मन अति सकुचाई॥

मुरादनगर (शिखर समाचार)। आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में श्री न्यू उदय कैला महारानी रामलीला एवं रासलीला मंडल के कलाकारों द्वारा रावण-अंगद संवाद एवं मंदोदरी-रावण संवाद की भावपूर्ण लीलाओं का मंचन किया गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी मौजूद रहे और मंचन का आनंद लिया।
रावण-अंगद संवाद की लीला में अंगद रावण को समझाते हैं कि वह सीता माता को प्रभु श्रीराम को लौटा दे और उनकी शरण में चले जाए, जिससे उसका और समस्त लंका का कल्याण हो सके। परंतु रावण अपने अहंकार और दंभ में अंधा होकर अंगद की बातों को ठुकरा देता है और युद्ध का मार्ग चुनता है। जहां अंगद की वीरता और आत्मविश्वास ने दर्शकों को रोमांचित किया, वहीं मंदोदरी-रावण संवाद में मंदोदरी द्वारा रावण को समझाने के भावपूर्ण दृश्य ने वातावरण को गम्भीर कर दिया। मंचन के दौरान उपस्थित दर्शक भाव-विभोर होकर ताली बजाते रहे। रामलीला देखने आए अतिथि विकास बंसल, सुधीर मित्तल को कमेटी ने पटका पहनाकर और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर संचालक बुधप्रकाश गोयल, अरविंद भारतीय, सुशील गोयल, विनोद धनगर, महेश चंद गोयल, सुभाष चन्द्र गर्ग, रघुनंदन रस्तोगी, अशोक कुमार गुप्ता, राकेश मोहन गोयल, अमरीश गोयल, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारी, महेशचंद गोयल, राकेश गर्ग, प्रमोद गोयल, संदीप शर्मा, नवनीत गुप्ता, गिरीश गोयल, संजय गोयल, सुदर्शन प्रसाद, आलोक मित्तल, उमेश गर्ग, संजीव राजपूत, मित्रसेन त्यागी, दीपक गोयल, शिवकुमार गोयल, सचित गोयल, वासु गुप्ता, संजय सिंघल, दीपक सिंघल, रीता प्रसाद, मंजू गोयल, तनु शर्मा, आदि सैंकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रावण के दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर रहे राकेश सिंह तोमर

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में आयोजित एवं श्री न्यू उदय कैला महारानी आदर्श रामलीला व रासलीला मंडल द्वारा मंचित रामलीला में इस वर्ष रावण की भूमिका राकेश सिंह तोमर निभा रहे हैं। उनके दमदार संवादों और प्रभावशाली अदायगी से मंच पर रावण का चरित्र जीवंत हो उठता है। राकेश सिंह तोमर सेना से सेवानिवृत हैं और वर्तमान में ग्राम पाली, जिला मुरैना (मध्य प्रदेश) के ग्राम प्रधान के रूप में सेवा दे रहे हैं। स्नातक (बी.ए.) शिक्षित तोमर ने रामानंद सागर कृत रामायण से प्रेरणा लेते हुए रावण के व्यक्तित्व को समझा और उसे मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास किया।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

मिशन शक्ति-5 : शक्ति का अवतार लेकर छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली, नगर निगम ने किया आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम ने मिशन शक्ति अभियान के फेज 5 के तहत जन जागरूकता रैली का आयोजन किया, जिसकी शुरूआत नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने त्रिदेवियों की झांकी को नमन करते हुए की और नारी को शक्ति का अवतार बताते हुए शक्ति का जय घोष भी किया। जन जागरूकता रैली में नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज चंद्रपुरी की छात्राओं ने झांकियो का प्रदर्शन करते हुए नारी शक्ति का संदेश दिया। माता लक्ष्मी, काली तथा सरस्वती की सुंदर झांकी निकालते हुए मिशन शक्ति अभियान को सफल बनाया गया। मौके पर अपर नगर आयु जंग बहादुर यादव उपस्थित रहे, जिनके नेतृत्व में रैली गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय से निकलकर दुर्गा भाभी चौक पहुंची। कार्यक्रम की प्रभारी पल्लवी सिंह तथा स्कूल की प्रधानाचार्य अंतिम चौधरी भी उपस्थित रही। दुर्गा अष्टमी पर आयोजित मिशन शक्ति की जागरूकता रैली में नगर आयुक्त ने महिलाओं के अधिकारों के बारे में उपस्थित छात्राओं को अवगत कराया तथा सशक्त नारी सशक्त समाज का संदेश दिया। परी की झांकी भी निकाली गई, जिसके द्वारा हेल्पलाइन नंबरों की शक्ति को दशार्ते हुए जागरूकता अभियान चलाया गया। नगर आयुक्त ने उपस्थित जनों को शुभकामनाएं देते हुए हेल्पलाइन नंबरों की शक्ति के बारे में बताया तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए भी जागरूक किया। नारी को शक्ति का अवतार बताते हुए छात्राओं तथा महिलाओं का उत्साह वर्धन किया। मौके पर स्वयं सहायता समूह की महिला भी उपस्थिति रही, जिनके द्वारा रैली को सफल बनाया गया।अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने बताया कि महापौर तथा नगर आयुक्त के निर्देश पर गाजियाबाद नगर निगम ने मिशन शक्ति 5 के कार्यक्रम बहुत ही भव्यता से आयोजित किया जा रहे है, जिसमें भव्य रैली निकाली गई। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ-साथ निगम के स्कूलों की छात्राओं को भी जोड़ा गया, जिनके द्वारा गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय से यात्रा प्रारंभ करते हुए दुर्गा भाभी चौक पर माल्यार्पण किया गया एवं जन-जन को नारी शक्ति का संदेश दिया गया। बैंड बाजी के साथ भव्य रैली निकाली गई, जो की आकर्षण का केंद्र बनी।नारी सुरक्षा, नारी सम्मान,स्वावलंबन के प्रति जन-जन को जागरूक किया गया।

हापुड़ कमोडिटी लिमिटेड की बागडोर अब ललित अग्रवाल के हाथों में

हापुड़ (शिखर समाचार) हापुड़ कमोडिटी लिमिटेड की वार्षिक आम बैठक चंडी रोड स्थित कंपनी मुख्यालय में ऊर्जा और उत्साह के माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 की बैलेंस शीट को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई और इसी क्रम में नई कार्यकारिणी का चुनाव भी संपन्न हुआ।
सभी शेयरधारकों की सहमति से ललित अग्रवाल को कंपनी का नया चेयरमैन चुना गया। वहीं, सुरेश जिंदल को मैनेजिंग डायरेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई। निदेशक मंडल में दिनेश सिंघल, मनीष गर्ग और सुभाष सिंघल को शामिल किया गया। बैठक का संचालन कंपनी सचिव महिपाल सिंह ने विधिवत ढंग से किया।
कार्यक्रम में कंपनी के सीईओ दिनेश मित्तल और सेक्रेटरी हरीश नित्यानंद भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में आए शेयरधारकों ने भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों पर गहन चर्चा की। इस दौरान वित्तीय मजबूती, निवेश विस्तार और नए अवसरों पर केंद्रित रोडमैप प्रस्तुत किया गया।
नए चेयरमैन ललित अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार शेयरधारकों का भरोसा और समर्थन है। उन्होंने आश्वस्त किया कि हापुड़ कमोडिटी लिमिटेड आने वाले समय में व्यापार और सेवा क्षेत्र में और सशक्त भूमिका निभाएगी।
शेयरधारकों ने कंपनी की पारदर्शी कार्यशैली और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में कंपनी का प्रदर्शन और भी ऊँचाइयों को छुएगा।

नवरात्रि पर जीडीए का बड़ा तोहफा : मधुबन बापूधाम योजना के 160 परिवारों को मिले नये भूखण्ड

गाजियाबाद (शिखर समाचार) गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर मधुबन बापूधाम योजना के 160 आवंटियों को बड़ा तोहफा दिया है। प्राधिकरण ने प्रभावित परिवारों के लिए नये भूखण्डों का नम्बरिंग ड्रॉ कर उन्हें वैकल्पिक स्थान पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया पूरी कर दी। यह ड्रॉ आज 30 सितम्बर 2025 को हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में प्रातः 11 बजे सचिव की अध्यक्षता में ड्रॉ समिति के सदस्यों और जनसामान्य की उपस्थिति में पारदर्शिता और शुचिता के साथ सम्पन्न हुआ। मधुबन बापूधाम योजना के पॉकेट-ई में वर्ष 2010 से 2012 के बीच श्मशान घाट के समीप आवंटित भूखण्डों के कारण 115 वर्ग मीटर के 50 भूखण्ड, 60 वर्ग मीटर के 89 भूखण्ड और 40 वर्ग मीटर के 21 भूखण्डों के आवंटियों को लंबे समय से असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। प्रभावित परिवार लगातार जीडीए से अनुरोध कर रहे थे कि उन्हें किसी वैकल्पिक स्थान पर भूखण्ड उपलब्ध कराया जाए। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने स्वयं स्थिति की समीक्षा की और शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद नई योजना के तहत लेआउट दोबारा तैयार किया गया और बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त कर प्रभावित परिवारों को नये भूखण्ड आवंटित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य है कि हर आवंटी को ऐसा घर मिले, जहाँ उनका परिवार सुरक्षित, स्वस्थ और गरिमापूर्ण जीवन जी सके। उन्होंने बताया कि आवंटियों का संतोष ही जीडीए की सर्वोच्च प्राथमिकता है और नवरात्रि जैसे पावन पर्व पर परिवारों को राहत पहुंचाना उनके लिए खुशी की बात है।

आईएमएस गाज़ियाबाद में नवरात्रि के पावन अवसर पर भक्ति और रंगों से सजी माता की चौकी

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में नवरात्रि के पावन पर्व पर हॉस्टल के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित माता की चौकी ने एक भव्य और भक्तिपूर्ण माहौल का निर्माण किया। इस आयोजन का संचालन संस्थान की हॉस्टल समिति ने बड़े उत्साह के साथ किया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ दुर्गा के विधिपूर्वक पूजन से हुई, जिसमें संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर और सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लेकर इसे और भी विशेष बना दिया।
माता की चौकी में बुलायी गई भजन मंडली ने अपने मधुर भजनों और श्रद्धापूर्ण गीतों के माध्यम से उपस्थित सभी छात्रों और छात्राओं को भक्ति में डुबो दिया। हर किसी के चेहरे पर श्रद्धा और आनंद झलक रहा था, और सभी ने माँ भगवती के चरणों में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।
इस कार्यक्रम का आकर्षण दुर्गा जी और सुदामा जी की झांकियों की प्रस्तुति रही, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, राधा-कृष्ण के जीवंत नृत्य ने वातावरण को और भी जीवंत और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस भव्य आयोजन में करीब 450 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और अपनी भक्ति का उत्साह साझा किया।
कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया और सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन न केवल भक्ति और सांस्कृतिक रस से परिपूर्ण था, बल्कि छात्रों के बीच सामूहिकता, उत्साह और एकता की भावना को भी प्रबल करने वाला रहा।

विजयनगर पुलिस ने मुठभेड़ में दो झपटमारों को किया गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना विजयनगर पुलिस ने मुठभेड़ में दो झपटमार आकाश और सौरभ को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में आकाश को गोली गाली और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर अवैध तमंचा, कारतूस, 40 हजार रुपए नगद और घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटर साईकिल बरामद की। एसीपी कोतवाली रितेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रॉयल टॉवर के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो अभियुक्त आते हुए दिखाई दिए, जिन्हें रुकने के इशारा किया तो भागने लगे और फिसल गए। पुलिस जब दोनों को गिरफ्तार करने पहुँची तो दोनों ने फायरिंग शुरू दी। पुलिस ने भी फायरिंग की तो आकाश के गोली लग गई। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि मौके से सौरभ को भी गिरफ्तार किया गया। आकाश पर 9 और सौरभ पर 5 मुकदमें लूट, चोरी, छीनेती और आर्म्स एक्ट के दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह पहले मोटरसाइकिल चोरी करते और चोरी की मोटरसाइकिल से भीड़भाड़ वाले इलाकों में पर्स, मोबाइल और चैन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देते।

सीडीओ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पोषण अभियान की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक आहूत हुई। बैठक में शशि वार्ष्णेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी और गरिमा सिंह, मण्डल समन्वयक, मेरठ मण्डल, मेरठ ने पीपीटी के माध्यम से विगत माह के जिला पोषण समिति की बैठक में दिये गये निर्देश के क्रम में अनुपालन से अवगत कराया। पोषाहार वितरण के सम्बन्ध में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि तृतीय त्रैमास का पोषाहार प्राप्त नहीं हुआ है, जिस कारण वितरण नहीं किया जा सका। मुख्य विकास अधिकारी ने पोषण ट्रैकर एप पर वजन/लम्बाई एवं ऊचाई फिंडीग की समीक्षा की। सैम बच्चों के प्रबन्धन की समीक्षा में पाया गया कि पोषण ट्रैकर एप पर आंगनबाडी कार्यकत्री के द्वारा कुल 923 सैम बच्चों का चिन्हांकन किया गया है, जिसमें से एएनएम के द्वारा सभी बच्चों की स्क्रीनिगं करते हुए ई-कवच पर फीडिंग के निर्देश प्रदान किये गये। मुख्य विकास अधिकारी ने उक्त के सम्बन्ध में जिला कार्यक्रम अधिकारी निर्देशित किया गया कि समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारियों तथा बाल विकास परियोजना अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए सैम बच्चों की सूची प्रतिमाह तैयार कर बच्चों को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। हॉट कुक्ड फूड योजना की समीक्षा में पाया गया कि कि कुछ आंगनबाडी केन्द्रों पर गर्म खाना वितरित नहीं किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त केन्द्रों पर हॉट कुक्ड फूड का वितरण अनिवार्यतः कराये जाने हेतु निर्देशित किया। एनीमिया मुक्त गाजियाबाद किये जाने हेतु सभी सम्बन्धित विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए कार्ययोजना बनाकर कार्य किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रतिमाह एनआरसी में शत-प्रतिशत बेड आक्यूपेंसी होनी चाहिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति -5: कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को बनाया गया प्रशासनिक अधिकारी

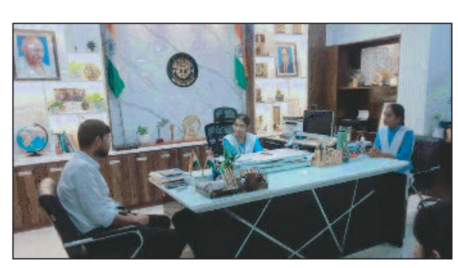

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान फेज 5 का शुभारम्भ किया था। गाजियाबाद में मिशन शक्ति अभियान के सफल आयोजन एवं संचालन के सम्बंध में डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ ने निर्देश दिए थे, जिसके तहत शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रतीकात्मक रूप से प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया। साथ ही उपस्थित छात्राओं को मुख्य विकास अधिकारी ने सम्मानित भी किया। इस दौरान एएन इन्टर कॉलेज, महर्षि दयानन्द विद्यापीठ इन्टर कॉलेज, कन्या वैदिक विद्यालय इन्टर कॉलेज, एलआर इन्टर कॉलेज राम विहार लोनी, जेएलएम गर्ल्स इन्टर कॉलेज मुरादनगर, सुरेश देवी मेमोरियल इन्टर कॉलेज लोनी की छात्राऐं अपनी अध्यापिकाओं के साथ कलेक्ट्रेट में उपस्थित रही। इस दौरान सौफिया पुत्री अखलाख, एएन इन्टर कॉलेज को मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने इस दौरान सौफिया सहित उपस्थित सभी छात्राओं को विभागीय कार्य करने के तरीकों सहित अन्य जानकारियों से अवगत कराया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी छात्राओं से कहा कि हर किसी को अपने दायित्वों को पूर्ण ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ निवर्हन करना चाहिए। जिस प्रकार आप लोगों के द्वारा अच्छे से पढ़ाई करने के पश्चात आपको सम्मानित किया जा रहा है, ठीक यदि आप अपने दायित्वों को हमेशा मेहनत और लगन से निवर्हन करेंगे तो आने वाले समय में आप सम्मानित पद पर आसीन होंगे। मेरी शुभकामनाऐं आपके साथ है।

यूपी का लड़का, बंगाली लड़की, शादी, हत्या फिर सुसाइड

गुरुग्राम में दोनों इंजीनियर थे, लाखों का पैकेज: कलह ऐसी कि साथ सोते नहीं थे

गुरुग्राम। के सेक्टर 37 में द मिलेनिया सोसाइटी के फ्लैट नंबर 1305 में रहने वाले अजय कुमार अग्रहरि और उनकी पत्नी स्वीटी शर्मा की 4 साल की लव स्टोरी का अंत हो गया। घटना 28 सितंबर, रविवार की है। इंजीनियर कपल की डेथ मिस्ट्री की जांच में यह बात सामने आई है कि बंगाली फैमिली से आने वाली स्वीटी ने अपने सहकर्मी अजय से प्यार तो कर लिया, लेकिन शादी के बाद वह यूपी कल्चर वाली फैमिली को स्वीकार नहीं कर पाई। उनके बीच लड़ाई-झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक फ्लैट में रहने के बावजूद दोनों साथ नहीं सोते थे। यही विवाद आखिर में हत्या के बाद सुसाइड के अंजाम तक पहुंच गया। अजय के परिवार वाले कह रहे हैं कि उसका सालाना पैकेज 20 लाख रुपए से ज्यादा का था। स्वीटी का पैकेज भी करीब 15 लाख था। दोनों अच्छा कमा रहे थे, यानी पैसे की कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सुकून की और खुशहाल शादीशुदा जिंदगी की, जो कलह की वजह से खत्म हो गई। सेक्टर 10-ए थाना प्रभारी संजय ने बताया कि दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले जा रहे हैं। इससे पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या स्वीटी के सोशल मीडिया पर बदले व्यवहार ने इस तनाव को और बढ़ाया। पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ जारी है, ताकि झगड़े के पीछे की वजहों का पता लगाया जा सके। MNC में काम करते हुए दोस्ती हुई : अजय और स्वीटी दोनों ही साल 2020 से मल्टीनेशनल कंपनी कैपजेमिनी में इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे थे। अजय उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के एक कायस्थ परिवार से थे, तो स्वीटी एक बंगाली परिवार से ताल्लुक रखती थीं। कार्यस्थल पर दोनों एक दूसरे से संपर्क में आए। दोनों में दोस्ती हुई और धीरे-धीरे नजदीकियां प्यार में बदल गईं। फरवरी 2023 में दोनों ने शादी कर ली। ससुराल गई तो असहज हुई : शादी के बाद स्वीटी अपने ससुराल प्रयागराज गईं तो उसे पति का पारिवारिक और सामाजिक बैकग्राउंड स्वीकार करने में मुश्किल हो रही थी। स्वीटी का फ्रेंड सर्कल हाई-प्रोफाइल था और उसकी जीवनशैली आधुनिक और ओपन माइंडेड थी। दूसरी ओर अजय का पारंपरिक कायस्थ परिवार और उनकी सांवली रंगत स्वीटी को असहज करती थी। अजय से शादी करके फंस गई : अजय के परिवार वालों का कहना है कि स्वीटी को लगता था कि उसने अजय से शादी करके गलती कर दी और वह इस रिश्ते में फंस गई है। स्वीटी का व्यवहार घर की महिलाओं को समझ में आने लगा। कुछ दिन ससुराल रहने के बाद दोनों गुरुग्राम आ गए और हाई-प्रोफाइल द मिलेनिया सोसाइटी में एकसाथ रहने लगे। स्वीटी ने जॉब स्विच कर ली थी : अजय और स्वीटी पहले कैपजेमिनी इंजीनियरिंग कंपनी में साथ काम करते थे। अजय अभी भी इस कंपनी में तकनीकी प्रमुख के तौर पर कार्यरत थे, जबकि शादी से एक महीना पहले ही स्वीटी ने जॉब स्विच कर ली थी। अब वो गुरुग्राम में ही नोकिया फ&ऊ में सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। उसका वर्क फ्रॉम होम चल रहा था। सोशल मीडिया से शादी के फोटो हटाए : दोनों के बीच अब बात-बात पर अक्सर तीखी बहस होने लगी। हालात तब और बिगड़ गए, जब स्वीटी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से अजय के साथ अपनी तस्वीरें हटा दीं और खुद को सिंगल लड़की के रूप में पेश करने लगी। रिश्ते के नाम पर साथ रहते थे : बताया जा रहा है कि रिश्ते के नाम पर दोनों एकसाथ रहते जरूर थे, लेकिन अलग कमरों में। बाहर से खुश, भीतर डिप्रेस्ड : बाहर से देखने में उनकी जिंदगी परफेक्ट लगती थी। दोनों पढ़े-लिखे, अच्छी नौकरी वाले और एक आधुनिक शहर में शानदार फ्लैट में रहते थे। हालांकि, उनका झगड़ा कभी भी परिवार वालों या पड़ोसियों तक नहीं पहुंचा अजय के बड़े भाई विनय नोएडा में सरकारी कॉन्ट्रेक्टर हैं। दोनों उनसे मिलने नोएडा गए थे। विनय का कहना है कि दोनों के चेहरे पर तनाव झलक रहा था, लेकिन वे यह सोचकर चुप रहे कि पति-पत्नी में अक्सर ऐसा होता रहता है। इसलिए ज्यादा सवाल जवाब नहीं किए। विनय ने इस बात की पुष्टि की है कि उनके बीच सबकुछ ठीक नहीं था और उनका रिलेशन खराब दौर से गुजर रहा था। उसे ये अनुमान नहीं था कि इतनी बड़ी घटना भी हो जाएगी। अगर ऐसा पता होता तो वो दोनों को गुरुग्राम नहीं आने देते। ज्यादा मेलजोल नहीं रखते थे पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने बताया कि वे दोनों पढ़े-लिखे और शांत स्वभाव के लगते थे। उन्हें देखकर लगता था कि वे अपनी जिंदगी से खुश हैं, लेकिन अब हकीकत कुछ और बताई जा रही है। उन्हें कभी लड़ते नहीं देखा। वे आमतौर पर किसी से मेलजोल नहीं रखते थे। कभी-कभार दरवाजे या लिफ्ट में हाय हैलो हो जाती थी। 28 सितंबर, रविवार को द मिलेनिया सोसाइटी के अपने फ्लैट में अजय ने पहले पत्नी स्वीटी को गला घोंट कर मारा, फिर खुद भी फांसी के फंदे पर लटक कर जान दे दी। सुसाइड करने से पहले अजय ने अपने बचपन के दोस्त को एक वीडियो भेजा, जिसमें उसने कहा कि वह अब और नहीं जीना चाहता, सब कुछ खत्म कर लेना चाहता है। यह उसका आखिरी दिन है इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद मिला तो मेंटेनेंस टीम को बुलाकर दरवाजा तोड़ा गया। अंदर दोनों के शव मिले। स्वीटी का शव नीचे फर्श पर पड़ा था और उसके गले में चुन्नी थी, जबकि अजय का शव फंदे से लटका हुआ था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी में रखवाया है। लड़की के परिवार वालों के आने के बाद मंगलवार को पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। सोसाइटी के सिक्योरिटी स्टाफ ने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो कन्फर्म नहीं था कि टावर 7 है या टावर 8। पहले पुलिस टावर 8 में गई तो वहां ऐसा मामला नहीं मिला। इसके बाद पुलिस टावर 7 में गई तो फ्लैट नंबर 1305 अंदर से लॉक मिला। पुलिस ने इस फ्लैट के दरवाजे को तोड़ा। अंदर पहुंचने पर दोनों के शव मिल गए। किसी से ज्यादा मेल मुलाकात नहीं रखते थे दोनों पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने बताया कि दोनों पति-पत्नी अपने काम से कम रखते थे। ज्यादा किसी से बातचीत भी नहीं करते थे। कभी-कभी लिफ्ट में या दरवाजे के बाहर हाय हेलो हो जाती थी, इसके अलावा उनसे ज्यादा बातचीत नहीं हो पाती थी। महिला ने बताया कि उन्हें कभी लड़ते हुए भी नहीं देखा था। फ्लैट के अंदर की आवाज बाहर नहीं आती, इसलिए अगर उनके बीच लड़ाई हुई होगी तो पड़ोसियों को पता नहीं चल पाया। महिला का जब वर्क फ्रॉम होता था, तब भी वह किसी से बातचीत नहीं करती थी। पुलिस तलाश रही झगड़े की वजह पुलिस ने फिलहाल दोनों शवों को सिविल अस्पताल की मॉच्युरी में रखवा दिया

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की पूर्व संध्या पर रोटरी क्लब कुशीनगर का सेवा कार्य

संवाददाता

कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की पूर्व संध्या पर मंगलवार को कसया स्थित वृद्धाश्रम में सेवा कार्य करते हुए वृद्धजनों की सुविधा हेतु 4 एग्जॉस्ट फैन प्रदान किया। वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों की कठिनाइयों को देखते हुए यह पहल की गई, जिसकी सभी ने सराहना की।रोटरी क्लब कुशीनगर के सह संरक्षक वाहिद अली ने कहा कि वृद्धजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सेवा और सुविधा सुनिश्चित करना ही सच्ची मानवता है। क्लब के अध्यक्ष अजय सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रोटरी क्लब सदैव सामाजिक सरोकारों के प्रति तत्पर है। वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है और क्लब भविष्य में भी इसी तरह सेवा कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में सह संरक्षक वाहिद अली, अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव विजय गुप्ता, उपाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष विजय कृष्ण द्विवेदी, पूर्व निदेशक अमित श्रीवास्तव, अखिलेश शर्मा, आशीष अग्रवाल, विजय सिंह एवं आनन्द जायसवाल उपस्थित रहे। वृद्धाश्रम की ओर से प्रबंधक रागिनी सिंह रज्जू, सेवादार रुचि मेहरोत्रा, रामा प्रजापति और लेखाकार ऋषभ कपूर ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस से लौटे सार्जेन्ट अभिमन्यु पाण्डेय "मन्नू" का स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर। थाईलैंड, इंडोनेशिया और टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल वेलफेयर जापान द्वारा आयोजित एशिया पैसेफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन की आठवीं अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में अपनी साहित्यिक प्रस्तुति देकर लौटे सार्जेन्ट अभिमन्यु पाण्डेय "मन्नू" का स्वागत किया गया। श्री पांडेय के आवास पर पहुंचकर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी प्रबंधक शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठहीं खुर्द,श्याम नारायण गुप्ता,अध्यक्ष, प्रखर साहित्य संगम एवं कहानीकार सत्य प्रकाश शुक्ल बाबा ने सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री त्रिपाठी ने कहा कि मन्नूजी की यह उपलब्धि हम समस्त कुशीनगर वासियों के लिए गौरव का विषय है। हम सब इसके लिए मन्नूजी का सम्मान कर गौरव का अनुभव कर रहे हैं। सत्य प्रकाश शुक्ल बाबा ने कहा कि उनकी इस उपलब्धि पर फाजिलनगर गौरवान्वित है। कवि 'मन्नू' जी ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है,और जापान जैसे देश में भी भारत को उच्च प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त है तथा वहां के निवासियों से भी अद्भुत प्रेम प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मानों का सम्पूर्ण श्रेय सिर्फ मेरा नहीं बल्कि मेरे परिवारी जन तथा क्षेत्रीय साहित्यकारों और मां भारती की कृपा है। इसके लिए मैं इन सबका आभारी हूं।

कारागार में बंदी की मौत, बंदी रक्षक निलंबित

गोंडा। मंडलीय कारागार में दहेज हत्या के मामले में बंद 26 वर्षीय रमजान अली ने आत्महत्या कर ली है। उसने जेल अस्पताल के पीछे अमरूद के पेड़ से लटककर जान दी है। इस मामले में बंदी रक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जेल अधीक्षक मृत्युंजय कुमार पांडे ने प्रथम दृष्टया लापरवाही मिलने पर यह कार्रवाई की है। रमजान अली अपने माता-पिता और भाई कुदरत अली के साथ दहेज हत्या के आरोप में पिछले चार महीने से जेल में बंद था। आरोप था कि उसने अपने परिजनों के साथ मिलकर कुदरत अली की पत्नी की दहेज के लिए हत्या की थी। उसकी लाश कल देर शाम अमरूद के पेड़ से लटकती हुई मिली थी। बंदी रमजान अली की देखभाल के लिए बंदी रक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह की ड्यूटी लगाई गई थी। जांच के दौरान उनकी ड्यूटी में लापरवाही सामने आई, जिसके कारण बंदी ने आत्महत्या कर ली।

बेटे की मुराद पूरी होने पर इरफान ने स्थापित कराई मां दुर्गा की प्रतिमा

श्रद्धा के साथ मां की आराधना से पूरी होती है मनोकामनाएं: ओमप्रकाश जयसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत वार्ड नंबर 22 महंथ अवैद्यनाथ नगर में गंगा यमुनी तहजीब देखने को मिली। जहां मुस्लिम समुदाय के इरफान ने बेटे की मुराद पूरी होने पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कराई है। सोमवार को भाजपा नेता और प्रसिद्ध समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल डुमरी पहुंचे और इरफान के परिवार संग मां दुर्गा की आरती की। इरफान ने बताया कि मां दुर्गा से संतान की मिन्नत मेरी पत्नी खुशी ने की थी। मिन्नत पूरी होने पर मां दुर्गा की मूर्ति लोगों के सहयोग से स्थापित कराया गया है। जिसमें पूरे वार्ड के भक्त सहयोग कर रहे हैं। यहां श्री जायसवाल ने कहा कि आस्था और श्रद्धा के साथ मां भगवती की आराधना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इसी क्रम में भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने कसया में बेनेट क्लब, गोलाबाजार, गांधी चौक, सपहा, मल्लुडीह, बरवा जंगल, पकवाइनार सहित एक दर्जन जगहों पर श्रद्धालुओं के साथ मां दुर्गा और देवी देवताओं का पूजन किया। तथा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कलाकारों को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, अनिल पाण्डेय, दिनेश जायसवाल, दिनेश सिंह सहित पूजा कमेटियों के पदाधिकारी गण और श्रद्धालु उपस्थित थे।

समतामूलक समाज का निर्माण कर राष्ट्रीय लोकदल को करें मजबूत: सिया शरण पाण्डेय

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय लोकदल कुशीनगर की एक बैठक पीडब्लूडी डाक बंगला हाटा में जिला अध्यक्ष विनोद प्रताप कुंअर सिंह जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें पार्टी के निर्देश पर सदस्यता पंचायत चुनाव व आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में चर्चा हुई। बैठक के विशिष्ट अतिथि भगवान दयाल विश्वकर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल अपने बलबूते पर मजबूती से लड़कर लक्ष्य हासिल करेगा इसके लिए सभी कार्य कर्ता जुट जाएं। मुख्य अतिथि सिया शरण पान्डेय ने कहा की दो अक्टूबर को राष्ट्रीय लोक दल के गांधी जयंती पर सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर जयंती का आयोजन करे साथ ही साथ दो अक्टूबर से सभी बिधान सभा क्षेत्रों में एकता निकाल कर समतामूलक समाज का निर्माण कर पार्टी को मजबूत कर रामाशीष राय जयंत चौधरी के हाथों को मजबूत करे। बैठक में तेज तर्रार युवा साथी अनुप ओझा जी को राष्ट्रीय लोक दल युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री ओझा के मनोनयन पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ रामाशीष राय सिया शरण पान्डेय सुरेश शाही सिता राम मौर्य हरि कशेरा अशोक शर्मा अनुराग द्विदी नन्द किशोर प्रजापति रामदुलारे गौड़ पत्रकार सिरजेश यादव जी उपस्थित होकर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष को बधाई दी। साथ ही साथ पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

राम लीला में सीता खोज व लंका दहन का हुआ मंचन

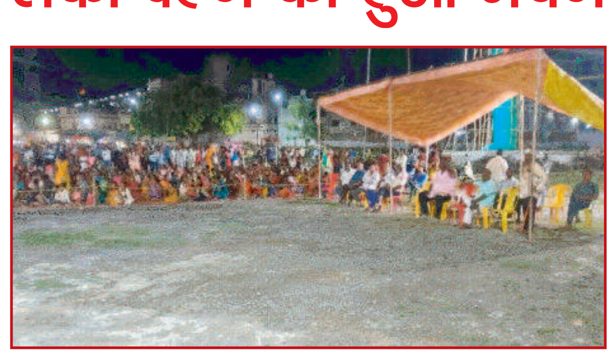

संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र। स्थानीय रामलीला के प्रांगण में चल रही रामलीला के मंचन में हनुमान जी के द्वारा माता सीता की खोज व लंका दहन की लीला का मंचन किया गया। जिसके प्रथम दृश्य में हनुमान जी लंका में माता सीता की खोज करने जाते है। वहां पर बैठी माता सीता को राक्षशियो द्वारा परेशान करने और तरह तरह की यातनाएं दिए जाने का दृश्य हनुमान जी ने देखा ।तभी कुछ क्षण बीतने के बाद हनुमान ने प्रभु राम द्वारा दी गई मुद्रिका को माता सीता के सामने रखकर अपना परिचय दिया। माता सीता ने प्रभु की मुद्रिका को पहचान कर हनुमान जी से श्री राम जी का कुशल मंगल पूछा ।इसके बाद हनुमान जी माता सीता से आज्ञा लेकर अशोक वाटिका में फल खाने के लिए चले गए ।जहां उन्होंने फल खाए और कुछ वृक्षों को तोड़ा।उन्हें रोकने के लिए अशोक वाटिका के पहरेदारों ने बहुत प्रयास किया । लेकिन हनुमान जी को वह रोक नहीं सके । तब कुछ पहरेदारों ने रावण के दरबार पहुंच कर इसकी सूचना दी ।जिस पर रावण ने अपनी सेना के साथ पुत्र अक्षय कुमार को अशोक वाटिका में भेजा।हनुमान जी ने रावण पुत्र अक्षय कुमार को पूरी सेना के साथ मारकर परास्त कर दिया ।इसकी सूचना जैसे ही रावण को मिली तो उसने अपन पहरेदारों से अपने पुत्र मेघनाथ को बुलाया और हनुमान जी को बंदी बनाकर अपने समक्ष लाने का आदेश दिया।अंत में मेघनाथ ब्रह्मास्त्र में हनुमान जी को बांधकर अपने पिता रावण के पास ले जाता है ।जहां पर हनुमान जी की पूछ में आग लगाई जाती है ,आग लगते ही हनुमान जी अपने लघु रूप में आ जाते है ,और पूरी लंका को तहस नहस कर आग लगा देते है ।चलते हुए प्रसंग को देखकर दर्शक आनंदित हो होकर जय श्री राम का उद्घोष करने लगते है । रामलीला कमेटी की खूब सराहना करते है ,ऐसे सुंदर आयोजन करवाने के लिए ।इस मौके पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट संजीत कुमार चौबे , नीलकांत तिवारी,ज्ञानशंकर शुक्ला,एडवोकेट मनीष तिवारी,अभिषेक सेठ,वीरेंद्र मित्तल ,सचिन तिवारी रामलीला कमेटी के प्रमुख व्यवस्थापक कैलाश नाथ के साथ हजारों दर्शक मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षको के लिए एक दिवसीय मानसिक रोग एवं बाल विकास पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया

संवाददाता

कुशीनगर। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम से योगिता कुशवाह मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता, अमृता कुमारी क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट ब्रिज किशोर मनोरोग नर्स, 24 विद्यालयों के अध्यापकों, मेडिकल कालेज कुशीनगर की आईसीटीसी परामर्शदाता खुशबू शुक्ला और पीपीटीसीटी परामर्शदाता विश्वजीत ओझा के द्वारा एड्स के विषय में जानकारी दी गई जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों के विकास में भावनात्मक सहयोग, सकारात्मक पालन-पोषण और प्रारंभिक देखभाल के महत्व के बारे में बताया। योगिता कुशवाहा (साइकिएट्रिक सोशल वर्कर) ने मानसिक रोगों से जुड़े सामाजिक कलंक (स्टिग्मा) को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। और कहा कि समाज को इन रोगों को करुणा और संवेदनशीलता के साथ देखना चाहिए। मानसिक रोग उपचार योग्य हैं और सही परामर्श व परिवारिक सहयोग से रोगी पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। आवश्यकता पड़ने पर टेली मानस नंबर 14416 पर कॉल करके मदद मांग सकते है। कार्यशाला का समापन प्रशस्ति पत्र वितरण के साथ किया गया।

अभाविप में प्रत्येक कार्यकर्ता का कार्य महत्वपूर्ण: प्रो मंदार भानुशे

संवाददाता

कुशीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुशीनगर विभाग की प्रमुख कार्यकताओं की बैठक कुशीनगर स्थित लक्ष्मी पैलेस में दो सत्रों में संपन्न हुई। अभाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो मंदार भानुशे, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री घनश्याम शाही, अभाविप कुशीनगर विभाग प्रमुख डॉ निगम मौर्य, कुशीनगर विभाग संयोजक अजय कुशवाहा ने दीप प्रज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया। अभाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो मंदार भानुशे ने कहा कि अभाविप निरन्तर विद्यार्थियों को शैक्षिक जीवन में सशक्त बनाता है, बल्कि उनको समाज में चुनौतियों से सामना करने के लिए तैयार करता है एवं अभाविप यह बताने का कार्य करता है कि आज का विद्यार्थी कल का नही बल्कि आज का नागरिक है। अभाविप में दायित्व के अनुसार अपने कार्यों का बोध हो इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता का कार्य संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। विभाग संयोजक अजय कुशवाहा ने अभाविप कुशीनगर विभाग में हुए कार्यक्रमों का बारे में जानकारी देते हुए कहा अभाविप इस वर्ष पूरे विभाग में लगभग 35000 छात्र-छात्रा एवं शिक्षक सदस्यता हासिल कर लिया है, अभाविप कुशीनगर में होने वाले कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। बैठक में आभार ज्ञापन अभाविप कुशीनगर विभाग प्रमुख डॉ निगम मौर्य ने किया व संचालन नीतीश सिंह ने किया। बैठक में प्रान्त संगठन मंत्री श्री पुनीत अग्रवाल, प्रान्त सह मंत्री तनुज पाठक, प्रान्त छात्रावास संयोजक प्रशांत राय,विभाग संगठन मंत्री श्री शुभम, दोनों जिले के जिला प्रमुख डॉ योगेन्द्र सिंह व डॉ अजय कुमार सिंह, जिला संगठन मंत्री श्री आलोक जी,जिला संयोजक राजन मद्धेशिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भ्रमण कर छात्राओं ने ली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। नगर अंतर्गत ब्लाक संसाधन केंद्र परिसर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट की छात्राओं ने मिशन शक्ति 0.5 के तहत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया का भ्रमण किया और स्वास्थ्य सुविधाओं व इलाज के बारे में जानकारी हासिल की। मंगलवार को विद्यालय के प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह के निर्देशन में शिक्षिका रश्मि सिंह तोमर, कल्पना सिंह के नेतृत्व में छात्राएं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया का शैक्षिक भ्रमण करने पहुंचीं। परिसर, वार्ड, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, ओपीडी, पैथालॉजी, अन्य वार्ड का निरीक्षण किया तथा सरकारी हॉस्पिटल काउंटर पर जाकर मरीज की पर्ची बनवाने, संबंधित चिकित्सक से मरीज को दिखाने, विभिन्न प्रकार की मेडिकल जांचों के विषय में भी जानकारी हासिल की। अस्पताल में आरबीएसके टीम प्रभारी चिकित्साधिकारी संजय कुमार सिंह ने उन्हें स्वास्थ्य योजनाओं, रोगों से बचाव आदि के बारे जानकारी दी तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। भ्रमण कार्यक्रम में छात्रा निशा, अर्चना, प्रिया, वेदांशी, नंदनी करिश्मा, शिवानी, जोया, रेखा, खुशी, अदिति, नंदिनी, महक, तबस्सुम, अमृता, आंचल, अंशिका शिवानी, रुबीना, अर्पिता, रिद्धि, अंकिता, पूजा, ज्योति, महिमा, अनीता, सबीरा, रुखसार, मान्या, सौम्या, कृतज्ञा आदि शामिल रहीं।

पढ़ो और पढ़ने दो, परेशान मत करो प्रधानाचार्य की भूमिका में मानती ने समझाई

संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र। शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में सोमवार को प्रधानाचार्य की भूमिका में मानविकी वर्ग कक्षा 12 वीं की छात्रा मानती ने छात्रा रागिनी जायसवाल की शिकायत पर छात्रा ज्योति सोनकर को समझाते हुए कही कि कॉलेज आप पढ़ने के लिए आते हैं, न कि किसी को परेशान करने के लिए। छात्रा रागिनी ने प्रधानाचार्य कक्ष में आकर शिकायत थी कि ज्योति पढ़ते, लिखते समय हमसे बातें करती है, जबकि हम मना करते हैं तो नहीं मानती है। शिकायत पर प्रधानाचार्य छात्रा मानती ने ज्योति को प्यार से समझाया और कहा कि वह अब दुबारा ऐसा नहीं करेगी। सबसे पहले प्रधानाचार्य मुकुंद सिंह गौर ने आज की प्रधानाचार्य छात्रा मानती को प्रधानाचार्य की कुर्सी आदि को व्यवस्थित करते हुए आदर पूर्वक बैठाया। प्रधानाचार्य की कुर्सी संभालते ही एक छात्रा ने दूसरी छात्रा की शिकायत की। शिकायत का त्वरित समाधान प्रधानाचार्य ने किया। आज की प्रधानाचार्य ने अर्ध वार्षिक परीक्षा सहित विविध विषयों पर विचार विमर्श हेतु शिक्षकों की बैठक बुलाने की सूचना लिखी। इस दौरान प्रधानाचार्य कक्ष में प्रवक्ता प्रमोद चौबे, शिक्षक विजय भान, शिवकुमार सिंह मौजूद रहे। बता दें कि मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को प्रोत्साहित करने हेतु एक दिन के लिए बेटियों को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जा रहा है।

मिशन शक्ति -5 : कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को बनाया गया एक दिन का पुलिस अधिकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान को परवान चढ़ाने के लिए कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाली स्कूल की छात्राओं को एक दिन का पुलिस अधिकारी बनाया गया। इस दौरान सभी छात्राओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करते हुए पुलिस वर्किंग से अवगत कराया गया। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान के फेज -5 की शुरूआत की थी। अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए गाजियाबाद में लगातार जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहे है। पुलिस विभाग सहित अन्य विभाग भी लगातार कार्यक्रमों का आयोजन कर मिशन शक्ति अभियान को परवान चढ़ाने में जुटे हुए है। अभियान के तहत महर्षि दयानंद विद्यापीठ स्कूल गोविंदपुरम की कक्षा 11 की

छात्रा आकाशी को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था/ यातायात, सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा 10 की छात्रा वंशिका को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध, महर्षि विद्यापीठ स्कूल की कक्षा 10 की छात्रा इशिका को पुलिस उपायुक्त नगर, महर्षि दयानंद विद्यापीठ स्कूल की कक्षा 10 की छात्रा पल्लवी को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण, कैलाशवती इंटर कॉलेज की कक्षा 12वीं की छात्रा शीतल शर्मा को पुलिस उपायुक्त ट्रांसहिंडन, बांसुरी विद्यापीठ स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा दीपांश शर्मा को पुलिस उपायुक्त यातायात, बांसुरी दयानंद स्कूल की कक्षा 9 की छात्रा उर्वशी को सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम, बांसुरी दयानंद विद्यापीठ स्कूल गोविंदपुरम की कक्षा 12 की छात्रा किट्टू कश्यप को सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी, केआर मंगलम स्कूल की कक्षा दसवीं की छात्रा अन्या त्यागी को सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम, डायमंड पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा का एसीपी अंकुर विहार, सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा मानवी को पुलिस आयुक्त कविनगर, गिन्नी देवी मोदी पीजी कॉलेज मोदीनगर की बीए की छात्रा मनीषा को सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर, स्प्रिंगविल पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा तनु कसाना को सहायक पुलिस आयुक्त लोनी बनाया गया। इस दौरान सभी छात्राओं को पुलिस वर्किंग के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यालय का निरीक्षण भी कराया गया।

पीआईटीएस-2025 : यूपी पुलिस की मुस्तैदी और आधुनिक तकनीक ने बनाया जीरो-इंसिडेंट आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 का विशाल आयोजन जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार, उद्योग और नवाचार का केंद्र बना, वहीं सुरक्षा और अनुशासन की दृष्टि से भी यह आयोजन नई मिसाल छोड़ गया। पूरे कार्यक्रम को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में उत्तर प्रदेश पुलिस की भूमिका सबसे अहम रही। ड्रोन से आसमान की निगरानी, 550 सीसीटीवी कैमरों से चप्पे-चप्पे की मॉनिटरिंग, एंटी-ड्रोन सिस्टम और 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल कमांड सेंटर के चलते यह आयोजन जीरो-इंसिडेंट इवेंट के रूप में दर्ज हुआ। आयोजन स्थल को नौ जोन और बीस सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा का अभेद्य कवच खड़ा किया गया था। सात डीसीपी, चौदह एडीसीपी, अड़तीस एसीपी, अस्सी इंस्पेक्टर, तीन सौ सब इंस्पेक्टर और चौदह सौ कांस्टेबलों की तैनाती ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखा। महिला सुरक्षा को लेकर विशेष संवेदनशीलता दिखाई गई और इसके लिए 150 महिला कांस्टेबल तथा 40 महिला सब-इंस्पेक्टर मैदान में उतारी गईं। इसके साथ ही सात कंपनियां पीएसी और एक कंपनी आरएएफ भी लगातार एक्टिव रहीं, जिससे भीड़ और आपात स्थिति से निपटने में किसी तरह की कमी न रहे। ट्रैफिक प्रबंधन में भी पुलिस की स्मार्ट प्लानिंग सामने आई। आयोजन स्थल तक आने वाले आगंतुकों को बिना किसी परेशानी के पहुंचाने के लिए दस ट्रैफिक इंस्पेक्टर, बीस टीएसआई और चार सौ पचास ट्रैफिक कांस्टेबलों को तैनात किया गया। अलग-अलग मार्गों पर पहले से तय डायवर्जन प्लान को सोशल मीडिया के जरिए पब्लिक तक पहुंचाया

गया, जिससे जाम की स्थिति नहीं बनी और लाखों आगंतुक हैसल-फ्री तरीके से आयोजन स्थल तक पहुंचे। इसके अलावा पार्किंग की विशाल व्यवस्था भी इस आयोजन की खासियत रही। नासा पार्किंग समेत सात पार्किंग स्थल बनाए गए, जिनमें पंद्रह हजार वाहनों की क्षमता थी। पार्किंग से स्थल तक शटल बसों की सुविधा दी गई, जिसने व्यवस्था को और सुगम बनाया। विदेशी मेहमानों और वीआईपी डेलीगेट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए होटल से लेकर आयोजन स्थल तक सुरक्षित एस्कॉर्ट की व्यवस्था की गई और पूरे शहर में साइन बोर्ड लगाए गए। यूपी पुलिस की इस तैयारी ने न सिर्फ आयोजन स्थल को सुरक्षित बनाए रखा बल्कि पूरे ग्रेटर नोएडा को एक अनुशासित शहर में बदल दिया। तकनीक, अनुशासन और सतर्कता का यह संगम स्मार्ट पुलिसिंग की जीती-जागती तस्वीर बना। यूपीआईटीएस-2025 की सफलता में जहां सरकार और आयोजकों की मेहनत झलकी, वहीं यूपी पुलिस की चौकसी और आधुनिक सुरक्षा कवच ने इस अंतरराष्ट्रीय इवेंट को बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न कराकर इतिहास रच दिया।

यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह को सेवानिवृत्ति के बाद मिला एक साल का विस्तार

लखनऊ (शिखर समाचार) यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख पूरी कर ली, लेकिन उनके लिए विदाई का यह पल ज्यादा देर तक नहीं रहा। प्रदेश सरकार ने उनकी सेवानिवृत्ति के ठीक एक दिन बाद से ही उन्हें फिर से इसी पद पर बनाए रखने की मुहर लगा दी है। श्री सिंह को अगले एक वर्ष तक प्राधिकरण की कमान संभालने का नया दायित्व मिला है। सरकार के आदेश के मुताबिक उनका यह नया कार्यकाल मंगलवार एक अक्टूबर से शुरू होकर अगले एक साल तक यानी 30 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। हालांकि इस दौरान सरकार की ओर से किसी भी समय नए आदेश जारी किए जा सकते हैं। इस एक्सटेंशन के साथ ही प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के आईएएस पद को अस्थायी रूप से समाप्त कर दिया

गया है।

श्री सिंह नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ का पद भी संभालते हैं जो उनके पास इस एक्सटेंशन के दौरान भी बरकरार रहेगा। इस पुनर्नियुक्ति के तहत वेतन के मामले में एक खास व्यवस्था की गई है जिसके तहत श्री सिंह को मिलने वाले वेतन और भत्तों में से उनकी पेंशन की राशि काट ली जाएगी। सरकारी खजाने पर इस नियुक्ति का कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं होगा और उनके सभी वेतन और भत्ते प्राधिकरण द्वारा अपने संसाधनों से वहन किए जाएंगे। यह आदेश एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगा और श्री सिंह का अनुभव यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के विकास और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन में निरंतरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मिशन शक्ति 5.0 : गौतमबुद्धनगर के सभी 1108 आंगनबाड़ी केंद्रों में कन्या पूजन और कन्या भोज के माध्यम से बेटियों को सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के कुशल मार्गदर्शन में और जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर व जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार वर्मा के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जिलेभर में एक प्रेरक और व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आज इस अभियान की अहम कड़ी के रूप में दनकौर आंगनबाड़ी केंद्र सहित पूरे जिले के 1108 आंगनबाड़ी केंद्रों पर कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार वर्मा ने की। इस आयोजन में बालिकाओं का सम्मानपूर्वक पूजन कर उनके प्रति सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। जिला प्रशासन ने इस अवसर पर स्पष्ट संदेश दिया कि बेटियाँ किसी भी दृष्टि से कम नहीं हैं। उन्हें समान अवसर, समान अधिकार और समाज में समान मान-सम्मान दिया जाना चाहिए। कन्या पूजन और भोज का यह आयोजन समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण स्थापित करने और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। महिला कल्याण विभाग का यह विशेष अभियान न केवल बेटियों के सम्मान को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि समाज में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस तरह मिशन शक्ति 5.0 का यह कार्यक्रम जिले में बेटियों के लिए सशक्त और सम्मानजनक भविष्य की नींव रखने की दिशा में एक मिसाल प्रस्तुत कर रहा है।

चोरी के आरोप में वांछित चल रहा आरोपी गिरफ्तार

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली पुलिस ने चोरी के आरोप में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करके विधिक कार्रवाइ के लिए न्यायालय में पेश किया है। सिंभावली थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह ने बताया कि क्षेत्र के गांव ढाना में पेड चोरी की घटना के संबंध में दर्ज एक मुकदमें में वांछित चल रहे एक आरोपी कमल पुत्र रामपाल निवासी गांव पूरनपुर गढी थाना नजीबाबाद जिला बिजनौर को पुलिस टीम ने उसकी तलाश के दौरान आरोपी को उसके निवास से गिरफ्तार करने में कामयाबी पायी है। आरोपी को विधिक कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया गया है।

गढ ब्लॉक परिसर में नवरात्रि के अवसर पर कन्या पूजन कार्यक्रम

हापुड / गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ ब्लॉक परिसर में नवरात्रि के अवसर पर कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम जहां छोटी छोटी कन्याओ को भोजन प्रसाद श्रद्धाभाव से खिलाया गया वहीं ब्लॉक के अधिकारीयों व कर्मचारीयों ने बढ चढकर भाग लिया। मंगलवार को मां दुर्गा के नवरात्रि पर्व की दुर्गाष्टमी के अवसर पर गढ ब्लॉक परिसर में नवरात्रि के अवसर पर कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम जहां छोटी छोटी कन्याओ को भोजन प्रसाद श्रद्धाभाव से खिलाया गया वहीं ब्लॉक के अधिकारीयों व कर्मचारीयों ने बढ चढकर भाग लिया। कन्याओ को प्रसाद भोजन के साथ उपहार भी दिये गए।

चोर ई रिक्शा चोरी के बाद बैट्री चोरी करके ले गए

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली थाना क्षेत्र से रात्रि में चोर ई रिक्शा चोरी करके ले गए। तलाश के बाद एकांत स्थान पर ई रिक्शा तो मिल गई लेकिन उसके चारो बैटी चोर आपने साथ ले गए। थाना सिंभावली क्षेत्र की सुभाष विहार कालौनी निवासी सतीशचंद ने पुलिस को सूचना देते हुऐ बताया कि वह गरीब व्यक्ति ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है उसने सोमवार की रात्रि अपने अपनी ई रिक्शा अपने घर के सामने स्थित खली प्लॉट में खडी की थी जिसे रात्रि में आये चोर चोरी करके ले गए जिसकी तलाश करने पर रेलवे लाईन के पास खाली स्थान पर उसका ई रिक्शा लावारिश हालत में खडा मिला लेकिन उसके चारो बैट्री चोर चोरी करके ले गए। पुलिस घटना की जांच कर रही है सीसीटीवी कैमरो से पुलिस को मदद मिल सकती है। विदित हो क्षेत्र से पहले भी ई रिक्शा व बैट्री चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में संभव के तहत जनसुनवाई का हुआ आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ जनसुनवाई की गई। संभव में पांच समस्याएं प्राप्त हुई, जिसमें निर्माण विभाग से दो, उद्यान विभाग से दो और प्रकाश विभाग से एक समस्या प्राप्त हुई। सेक्टर 9 विजय नगर में पार्क में लगे सबमर्सिबल को चालू करने का कार्य, वसुंधरा सेक्टर 1 में सड़क मरम्मत का कार्य, वसुंधरा सेक्टर 1 में पार्क में लाइट व्यवस्था सुदृढ़ करने का कार्य, नंदग्राम में अवैध अतिक्रमण हटाने का कार्य करने के आदेश नगर आयुक्त ने दिए।नगर आयुक्त ने उपस्थित टीम को संभव के उपरांत कार्य करने के लिए स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। नगर आयुक्त ने चल रहे कार्यों को त्योहार से पूर्व समय से पूरा करने के निर्देश सभी विभागीय अधिकारी को दिए। मौके पर अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, पल्लवी सिंह प्रभारी संपत्ति, महाप्रबंधक जल केपी आनंद, प्रभारी प्रकाश आश कुमार उपस्थिति रहे।

त्योहारों से पहले मेरठ रेंज डीआईजी नैथानी ने पटाखों की बिक्री व भंडारण को लेकर कसे पेंच

मेरठ (शिखर समाचार) विजयदशमी और दीपावली जैसे बड़े पर्वों के करीब आते ही मेरठ परिक्षेत्र में आतिशबाजी और पटाखों की खरीद-फरोख्त पर पुलिस ने सतर्कता मोड अपना लिया है। मंगलवार को डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी ने सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए, ताकि त्यौहारों की उमंग के बीच किसी तरह की दुर्घटना या जनहानि की आशंका न रहे।

डीआईजी ने स्पष्ट किया कि विस्फोटक नियमावली 2008 के प्रावधानों का अक्षरशः पालन कराया जाए। थानों के स्तर पर उन सभी व्यापारियों के साथ बैठकें आयोजित हों जो पूर्व में पटाखों की दुकानों या आतिशबाजी से जुड़े कारोबार में शामिल रहे हैं। इसमें उन्हें नियमों और सुरक्षा मानकों से अवगत कराने की हिदायत दी गई है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में कई स्थानों पर बारूद के अवैध भंडारण या बिना अनुमति पटाखा निर्माण के कारण भयावह हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें लोगों की जान के साथ-साथ संपत्ति

का भी बड़ा नुकसान हुआ। ऐसी पुनरावृत्ति रोकने के लिए इस बार सभी थानों को आकस्मिक निरीक्षण करने और अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। निर्देशों के मुताबिक आतिशबाजी के गोदामों की गहन जांच प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर की जाएगी और यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी रिहायशी इलाके में विस्फोटक सामग्री का भंडारण न हो। लाइसेंसधारकों को तय सीमा से अधिक स्टॉक रखने की अनुमति नहीं होगी।

डीआईजी ने यह भी कहा कि एलआईयू और स्थानीय पुलिस सतत रूप से गुप्त सूचनाएं जुटाएं और अगर किसी के पास अवैध भंडारण या परिवहन की जानकारी मिले तो उसके खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाए। इसी क्रम में रेलवे स्टेशन और बस अड्डों जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाने और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ क्षेत्राधिकारी स्तर पर करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस टीमों को विस्फोटक सामग्री की जब्ती और अभिरक्षा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के लिए सचेत किया गया है। वहीं, आग लगने जैसी आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड को अलर्ट मोड पर रहने, उपकरणों को दुरुस्त रखने और आवश्यकता पड़ने पर निजी अग्निशमन सेवाओं से भी समन्वय बनाने को कहा गया है।

त्योहारों की भीड़भाड़ के समय नगर के संवेदनशील स्थानों पर अग्निशमन वाहनों की तैनाती सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र के स्वयंसेवी संगठनों, डिजिटल वॉलंटियर्स और जिम्मेदार नागरिकों से संवाद बनाकर अवैध गतिविधियों की जानकारी जुटाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश मिले हैं।

त्योहारों की रौनक बरकरार रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने की इस कवायद से साफ है कि मेरठ रेंज पुलिस इस बार किसी भी लापरवाही के लिए जगह नहीं छोड़ना चाहती।

शारदा विश्वविद्यालय में डांडिया और माता की चौकी का भव्य आयोजन, छात्रों में उत्सव का रंग छाया

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय ने सोमवार शाम अपने परिसर को त्योहारी उमंग से रंग दिया। विश्वविद्यालय के छात्रों और स्टाफ के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में डांडिया नाइट और माता की चौकी दोनों को एक साथ मनाया गया। डांडिया नाइट में प्रवेश के लिए छात्रों को केवल अपने आई कार्ड दिखाना पड़ा। जैसे ही कार्यक्रम की शुरूआत हुई, पारंपरिक गरबा और डांडिया की मधुर धुनों ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर को उत्सवमय बना दिया। छात्र-छात्राओं, शिक्षक और स्टाफ ने पारंपरिक वेशभूषा पहनकर इस अवसर का हिस्सा बनकर संस्कृति और भक्ति के रंगों को अपनी झलक में शामिल किया। परिसर में हर ओर नृत्य की लय और संगीत की गूँज सुनाई दी, जिससे यह शाम और भी यादगार बन गई। छात्रों ने उत्साह और सांस्कृतिक भावना के साथ डांस प्रस्तुत किया, अपने दोस्तों के साथ डांडिया की धुन पर कदमताल करते हुए वातावरण को और भी जीवंत बना दिया। शिक्षक और स्टाफ ने भी इस सांस्कृतिक आयोजन में

बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विद्यार्थियों के उत्साह में शामिल होकर वातावरण को और भी उत्सवमय बनाया। कार्यक्रम का दूसरा आकर्षण था माता की चौकी, जिसमें छात्रों और विश्वविद्यालय से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया। छात्र-छात्राओं ने भक्ति गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से देवी मां से अपने उज्जवल भविष्य की कामना की। माता की आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का

समापन हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने मिलकर ह्लजय माता दीह्व का उद्घोष किया और भक्ति का अनुभव साझा किया। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर किया, बल्कि छात्रों को भारतीय परंपराओं से जोड़ने का अनमोल अवसर भी प्रदान किया। शारदा विश्वविद्यालय में यह उत्सव विद्यार्थियों और स्टाफ के बीच एकता और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ाने का भी जरिया बना।

सरूरपुर खुर्द में सेवा पखवाड़े पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प और जीएसटी सुधारों पर विशेष बैठक

मेरठ (शिखर समाचार) भारतीय जनता पार्टी के सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सरूरपुर खुर्द मंडल के ब्लॉक प्रांगण में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं जीएसटी रिफार्म्स पर केंद्रित एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि जीएसटी रिफार्म्स जिला सह संयोजक पंडित आदेश फौजी ने शिरकत की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष आदेश कसाना ने संभाली। मुख्य अतिथि पंडित आदेश फौजी ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मार्ग वोकल फॉर लोकल से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि हमें चाहिए कि हम भारत में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दें और विदेशी उत्पादों का बहिष्कार करें। यही कदम न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा बल्कि स्थानीय कारीगरों और उद्योगों को भी नई पहचान दिलाएगा। उन्होंने

जीएसटी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने व्यापारियों, किसानों और उद्योग जगत के लिए कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया है। पंडित फौजी ने कहा कि घटे हुए जीएसटी दरों से जहां उपभोक्ता को सीधा लाभ मिला है, वहीं व्यापारी वर्ग को भी कारोबार विस्तार का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस सुधार अभियान को गाँव-गाँव, कस्बे-कस्बे तक पहुँचाएँ ताकि हर व्यापारी और आमजन सरकार की इस पहल के फायदे से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार न केवल राजस्व वृद्धि का माध्यम है बल्कि यह व्यवस्था को सरल और जनहितैषी बनाने का भी प्रयास है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा, कृष्णपाल फुगाट, प्रदीप शर्मा, गौतम चौधरी, अरविंद जाटव, अजय शास्त्री, हिमांशु त्यागी, उदयवीर कश्यप, रजनीश त्यागी, जितेन्द्र गोस्वामी, मनोज शर्मा, सुरेश कश्यप सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे सेवा पखवाड़े तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ह्लस्वदेशी अपनाओ, आत्मनिर्भर भारत बनाओह्व का संकल्प बार-बार दोहराया गया।

संपादकीय

विदेशी नीतियों की नई चुनौतियाँ : अमेरिका की H-1B वीजा पाबंदियाँ और भारत की रणनीति

विश्व में कई जटिल बदलाव हो रहे हैं, लेकिन एक ऐसा विषय है जो न केवल भारत की विदेश नीति को प्रभावित कर रहा है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र को भी सीधे चुनौती दे रहा है। अमेरिका द्वारा अपने H-1B वीजा कार्यक्रम में लाई गई नई पाबंदियाँ इस समय अंतरराष्ट्रीय बहस के केंद्र में हैं। अमेरिका ने H-1B वीजा शुल्क को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ाते हुए एक नई सीमा तय की है, जिससे भारतीय आईटी कंपनियों और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के सामने नई परिस्थितियाँ खड़ी हो गई हैं। यह मुद्दा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसलिए अहम हो गया है क्योंकि यह न केवल भारत-अमेरिका संबंधों को अधिक जटिल बनाएगा, बल्कि हमारे उच्च-कुशल रोजगार, व्यापार संतुलन और तकनीकी शक्ति की चुनौतियों को भी सामने लाएगा।

ल्-1इ वीजा लंबे समय से भारतीय पेशेवरों के लिए अमेरिकी अवसरों का द्वार रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, शोध और अन्य उच्च कौशल वाले क्षेत्रों में भारतीय युवाओं की सबसे अधिक मांग अमेरिका में रही है। अमेरिकी कंपनियों के संचालन में भारतीय इंजीनियरों और विश्लेषकों का योगदान इतना महत्वपूर्ण है कि इसे दोनों देशों के बीच ज्ञान-आधारित साझेदारी की नींव कहा जा सकता है। लेकिन अब जब अमेरिका ने शुल्क को अचानक हजारों डॉलर से बढ़ाकर एक लाख डॉलर तक कर दिया है, तो यह कंपनियों के लिए बड़ा आर्थिक झटका बन गया है। ऐसी स्थिति में अमेरिकी कंपनियाँ या तो भारत में ही अपना कामकाज बढ़ाने का विकल्प चुनेंगी या फिर भारतीय पेशेवरों की नियुक्ति में कटौती कर सकती हैं। इस परिदृश्य में भारत के सामने अवसर और चुनौतियाँ दोनों हैं। अवसर यह है कि भारत अपने ज्ञान-आधारित उद्योग को और मजबूत कर सकता है, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साईबर सुरक्षा, डेटा विश्लेषण और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में। पहले से ही भारत में हजारों ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स सक्रिय हैं, जो विश्व स्तर पर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। यदि अमेरिकी कंपनियाँ लागत और नीति संबंधी जोखिमों के चलते अपना काम भारत में स्थानांतरित करती हैं, तो भारत एक वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत हो सकता है।

लेकिन इसके साथ ही गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। सबसे पहली चुनौती यह है कि इस कदम से भारत-अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका यदि इसे महज अपनी घरेलू नीति मानता है, तो भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह कदम साझेदारी को कमजोर करने के बजाय कंपनियों को भारत में निवेश के लिए प्रेरित करे। भारत की कूटनीति को इस स्थिति को सुलझाने में तुरंत और संतुलित रुख अपनाना होगा। दूसरी चुनौती है भारत के आंतरिक ढाँचे को और मजबूत करना। यदि कंपनियाँ भारत में काम स्थानांतरित करना चाहें तो उन्हें एक स्थिर, पारदर्शी और सक्षम माहौल चाहिए। बेहतर बुनियादी ढाँचा, डेटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा कानून और श्रम सुधार जैसे क्षेत्र ऐसे हैं जिन पर तुरंत और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अन्यथा यह अवसर केवल एक अस्थायी राहत तक सीमित रह जाएगा। तीसरी चुनौती सामाजिक और आर्थिक असमानता की है। यदि तकनीकी निवेश और रोजगार सिर्फ महानगरों और आईटी केंद्रों तक सीमित रह गए तो ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक इसका लाभ नहीं पहुँच पाएगा। इसलिए सरकार और उद्योग जगत को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देकर व्यापक स्तर पर लाभ पहुँचाया जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

आंतरिक विवशता और बाहरी परिस्थितियों के दबाव का मिश्रित परिणाम होती है बेचारगी।

© विनय संकोची

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

सनत जैन

पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर...

दुनिया की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉपोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुडा वर्ग महज 1झ8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉपोरेट का अमेरिका की राजनीति मे गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है।

पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉरपोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कार्पोरेट जगत के अरबोंझखरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बडी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई ओर बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं।

अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी,

उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉरपोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के सभी देशों की जनता कंगाली और शोषण का शिकार हो रही हैं। राजनेताओं और कॉरपोरेट सेक्टर का जो गठबंधन बना है अब उसके खिलाफ सारी दुनिया के देशों में आम जनता के बीच विद्रोह देखने को मिलने लगा है। आधा दर्जन से ज्यादा देश इसके शिकार हैं। आम जनता विशेष रूप से युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। कारपोरेट जगत में जो नीतियां बनाई हुई हैं उसमें मशीनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो रहा है। लोगों को काम नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों में जो गुस्सा देखने को मिल रहा है वह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। कार्पोरेट जगत और राजनेताओं की मिली भगत ने शोषण की सभी हदें पार कर दी हैं। इसके बाद भी अमेरिका जैसा देश कर्ज के कारण कंगाली के दौर पर पहुंच रहा है। यह सारी दुनिया के पूंजीवादी देशों के लिए एक सबक है।

सड़क हादसेः असुरक्षित सड़कें हैं जान की दुश्मन

विनोद के. शाह

देश में जनसंख्या वृद्धि केवल जनगणना के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की हर सड़क, हर मोड़ और हर फुटपाथ पर सुरक्षित एंव शांतिपूर्ण जीवन में खौफ पैदा करती दिखती है।

शहरों में इंसान एवं वाहन बढ़ते गए, सड़कों पर जगह घटती गई। नतीजा यह कि पैदल चलने वालों के लिए कभी सुरक्षित माने जाने वाले फुटपाथ आज खड़े वाहनों, दुकानों के विस्तार और अवैध कब्जों से घिर चुके हैं। एक समय था जब फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध रास्ता हुआ करता था। आमजनों को अधिकार में मिला सड़क के किनारे वाला फुटपाथ स्कूल जाते बच्चों, पैदल चलते बुर्जगों के लिए सुरक्षित मार्ग था। दिव्यांगजन भी बगैर डरे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित चल पाते थे। लेकिन अब वही फुटपाथ एंव पार्किंग स्थल अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सहित राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांगजन और बुजुरगे के लिए सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकारों की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। यह आदेश अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि यदि सरकार और स्थानीय निकाय समय पर कदम नहीं उठाते, तो सड़क सुरक्षा के संकट और गंभीर होंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में पैदल चलते हुए 35,203 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि 54,544 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा सड़क हादसों में कुल मौतों का 20.4% है। प्रत्येक पांच सड़क दुर्घटना मृतकों में से एक पैदल यात्री है। दिल्ली में वर्ष 2025 के प्रारंभिक चार महीनों में सड़क हादसों में 184 लोगों की जान गई है। यानी प्रत्येक माह औसतन 46 लोगों की पैदल चलने के दौरान मौत हुई है। दिल्ली यातायात पुलिस मानती है कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी एवं खड़े वाहनों के अतिक्रमण से राजधानी की अस्सी फीसद सड़कें प्रभावित है। यह आंकड़े संकेत हैं कि हमारे शहर और कस्बे पैदल चलने के लिए सुरक्षित रहने के बजाए दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। पिछले वर्षो में ऐसी अनेक घटनाएं हुई है, जब स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौंदा है।

वर्ष 2023 में ही सड़क हादसों में 2,352 बच्चों ने अपनी जान गंवाई। इससे भी दर्दनाक यह कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण 2,161 लोग मारे गए। गड्ढा भरना कोई तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता नहीं मांगता है, इसे स्थानीय निकाय का सफाई कर्मचारी भी आसानी से संपन्न करा सकता है, लेकिन हमारे देश में पैचवर्क श्रेणी का कार्य भी फाइलों में एक टेबल से दूसरे टेबल का सफर करता एक लंबित कार्य बन जाता है। सड़क सुरक्षा में यातायात पुलिस सहित नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, यातायात प्रबंधन विभाग और नागरिकों, सभी की साझा जिम्मेदारी है।

स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और फुटपाथ की मरम्मत की जिम्मेदारी प्रशासनिक कार्य बंटवारे में सौंपी गई है। यातायात पुलिस को पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात सिग्नल और अंडरपास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों को भी स्वयं के कर्तव्यों को समझने की अवश्यकता है कि फुटपाथ पर गाड़ी खड़ी करना या दुकान फैलाना दूसरों के जीवन को संकट में डालना है। बैंक, मॉल, अस्पताल और प्रतिष्ठानों को अपने ग्राहकों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना व्यपारिक जिम्मेदारी के साथ कानूनन आवश्यक है। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था इतनी अधिक लाफरवाह हो चुकी है कि पार्किंग अभाव में भी संस्थाओं को संचालन की आसान अनुमति दे दी जाती है, जिसमें गाड़ियां सड़कों और टपाथों पर खड़ी कर दी जाती हैं।

आवासीय क्षेत्रों में वह रहवासी भी बड़ी गाड़ियां खरीदने में परहेज नहीं करते हैं जिन पर पार्किंग सुविधा नहीं है, परिणामस्वरूप वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। जिसके कारण आपातकालीन सेवाएं एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी समय पर आसानी से नहीं गुजर पाते है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब बड़े राजमार्ग बनाने की बात की जा रही है, लेकिन

देश में पैदल राहगीरों के लिए सडक किनारे फुटपाथ सुरक्षित नहीं है। यह देश में गंभीर चिंता का विषय होना चहिए। मोटर वाहन अधिनियम 1988 में भी पैदल यात्रियों को सड़क क्रॉसिंग, फुटपाथ और ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य माना गया है, लेकिन इसे सिर्फ किताबों तक ही सीमित माना जा रहा है।

पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज सहायता का प्रावधान भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही संभव हो सका है। अगर आज हमने फुटपाथ और सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में शहरों में पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश महत्त्वपूर्ण कदम है, सुरक्षित फुटपाथ और व्यवस्थित सड़कें केवल यातायात सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन के अधिकार का सम्मान भी है।

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है।

समाज सहयोग से संघ शताब्दी यात्रा सुगम बनी : दत्तात्रेय होसबाले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य को अभी सौ वर्ष पूर्ण हो रहे है। इस सौ वर्ष की यात्रा में कई लोग सहयोगी और सहभागी रहे हैं। यह यात्रा परिश्रम पूर्ण और कुछ संकटों से अवश्य घिरी रही, परंतु सामान्य जनों का समर्थन उसका सुखद पक्ष रहा। आज जब शताब्दी वर्ष में सोचते हैं तो ऐसे कई प्रसंग और लोगों का स्मरण आता है, जिन्होंने इस यात्रा की सफलता के लिए स्वयं सब कुछ समर्पित कर दिया।

प्रारंभिक काल के वे युवा कार्यकर्ता एक योद्धा की तरह देश प्रेम से ओत-प्रोत होकर संघ कार्य हेतु देशभर में निकल पड़े। अप्पाजी जोशी जैसे गृहस्थ कार्यकर्ता हों या प्रचारक स्वरूप में दादाराव परमार्थ, बालासाहब व भाऊराव देवरस बंधु, यादवराव जोशी, एकनाथ रानडे आदि लोग डॉक्टर हेडगेवार जी के सान्निध्य में आकर संघ कार्य को राष्ट्र सेवा का जीवनव्रत मानकर जीवन पर्यन्त चलते रहे।

संघ का कार्य लगातार समाज के समर्थन से ही आगे बढ़ता गया। संघ कार्य सामान्य जन की भावनाओं के अनुरूप होने के कारण शनैः शनैः इस कार्य की स्वीकार्यता समाज में बढ़ती चली गई। स्वामी विवेकानंद से एक बार उनके विदेश प्रवास में यह पूछा गया कि आपके देश में तो अधिकतम लोग अनपढ़ हैं, अंग्रेजी तो जानते ही नहीं हैं, तो आपकी बड़ी-बड़ी बातें भारत के लोगों तक कैसे पहुँचेगी? उन्होंने कहा कि जैसे चीटियों को शक्कर का पता लगाने के लिए अंग्रेजी सीखने की जरूरत नहीं है, वैसे ही मेरे भारत के लोग अपने आध्यात्मिक ज्ञान के चलते किसी भी कोने में चल रहे सात्विक कार्य को तुरंत समझ जाते हैं व वहीं वो चुपचाप पहुँच जाते हैं। इसलिए वे मेरी बात समझ जायेंगे। यह बात सत्य सिद्ध हुई। वैसे ही संघ के इस सात्विक कार्य को धीरे क्यों न हो, सामान्य जन से स्वीकार्यता व समर्थन लगातार मिल रहा है।

संघ कार्य के प्रारंभ से ही संपर्कित व नये-नये सामान्य परिवारों द्वारा संघ कार्यकताओं को आशीर्वाद व आश्रय प्राप्त होता रहा। स्वयंसेवकों के परिवार ही संघ कार्य संचालन के केंद्र रहे। सभी माता-भगिनियों के सहयोग से ही संघ कार्य को पूर्णता प्राप्त हुई। दत्तोपंत ठेंगड़ी या यशवंतराव केलकर, बालासाहेब देशपांडे तथा एकनाथ रानडे, दीनदयाल उपाध्याय या दादासाहेब आपटे जैसे लोगों ने संघ प्रेरणा से समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में संगठनों को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई। ये सभी संगठन वर्तमान समय में व्यापक विस्तार के साथ-साथ उन क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज की बहनों के मध्य इसी राष्ट्र कार्य हेतु राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से मौसी जी केलकर से लेकर प्रमिलाताई मेढ़े जैसी मातृसमान हस्तियों की भूमिका इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

संघ द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय हित के कई विषयों को उठाया गया। उन सभी को समाज के विभिन्न लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ, जिनमें कई बार सार्वजनिक रूप से विरोधी दिखने वाले लोग भी शामिल रहे। संघ का यह भी प्रयास रहा कि व्यापक हिंदू हित के मुद्दों पर सभी का सहयोग प्राप्त किया जाए। राष्ट्र की एकात्मता, सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द तथा लोकतंत्र एवं धर्म-संस्कृति की रक्षा के कार्य में असंख्य स्वयंसेवकों ने अवर्णनीय कष्ट का सामना किया और सैकड़ों का बलिदान भी हुआ। इन सबमें समाज के संबल का हाथ हमेशा रहा है।

1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में भ्रमित करते हुए कुछ हिंदुओं का मतांतरण करवाया गया। इस महत्वपूर्ण विषय पर हिंदू जागरण के क्रम में आयोजित लगभग पाँच लाख की उपस्थिति वाले सम्मेलन की अध्यक्षता करने हेतु तत्कालीन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. कर्णसिंह उपस्थित रहे। 1964 में विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना में प्रसिद्ध संन्यासी स्वामी चिन्मयानंद, मास्टर तारा सिंह व जैन मुनी सुशील कुमार जी, बौद्ध भिक्षु कुशोक बकुला व नामधारी सिख सद्गुरु जगजीत सिंह इनकी प्रमुख सहभागिता रही। हिन्दू शास्त्रों में अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं है यह पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से श्री गुरूजी गोलवलकर की पहल पर उडुपी में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन में पूज्य धमार्चार्यों सहित सभी संतों-महंतों का आशीर्वाद व उपस्थिति रही। जैसे प्रयाग सम्मेलन में न हिंदुः पतितो भवेत (कोई हिन्दू पतित नहीं हो सकता) का प्रस्ताव स्वीकार हुआ था वैसे ही इस सम्मेलन का उद्घोष था - हिंदवः सोदराः सर्वे अर्थात सभी हिन्दू भारत माता के पुत्र हैं। इन सभी में तथा गौहत्या बंदी का विषय हो या राम जन्मभूमि अभियान, संतों का आशीर्वाद संघ स्वयंसेवकों को हमेशा प्राप्त होता रहा है।

स्वाधीनता के तुरंत पश्चात राजनीतिक कारणों से संघ कार्य पर तत्कालीन सरकार द्वारा जब प्रतिबंध लगाया गया, तब समाज के सामान्य जनों के साथ अत्यंत प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी संघ के पक्ष में खड़े होकर इस कार्य को संबल प्रदान किया। यही बात आपातकाल के संकट समय में भी अनुभव में आई। यही कारण है कि इतनी बाधाओं के पश्चात भी संघ कार्य अक्षुण्ण रूप से निरंतर आगे बढ़ रहा है। इन सभी परिस्थितियों में संघ कार्य एवं स्वयंसेवकों को सँभालने का दायित्व हमारी माता-भगिनीयों ने बड़ी कुशलता से निभाया। यह सभी बातें संघ कार्य हेतु सर्वदा प्रेरणास्त्रोत बन गयी हैं।

भविष्य में राष्ट्र की सेवा में समाज के सभी लोगों के सहयोग एवं सहभागिता के लिए संघ स्वयंसेवक शताब्दी वर्ष में घर-घर संपर्क के द्वारा विशेष प्रयास करेंगे। देशभर में बड़े शहरों से लेकर सुदूर गाँवों के सभी जगहों तक तथा समाज के सभी वर्गों तक पहुँचने का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। समूचे सज्जन शक्ति के समन्वित प्रयासों द्वारा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की आगामी यात्रा सुगम एवं सफल होगी।

(लेखक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह हैं)

संक्षिप्त समाचार

छात्रों का साथी को बेल्ट से पीटते वीडियो वायरल

उन्नाव एजेंसी। सदर कोतवाली के आदर्शनगर मोहल्ले में निजी स्कूल के पास का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। स्कूल के पास खड़े छात्र को यूनिफार्म पहने कई छात्र पीटते हैं। इसके बाद उसपर बेल्टों से हमला करते हैं। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीड़ियो की पुष्टि नहीं करती है। जानकारी पर पुलिस ने जांच की। लेकिन सभी छात्र कक्षा 11 के और नाबालिग होने से हिदायत देकर छोड़ दिया है। मालूम हो कि इससे पहले करोवन मोड़ के पास दो दिन पहले छात्र को उसी के साथी छात्रों ने पीटा और चाकू से हमला किया था। इंचार्ज अंजनी सिंह ने बताया कि जांच की गई थी, नाबालिगों और उनके परिजनों को हिदायत दी गई है।(संवाद)

स्वामिनी ने दिल्ली छात्र संघ चुनाव में फहराया परचम

छिबरामऊ , एजेंसी। इलाके के गांव की बेटी ने हाल ही में दिल्ली में संपन्न हुए छात्र संघ चुनाव में श्री अरविंदो कॉलेज से उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर परचम फहराया है। बेटी की सफलता पर रविवार को पूर्व सपा विधायक अरविंद सिंह यादव ने गांव पहुंचकर बेटी को अभिनंदन कर जीत की बधाई दी। ग्राम असालताबाद के पूर्व प्रधान विनोद यादव की बेटी स्वामिनी यादव दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरविंदों कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष (इतिहास व राजनीति शास्त्र) की छात्रा है। हाल ही में संपन्न कराए गए छात्र संघ चुनाव में स्वामिनी ने उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया और अपने प्रतिद्वंदी प्रत्याशियों को वोटों के बड़े अंतराल से हराकर जीत हासिल की। उपाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद पहली बार गांव पहुंची लाड़ली बेटी को परिजनों समेत गांव के लोगों ने हाथों हाथ लेते हुए बधाई दी।पूर्व विधायक ने बेटी से मिलकर उसकी हौंसला आफजाई करते हुए कहा कि छात्र राजनीति करने वाले कई नवयुवक आगे बढ़कर देश की राजनीति की बागडोर संभाल चुके हैं। पिता विनोद यादव ने बताया कि नाम के अनुसार ही मिलनसार और हंसमुख स्वभाव की बेटी स्वामिनी ने पीजी से लेकर 12 तक की पढ़ाई नगर के सेंट पॉल विद्यालय से पूरी की। इस मौके पर सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश महासचिव चंद्रजीत यादव एडवोकेट, देवेंद्र सिंह, लाखन सिंह, रॉबिन सिंह, सचिन शाक्य आदि मौजूद रहे

बोर्ड परीक्षा का तनाव करेगा बाय-बाय, विद्यार्थियों के लिए मित्र मनोदर्पण एप

गुगरापुर, एजेंसी। बोर्ड परीक्षा आते ही छात्रों पर तनाव का असर साफ दिखने लगा है। इसी को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने विद्यार्थियों की मानसिक और भावनात्मक सहायता के लिए मित्र मनोदर्पण एप लॉन्च किया है। यह एप हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को तनाव, डर और पढ़ाई के दबाव से राहत देने में मदद करेगा। एप के जरिए छात्र घर बैठे प्रशिक्षित काउंसलर से परामर्श ले सकते हैं। इसमें मोटिवेशनल वीडियो, लेख, तनाव प्रबंधन तकनीक, आत्ममूल्यांकन और माइंडफुलनेस जैसे कई उपयोगी फीचर हैं। सबसे खास बात यह है कि एप मुफ्त है और 24 घंटे उपलब्ध है। ऐसे छात्र जो दूरदराज़ इलाकों में रहते हैं और काउंसलिंग सुविधाओं से वंचित हैं, उनके लिए यह ऐप किसी साथी से कम नहीं। 'मित्र मनोदर्पण' गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जहां से छात्र इसे आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं। डीआईओएस पप्पू सरोज का कहना है कि परीक्षा का तनाव अब समस्या नहीं रहेगा। यह एप छात्रों को मानसिक रूप से मज़बूत बनाएगा। सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वह छात्रों को इस एप की जानकारी जरूर दें। यह एक काउंसलिंग व मेंटल हेल्थ सपोर्ट देने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा छात्रों की भावनात्मक ज़रुरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इस ऐप की मदद से छात्र परीक्षा से जुड़ी चिंता, असफलता का डर, एकाग्रता की कमी और पढ़ाई का प्रेशर जैसी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं।

तीखी धूप और उमस के बीच एक अक्तूबर से प्रदेश में बारिश होने का अलर्ट

दशहरा के दिन बरसात की चेतावनी

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में एक बार फिर से मौसम बदलने वाला है। प्रदेश में अक्तूबर की शुरुआत पूर्वांचल व मध्यांचल में बरसात के साथ होने वाली है। इसके पहले सोमवार से बुधवार के बीच लोगों को चुभने वाली धूप और उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी यूपी से मानसून की विदाई के बाद प्रदेश के दक्षिणी हिस्से को छोड़कर बाकी हिस्सों में फिलहाल बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं हैं।

इस बीच बंगाल की खाड़ी में एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बनने से एक अक्तूबर से पूर्वांचल और मध्यांचल में फिर से छिटपुट बूंदाबांदी का दौर शुरू होगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इस नए तात्कालिक मौसमी बदलाव से बुधवार से अगले तीन दिन बूंदाबांदी के संकेत हैं।

एक से तीन अक्तूबर के दौरान होने वाली बारिश से दशहरे के दिन भी बारिश हो सकती है। हालांकि यह बारिश पूर्वी यूपी और अवध के हिस्सों में ज्यादा रहेगी। पश्चिम में इसका असर कम दिखेगा। फिलहाल यूपी के दक्षिणी हिस्से में रुक-रुक कर छिटपुट बूंदाबांदी जारी रहेगी।

रविवार को दोपहर में तीखी धूप और उमस से हर किसी को बेचैन किए रखा। आभासी गर्मी की वजह से रविवार को 34 डिग्री तापमान 44 डिग्री जितना तकलीफदेह महसूस हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी में गर्मी और उमस से फिलहाल मंगलवार तक राहत की उम्मीद नहीं है। एक अक्तूबर को मौसम में कुछ बदलाव हो सकता है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे नए वेदर सिस्टम के असर से लखनऊ में एक अक्तूबर से दो-तीन दिनों तक रुक-रुक कर बूंदाबांदी के आसार हैं। तब तक गर्मी के बीच उमस का सितम बना रहेगा। हवा में नमी की अधिकता से आभासी गर्मी भी महसूस होगी।

रविवार को अधिकतम तापमान 0.3 डिग्री की मामूली कमी के साथ 34.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री की बढ़त के साथ 27.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहा।

जौनपुर में एसपी की बड़ी कार्रवाई

रात में सोते हुए मिले चौकी इंचार्ज को किया लाइन हाजिर, मचा हड़कंप

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर जिले के एसपी डॉ. कौस्तुभ ने शुक्रवार को मुफ्तीगंज चौकी इंचार्ज सुनील कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। वह गश्त पर न जाकर सो रहे थे। इस कार्रवाई के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है।

सीओ केराकत अजीत कुमार रजक रात में एसपी के निर्देश पर चौकी का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जहां मुफ्तीगंज चौकी पर चौकी इंचार्ज मुफ्तीगंज सुनील कुमार रात्रि गश्त न कर चौकी पर आराम करते हुए मिले। सीओ अजीत रजक ने फटकार लगाते हुए इस लापरवाही की जानकारी तत्काल एसपी डॉ. कौस्तुभ को फोन के जरिये दी।

एसपी ने देर रात में ही केराकत थाना क्षेत्र के अंर्तगत मुफ्तीगंज चौकी इंचार्ज सुनील कुमार को कार्य में लापरवाही बरतने पर लाइन हाजिर कर दिया। हालांकि अभी तक इस चौकी पर किसी नए चौकी इंचार्ज की तैनाती नहीं की गई है।

सीओ केराकत ने बताया कि रात्रि के निरीक्षण के दौरान मुफ्तीगंज चौकी इंचार्ज सुनील कुमार रात्रि में क्षेत्र में गश्त न कर चौकी पर मौजूद मिले। इस लापरवाही को एसपी को रात्रि में ही अवगत कराया गया। जिस पर एसपी ने चौकी इंचार्ज सुनील कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है।

लखनऊ एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जांच के बाद धमकी में कोई सत्यता नहीं मिली। ऐसे में एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी इसके पहले भी मिल चुकी है।

रविवार को लखनऊ सहित देश के कई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूत्रों ने बताया कि ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) को शरारती तत्वों ने मेल के जरिये एयरपोर्ट पर होने वाले हादसे की जानकारी दी। पड़ताल की गई तो धमकी में कोई झूठी पाई गई। इसके बाद पुलिस को मेल की जानकारी दी गई तथा कोई खतरा नहीं होने की बात कही गई।

एक घंटे डिजिटल अरेस्ट रखकर 60 हजार वसूले : साइबर जालसाज ने पुलिसकर्मी बनकर कृष्णानगर के कृष्णापल्ली निवासी हरिवंश लाल को एक घंटे डिजिटल अरेस्ट रखकर 60 हजार रुपये वसूल लिए। पीड़ित ने ठग के खिलाफ एफआईआर कराई है। हरिवंश लाल के मुताबिक 22 सितंबर को उन्हें व्हाट्सएप पर ऑडियो कॉल करने वाले ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए उन्हें एक मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाया। जालसाज ने पूछताछ में सहयोग करने पर उन्हें बचाने की बात कही। डरे हरिवंश ने उसकी बात मान ली। इसके बाद शातिर ने पूछताछ के बहाने उन्हें एक घंटे डिजिटल अरेस्ट रखकर 60 हजार रुपये वसूल लिए। इंस्पेक्टर पीके सिंह के मुताबिक तफ्तीश जारी है।

टीईटी में जो होगा फेल, उसकी नौकरी ले लेंगे

राकेश टिकैत बोले- लड़ेंगे शिक्षकों की लड़ाई

मेरठ , एजेंसी। हाईवे स्थित नारायण फार्म हाउस में भाकियू टिकैत शिक्षक प्रकोष्ठ की पंचायत में रविवार को टीईटी अनिवार्यता के विरोध में काफी संख्या में शिक्षक जुटे। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने शिक्षकों के समर्थन में अपनी बात रखी और सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि टीईटी के खिलाफ किसानों और मजदूरों की तरह शिक्षकों की लड़ाई भी लड़ी जाएगी। उनका शोषण बंद कराया जाएगा।

इससे पहले पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी के नेतृत्व में राकेश टिकैत का स्वागत किया गया। उन्होंने मंच से शिक्षकों को अपना समर्थन दिया। राकेश टिकैत ने कहा कि टीईटी अनिवार्यता करके शिक्षकों का शोषण किया जा रहा है। कोर्ट ने आदेश जारी कर दिया और सरकार ने अपना फरमान सुना दिया।

उन्होंने 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को परीक्षा से मुक्त रखने और उनकी नियुक्ति के समय पर निर्धारित सेवा शर्तों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन न करने की बात कही। इसके साथ ही पुरानी पेंशन बहाल करने, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, विशिष्ट शिक्षिकों को नियमित शिक्षकों की तुलना में बहुत कम वेतन मिलने, समान कार्य समान वेतन के आधार पर बढ़ाए जाने, परिषदीय शिक्षक के रूप में तैनात पति पत्नी को गृह जनपद में स्थानांतरित किए जाने, शिक्षकों पर गैरशैक्षिणक कार्यो का बोझ न डालने के मुद्दे पर आंदोलन में साथ देने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि जो टीईटी में फेल होंगे, उन्हें घर बैठाया जाएगा। जब तक मांगें पूरी नहीं हो जातीं, शिक्षकों के लिए लड़ाई जारी रहेगी। भाकियू प्रवक्ता ने शिक्षकों से चुटकी लेते हुए कहा कि बहुत कमाते हो, अपनी सासू को भी 10 हजार रुपये दे दिया करो। इस पर पंचायत में मौजूद शिक्षक शिक्षिकाएं ठहाके लगाकर हंसने लगे।

पंचायत की अध्यक्षता गुर्जर खिलारी सिंह ने की। संचालन अनु चौधरी, डॉ. संजीव, विनेश कुमार व अनुराग चौधरी ने किया। इस दौरान अधिकारियों को 22 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। पंचायत में मनीष गोयल, विनेश कुमार, ज्योति चौधरी, अनूप यादव, हर्ष चहल, विपुल, विभूति, रविंद्र दौरालिया, प्रशांत, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

18 अक्टूबर को प्रदेश भर में सड़क पर उतरेंगे राज्य कर्मचारी

इन बातों से हैं नाराज, सीएम से की ये मांग

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में राज्य कर्मचारियों की उपेक्षा व लंबित मांगों पर कार्यवाही न होने से नाराज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने आंदोलन की घोषणा की है। इसके तहत 18 अक्तूबर को प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजेंगे।

परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने पदाधिकारियों की बैठक में रविवार को इसके लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 18 माह से मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव कार्मिक के स्तर पर कोई वार्ता नहीं हुई है, जिसके कारण कर्मचारियों की मांगे ठंडे बस्ते में चली गई हैं। विभागों में भी अधिकारी, कर्मचारियों की मांगों के प्रति उदासीन रवैया बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा कि खाद्य रसद विभाग में नीति विरुद्ध किए गए पदाधिकारियों के स्थानांतरण अभी तक निरस्त नहीं किए गए हैं। समाज कल्याण विभाग व

जनजाति विभाग में 60त्न औसत परीक्षा परिणाम को मनमाने तरीके से लागू करते हुए दर्जनों शिक्षकों को नौकरी से हटा दिया गया है। विभिन्न विभागों में खाली पदों को नहीं भरा जा रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए निगम तो बन गया, लेकिन विभागों में उसका क्रियान्वयन नहीं हो रहा है।

मुख्यमंत्री को दोबारा पत्र लिखकर मांगों का संज्ञान लेने की मांग की

परिषद की महामंत्री अरुणा शुक्ला ने बताया कि परिषद ने मुख्यमंत्री को फिर से पत्र लिखकर कर्मचारियों की प्रमुख मांगों का संज्ञान लेने, दशहरा एवं दीपावली पर्व से पूर्व वेतन का भुगतान करने, महंगाई भत्ते की किश्त भुगतान करने व कर्मचारियों को बोनस देने की मांग किया है। बैठक में उपाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया, डीके त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शोः जल जीवन मिशन को मिला बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड

नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया

लखनऊ, एजेंसी। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में देश और दुनिया से आए लोगों को जल जीवन मिशन की जानकारी और जल संरक्षण की सीख देने के लिए बनाए गए स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी को ट्रेड शो के बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड से नवाजा गया।

जल जीवन मिशन यूपी को ये पुरस्कार ट्रेड शो एरिया के हॉल नंबर 7 की सबसे शानदार प्रदर्शनी के लिए दिया गया। वहीं, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश का स्टॉल को बेस्ट स्टॉल का अवार्ड दिया गया है। मिशन की ओर से यूनिट हेड कम्युनिकेशन एंड आउटरीच सोनलिका सिंह ने एमएसएमई मंत्री राकेश सचान से यह अवार्ड ग्रहण किया।

इंटरनेशनल ट्रेड शो एरिया के हॉल नंबर-7 में रविवार को 496 वर्ग मीटर में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की थीम पर स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में जल जीवन मिशन द्वारा किए गए कार्यों के साथ-साथ प्रोटोटाइप के जरिए नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है।

गंगा संरक्षण की दिशा में प्रगति हो रही

इससे 2019 के बाद जल जीवन मिशन से बुंदेलखंड के गांवों में आए बदलावों को लोग समझ सकें। परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश, प्रभास कुमार ने बताया कि कि महाकुंभ से लेकर छोटी नदियों के पुनरोद्धार तक हमारी कोशिश यही है कि लोग न केवल देखें बल्कि महसूस करें कि गंगा संरक्षण की दिशा में कितनी प्रगति हो रही है।

वहीं, यूनिट हेड कम्युनिकेशन एंड आउटरीच सोनलिका सिंह ने बताया कि हमारा प्रयास यह था कि स्टॉल को केवल दृश्यात्मक न रखा जाए बल्कि हर आगंतुक के लिए भावनात्मक और शैक्षिक अनुभव भी बने। इसी सोच के तहत वीआर, एनामॉर्फिक डिस्प्ले और रियल टाइम विजुअल्स शामिल किए गए।

2400 में से 70 प्रदर्शनियों को मिला पुरस्कार : इंटरनेशनल ट्रेड शो में कुल 2400 प्रदर्शनी लगाई गई हैं। इसमें से अलग अलग श्रेणी में 70 प्रदर्शनियों को सम्मानित किया गया है।

गौ– तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक बदमाश के पैर में लगी गोली, दो तस्कर गिरफ्तार

मऊ , एजेंसी। दशहरा से दो दिन पहले मऊ जिले की चिरैयाकोट पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने सोमवार की भोर में हाफिजपुर पुल के पास मुठभेड़ के बाद गौ- तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान एक तस्कर को पैर में गोली लगी है। मौके पर पकड़े गए अभियुक्त को पुलिस हिरासत में रखा गया है। बदमाशों की पहचान दिलशाद कुरैशी उर्फ मल्लू निवासी वार्ड 15 जमीन बुढ़ान थाना चिरैयाकोट और रेहान उर्फ शेरू के रूप में हुई। एसपी इलामारन जी ने बताया कि चिरैयाकोट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की दो व्यक्ति जिनका प्रतिबंधित मांस काटने का वीडियो वायरल हुआ था। वह दोनों बाइक से हाफिजपुर पुलिया से आ रहे हैं, वह मांस बेचने के लिए गाजीपुर जाएंगे। जिसके बाद निरीक्षक थाना चिरैयाकोट योगेश यादव दो पुलिस टीम के साथ सिरसा मोड़ पर पहूंचकर आने वाले व्यक्तियों का इंतजार करने लगे। इस बीच कुछ ही देर में बाइक से दो व्यक्ति आते हुए दिखे। पास आने पर पुलिस टीम द्वारा टॉर्च की रोशनी से रुकने का इशारा किया गया। इस पर बाइक सवार दोनों व्यक्ति वापस मुड़कर भागने लगे। इस दौरान बाइक बेकाबू होकर गिर गई। जब पुलिस टीम करीब पहुंची तो एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जिससे प्रभारी निरीक्षक चिरैयाकोट व अन्य पुलिसकर्मी बाल- बाल बाल बच गए। जब बदमाशों द्वारा आत्मसमर्पण नहीं किया गया तो प्रभारी निरीक्षक योगेश यादव द्वारा आत्मरक्षार्थ फायर किया गया। जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी और दूसरा आरोपी भी भागने के प्रयास में मौके पर ही पुलिस टीम द्वारा पकड़ लिया गया।

सिपाही की राइफल छीनकर भागे किशोरियों से दुष्कर्म के आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

बरेली एजेंसी। बरेली में किशोरियों से दुष्कर्म करने के बाद उनके वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोपी कॉस्मेटिक दुकानदार जीतू उर्फ जीतेश और उसका साथी अंकित मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाते समय एक सिपाही की राइफल छीनकर भाग खड़े हुए। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने फायर कर दिया। मुठभेड़ में दोनों के घायल होने के बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। एक सिपाही भी घायल हुआ है।

अलीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी कॉस्मेटिक दुकानदार ने कई किशोरियों से दुष्कर्म कर उनके अश्लील वीडियो बना लिए। इन वीडियो के जरिये धमकाकर वह बार-बार संबंध बनाने का दबाव बनाता था। डर की वजह से किशोरियों ने शिकायत नहीं की। बीते दिनों आरोपी के मोबाइल फोन से ये वीडियो वायरल हो गए। गांव वालों के मुताबिक, कुल 17 वीडियो वायरल हो रहे हैं।

थाना प्रभारी जगत सिंह ने मीडिया को बताया कि

रविवार तड़के तीन बजे मुख्य आरोपी जीतू उर्फ जीतेश और उसके दोस्त अंकित को अलीगंज-आंवला मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार किया गया। मेडिकल के लिए मझगवां सीएचसी ले जाते समय अलीगंज-बिशारतगंज मार्ग पर अचानक छुट्टा पशुओं का झुंड सामने आ गया।

आरोपियों ने की फायरिंग : गाड़ी रुकी तो मौका देखकर जीतू ने सिपाही वीरेंद्र सिंह की राइफल छीन ली। धक्का-मुक्की में सिपाही वीरेंद्र सिंह गाड़ी से गिरकर चोटिल हो गए। इसके बाद जीतू और अंकित झाड़ियों से होते हुए खेतों की ओर भाग गए। एसआई रविराज सिंह ने घटना की जानकारी थाने को दी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस और एसओजी ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

दोनों के पैर में लगी गोली : पुलिस की जवाबी कार्रवाई में जीतू के दाहिने और अंकित के बाएं पैर में गोली लगी। सीओ आंवला नितिन कुमार, फील्ड यूनिट ने भी मौका मुआयना किया। सीओ ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, हत्या का प्रयास और लूट के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

थाने में दिए शिकायतीपत्र में किशोरी ने बताया कि ढाई महीने पहले वह आरोपी जीतू की दुकान पर सामान खरीदने गई थी। वहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश करने के बाद आरोपी ने दुष्कर्म किया था। इसका वीडियो भी बना लिया था। शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

केंद्र ने जारी किए नए सीएएफई-3 ड्राफ्ट, हल्के वाहनों पर होगी सख्ती

नई दिल्ली

साल 2027 से 2032 तक लागू होने वाले कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई) 3 ड्राफ्ट को भारत सरकार ने जारी कर दिए हैं। नए नियमों के तहत वाहन निर्माताओं के लिए औसत फ्लीट वाइड फ्यूल एफिशिएंसी और कार्बन उत्सर्जन के सख्त लक्ष्य तय किए जाएंगे। हल्के वाहनों पर ज्यादा सख्ती होगी, जबकि भारी वाहनों को कुछ छूट दी जाएगी, हालांकि यह छूट भी सीमित रहेगी। ड्राफ्ट के अनुसार हर वित्तीय वर्ष के साथ मानक और कठोर होते जाएंगे, ताकि कंपनियां किसी एक मॉडल पर नहीं बल्कि पूरे फ्लीट को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। नए मानकों के लिए सरकार ने एक गणितीय फॉर्मूला भी शामिल किया है टारगेट = 0.002 (वॉट - 1170) प्लस सी, जहां डब्ल्यू फ्लीट का औसत वजन है और सी हर साल घटने वाला कॉन्स्टैंट। 4 मीटर से छोटी, 909 किलो से कम वजनी और 1,200 सीसी से कम इंजन क्षमता वाली कारों को अतिरिक्त 3 ग्राम/किमी सीओ डिडक्शन की छूट मिलेगी। यह छूट हर कंपनी के लिए अधिकतम 9 ग्राम/किमी तक सीमित होगी। ग्रीन टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने क्रेडिट मल्टीप्लायर सिस्टम प्रस्तावित किया है। इसके तहत बैटरी इलेक्ट्रिक और रेंज एक्सटेंडर ईवी को तीन वाहनों के बराबर गिना जाएगा, जबकि प्लग-इन हाइब्रिड और एथनॉल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड 2.5 वाहनों के बराबर माने जाएंगे। इसी तरह स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड्स को दो और फ्लेक्स फ्यूल एथनॉल कारों को 1.5 वाहनों के बराबर गिना जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि कंपनियां सीमित संख्या में ग्रीन वाहन बेचकर भी अपने पूरे फ्लीट औसत को सुधार पाएंगी।

भारत में वाहन ईंधन दक्षता मानक होंगे सख्त, नया ड्राफ्ट किया जारी

नई दिल्ली

वर्ष 2027 से 2032 तक लागू होने वाले नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई) 3 मानकों का ड्राफ्ट भारत सरकार ने जारी कर दिया है। नए ड्राफ्ट में वाहन निर्माताओं के लिए फ्लीट-स्तरीय सख्त लक्ष्य तय किए गए हैं, लेकिन छोटी पेट्रोल कारों को सीमित छूट और इलेक्ट्रिक व हाइब्रिड वाहनों को प्रोत्साहन देने के उपाय भी शामिल किए गए हैं। इसका उद्देश्य है भारतीय वाहनों को अधिक ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल बनाना, साथ ही कार्बन उत्सर्जन को धीरे-धीरे घटाना। ड्राफ्ट के अनुसार, प्रत्येक निर्माता की फ्लीट का औसत वजन लक्ष्य निर्धारित करेगा। हल्के वाहनों के लिए मानक अधिक कड़े होंगे, जबकि भारी फ्लीट्स को थोड़ी राहत मिलेगी। हर वित्तीय वर्ष में नियमों को और सख्त किया जाएगा। इसके लिए नया गणितीय फॉर्मूला तय किया गया है: टारगेट =0.002 (वॉट - 1170) प्लस सी, जहां डब्ल्यू फ्लीट का औसत वजन है और सी हर साल घटेगा। छोटी कारों को 4 मीटर से कम लंबाई, 909 किलो से कम वजन और 1,200सीसी से कम इंजन वाली कारों को 3 ग्राम/किमी सीओ उत्सर्जन की अतिरिक्त छूट मिलेगी। ग्रीन टेक्नोलॉजी वाले वाहनों के लिए क्रेडिट मल्टीप्लायर सिस्टम लागू होगा, जिससे ईवी और हाइब्रिड्स को औसत में ज्यादा वेटेज मिलेगा। पेट्रोल, फलेक्स-फ्यूल और सीएनजी वाहनों पर कार्बन न्यूट्रैलिटी फैक्टर्स के तहत छूट दी जाएगी, जबकि डीजल वाहनों की तुलना में सख्ती बढ़ाई जाएगी। ड्राफ्ट पर फीडबैक की अंतिम तारीख 16 अक्टूबर 2025 है।

भारत में बीई 6 बेटमेन एडिशन की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवीबीई 6 बेटमेन एडिशन की डिलीवरी भारत में शुरू कर दी है। कंपनी ने इसे खासतौर पर कलेक्टर्स और उन ग्राहकों के लिए तैयार किया है, जो सिर्फ वाहन नहीं, बल्कि एक एक्सक्लूसिव और आइकॉनिक अनुभव चाहते हैं। यह मॉडल अपने दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और लिमिटेड यूनिट्स के कारण ऑटोमोबाइल जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। बीई 6 बेटमेन एडिशन का एक्सटीरियर बेहद यूनिक है। कार को सैटिन ब्लैक फिनिश के साथ पेश किया गया है, जबकि अल्केमी गोल्ड पेंटेड सस्पेंशन और ब्रेक कैलिपर्स का कॉन्ट्रास्ट इसे और भी शार्प लुक देता है। 20 इंच के बड़े अलॉय व्हील्स, फ्रंट डोर पर कस्टम बैटमैन डेकल्स और रियर साइड पर ÷बीई 6 गुना द डार्क नाइट बैजिंग इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में बैटमैन थीम का शानदार मेल देखने को मिलता है। चारकोल लेदर इंस्ट्रूमेंट पैनल, गोल्ड सेपिया स्टिचिंग के साथ स्यूडे लेदर अपहोल्स्ट्री, बैट साइन वाली सीट्स और बैटमैन वेलकम एनिमेशन इसे और भी प्रीमियम बनाते हैं।

स्टीयरिंग व्हील, इन टच कंट्रोलर, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और पिनस्ट्राइप ग्राफिक्स कार के प्रीमियम अहसास को और निखारते हैं।

एक्सटीरियर साउंड प्रोफाइल भी बैटमैन यूनिवर्स से इंस्पायर्ड है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें 79 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो फुल चार्ज होने पर 683 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। रियल वर्ल्ड कंडीशन्स में भी यह कार लगभग 500 किलोमीटर की रेंज आसानी से देती है। इसका मतलब है कि बीई 6 बेटमेन एडिशन सिर्फ दिखने में स्टाइलिश नहीं है, बल्कि लंबे सफर के लिए भी पूरी तरह सक्षम है।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया से मिला महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट

एयर ट्रैफिक कम्युनिकेशन में डिजिटल क्रांति

15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस VHF सिस्टम और सिक्योर नेटवर्क लागू करेगी कंपनी

नई दिल्ली

एन्ड-टू-एन्ड आईटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस की प्रमुख कंपनी सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को हाल ही में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को 15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस VHF एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स और सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन लागू करने की जिम्मेदारी सौंपता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एयर ट्रैफिक कंट्रोल (TC) टावरों में संचार और सुरक्षा को मजबूत करना है, जिससे भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण होगा।

इस प्रोजेक्ट में ड्यूल्स एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (SITC) शामिल है। इसके अलावा, कंपनी 15 एयरपोर्ट्स पर नेटवर्क ट्रैफिक को मॉनिटर और कंट्रोल करने तथा नेटवर्क में किसी भी घुसपैठ से सुरक्षा प्रदान करने के लिए सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन प्रदान करेगी।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मिनेश वी. दोशी ने इस विकास पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के साथ देश के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में सहयोग करने पर गर्व है। यह प्रोजेक्ट मिशन-क्रिटिकल एनवायरनमेंट के लिए अत्याधुनिक, सुरक्षित और मजबूत तकनीकी समाधान प्रदान करने पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह सफलता, सुरक्षित नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन सिस्टम्स लागू करने में सिल्वर टच की स्थापित क्षमताओं को उजागर करती है, जिससे कंपनी भारत के डिजिटल और एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में एक भरोसेमंद टेक्नोलॉजी पार्टनर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करती है। सिल्वर टच एआई, क्लाउड, रोबोटिक्स और अन्य उभरती तकनीकों का उपयोग करके अपने क्लाइंट्स को डिजिटल दुनिया में सफल होने में मदद करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी: एडीबी

नई दिल्ली

एडीबी ने कहा है कि उसे पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है क्योंकि भारतीय निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का प्रभाव विशेष रूप से दूसरी छमाही की संभावनाओं को कम करेगा।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जारी एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में सात प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया था।

इसे भारत से आने वाले माल पर अमेरिका के 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की चिंता के कारण जुलाई की रिपोर्ट में घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। एडीओ सितंबर 2025 ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बेहतर खपत और सरकारी व्यय के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है, लेकिन भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क से वृद्धि में कमी आएगी।

खासकर वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2026-27 में, हालांकि लचीली घरेलू मांग और सेवा निर्यात प्रभाव को कम कर देंगे।

रिपोर्ट के अनुसार शुल्क लागू होने के कारण निर्यात में कमी का असर वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 दोनों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ेगा।

इसके परिणामस्वरूप शुद्ध निर्यात अप्रैल में पहले के अनुमान से अधिक तेजी से घटेगा। इसमें साथ ही कहा गया है कि कर राजस्व वृद्धि में कमी के कारण राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के बजट अनुमान से अधिक रहने की संभावना है।

टाटा कैपिटल ला रहा 15,512 करोड़ का आईपीओ

6 अक्टूबर से आम निवेशकों के लिए खुलेगा ऑफर

नई दिल्ली टाटा ग्रुप की वित्तीय शाखा टाटा कैपिटल लिमिटेड भारत का अब तक का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ लाने जा रही है। इस सार्वजनिक निर्गम से कंपनी 15,512 करोड़ जुटाएगी और इसके बाद वह देश की पांचवीं सबसे मूल्यवान नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) बन जाएगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 310 से 326 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है और टाटा टेक्नोलॉजीज के नवंबर 2023 में आए आईपीओ के बाद ग्रुप की दूसरी लिस्टिंग होगी। इस इश्यू में 6,846 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जिससे कंपनी की पूंजी स्थिति मजबूत होगी।

सोने का उपयोग करने वाले विनिर्माताओं को कार्यशील पूंजी ऋण की अनुमति

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को उन विनिर्माताओं को आवश्यकता-आधारित कार्यशील पूंजी ऋण देने की अनुमति दी है जो कच्चे माल के रूप में सोना या चांदी का उपयोग करते हैं। यह सुविधा पहले केवल जौहरियों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे विस्तारित कर अन्य उद्योगों तक पहुंचाया गया है। आरबीआई के नवीनतम निर्देशों के तहत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) और टियर 3 व टियर 4 के सहकारी बैंक (यूसीबी) ऐसे उधारकर्ताओं को कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान कर सकते हैं, जो अपने विनिर्माण या औद्योगिक प्रसंस्करण में सोना या चांदी का उपयोग करते हैं। साथ ही सोना और चांदी को ऋण की गारंटी के रूप में स्वीकार करने की अनुमति भी दी गई है। यह कदम उन उद्योगों को आर्थिक सहायता प्रदान करेगा जो सोना या चांदी आधारित कच्चे माल का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और कारोबार बेहतर होगा। इससे सोने के व्यापक व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और वित्तीय लेन-देन में सहजता आएगी।

चीन के विनिर्माण पीएमआई में मिले मिश्रित संकेत

हांगकांग सितंबर में चीन के आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 49.8 पर आ गया, जो 50 के नीचे रहकर उत्पादन में संकुचन दर्शाता है, लेकिन अगस्त के 49.4 से थोड़ा सुधार हुआ है। यह लगातार छठे महीने विनिर्माण गतिविधियों में गिरावट को दर्शाता है। वहीं निजी क्षेत्र के पीएमआई सर्वेक्षण में समग्र सूचकांक 51.2 पर पहुंच गया, जो उत्पादन विस्तार की ओर संकेत है। यह घरेलू मांग में सुधार और उत्पादन में वृद्धि को दर्शाता है। चीन की अर्थव्यवस्था धीमी गति से गति पकड़ रही है, लेकिन अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और घरेलू मांग की कमजोरी बनी हुई चुनौतियां हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के प्रमुख हुओ लिहुई के अनुसार, आंकड़े उत्पादन में थोड़ी बढ़ोतरी और आर्थिक सुधार की ओर इशारा करते हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ई-अराइवल कार्ड सुविधा 1 अक्टूबर से

नई दिल्ली दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार 01 अक्टूबर से विदेशी यात्रियों के लिए ई-अराइवल कार्ड की सुविधा शुरू हो जाएगी। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने बताया कि यह नई सुविधा आव्रजन ब्यूरो के निर्देशानुसार लागू की जा रही है। इसके तहत यात्रियों को अब हवाई अड्डे पर मैन्युअल कागज-आधारित कार्ड भरने की बजाय एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन अपने आगमन की जानकारी दर्ज करनी होगी। यह सुविधा यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगी और कागज की बचत कर हवाई अड्डे के हरित लक्ष्यों को भी पूरा करने में मदद करेगी। इससे प्रक्रिया तेज़ होगी, कतारें कम होंगी और दक्षता बढ़ेगी। डिजिटल अराइवल कार्ड से हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए अराइवल की प्रक्रिया सरल और पर्यावरण के अनुकूल बन जाएगी।

रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की 5 सहायक कंपनियां 12 मिलियन डॉलर में बेचीं

मुंबई अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया में स्थित अपनी 5 सहायक कंपनियों को 12 मिलियन डॉलर में बेचने की घोषणा की है। यह ट्रांजेक्शन सोमवार को हुआ, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। बीएसई में रिलायंस पावर का शेयर 44.94 रुपये के स्तर पर खुला और इंट्रा-डे हाई 46 रुपये तक पहुंच गया। रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की पांच कंपनियों पीटी अवे निश कोल ` रिसोसर्ज, पीटी हेरामबा गोयल, पीटी सुमुखा व अन्य को बेचने का फैसला किया है। यह डील रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) के माध्यम से की गई है। इन पांचों कंपनियों की कुल नेट वर्थ 16909 लाख रुपये है, जो रिलायंस पावर के कुल नेट वर्थ का मात्र 0.53 प्रतिशत है। कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों से वित्त वर्ष 2025 में कोई भी आय नहीं हुई है। खरीदार कंपनी प्रमोटर ग्रुप से संबंधित नहीं है और रिलायंस ग्रुप के साथ इनका कोई संबंध नहीं है। इस डील के पूरा होने की उम्मीद 30 दिसंबर तक है। रिलायंस पावर के शेयरों में डील की खबर के बाद सकारात्मक तेजी आई है। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में 3.93 प्रतिशत की गिरावट झेली है, जबकि पांच वर्षों में 1468 प्रतिशत का आकर्षक रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 सप्ताह का हाई 76.49 रुपये और लो 31.30 रुपये रहा है। इस डील से रिलायंस पावर को अपने संसाधनों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने और मुख्य व्यवसाय पर फोकस करने में मदद मिलेगी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 97 और निफ्टी 23 अंक नीचे आया

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 97.32 अंक नीचे आकर 80,267.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.80 अंक टूटकर 24,611.10 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग के अलावा निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कमोडिटी और निफ्टी पीएसई के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया गिरावट के साथ बंद हुए।

आज कारोबार के दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 3.85 अंक की हल्की गिरावट के साथ 56,529.30 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.10 अंक की बढ़त के साथ 17,562.75 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स, बीईएल, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, एमएंडएम, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, एसबीआई, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी रही जबकि आईटीसी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही।

आज मंथली एक्सपायरी के दिन बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इसका कारण निवेशकों का सतर्क रुख रहा।

इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। वहीं निफ्टी 50 भी 57.05 अंक बढ़कर 24,691.95 के स्तर पर शुरू हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में सुबह का कारोबार मिला-जुला रहा। निवेशक ऑस्ट्रेलिया रिजर्व बैंक के ब्याज दर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। टेक-हैवी नेस्डेक कम्पो जिट 0.48 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 0.26 और डाओ जोंस 0.15 फीसदी से ज्यादा बंद हुए।

अक्टूबर में कई बड़े नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली

अक्टूबर 2025 कई नए नियमों के साथ शुरू होने वाला है। कुछ बदलाव सीधे आपके रोजमर्रा के जीवन और फाइनेंशियल प्लानिंग पर असर डाल सकते हैं।

ये बदलाव एलपीजी, ट्रेन टिकट, यूपीआई, पेंशन स्कीम, ऑनलाइन गेमिंग और बैंकिंग जैसी चीजों से जुड़े हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से नियम बदल रहे हैं।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बदलेंगे: अक्टूबर से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां LPG और कमर्शियल सिलेंडर के दाम बदलेंगी। घरेलू सिलेंडर के दाम पिछले कुछ महीनों से स्थिर हैं।

- ट्रेन टिकट बुकिंग के नियम बदले:
अब रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट केवल वही लोग ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे, जिनका आधार कार्ड वेरिफाई हो चुका है। यह नियम पहले केवल तत्काल टिकट के लिए था।

- यूपीआई का 'कलेक्ट रिक्वेस्ट' फीचर बंद:
1 अक्टूबर से यूपीआई ऐप्स में किसी से सीधे पैसे मांगने का विकल्प नहीं मिलेगा। एनपीसीआई के अनुसार यह धोखाधड़ी और फिशिंग से बचाव में मदद करेगा।

- यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ेगी:
अब यूपीआई के जरिए एक बार में 5 लाख रुपये तक ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा। यह रियल एस्टेट, ई-कॉमर्स और व्यवसायिक लेनदेन में आसान होगा।

- यूपीआई ऑटो-पे सुविधा शुरू:
अब सब्सक्रिप्शन और बिल के लिए ऑटो-पे का विकल्प मिलेगा। हर ऑटो-डेबिट पर नोटिफिकेशन आएगा और यूजर इसे बदल या बंद कर सकते हैं।

- एनपीएस में न्यूनतम योगदान बढ़ा:
नेशनल पेंशन सिस्टम में न्यूनतम मासिक योगदान 500 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये हो जाएगा।

- एनपीएस में नया टियर सिस्टम:
टियर-1 रिटायरमेंट फोकस और टैक्स बेनेफिट के साथ। टियर-2 लचीला विकल्प, टैक्स लाभ नहीं।

- पेंशन स्कीम में बदलाव:
एनपीएस, अटल पेंशन योजना और एनपीएस लाइफ में नए नियम लागू होंगे। सरकारी कर्मचारियों को नया पीआरएएन खोलने पर ई-पीआरएएन किट के लिए 18 रुपये देने होंगे।

- ऑनलाइन गेमिंग नियम बदले:
सभी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को मेटी से वैध लाइसेंस लेना होगा। ऑनलाइन रियल-मनी गेम में भाग लेने के लिए न्यूनतम उम्र 18 साल होगी।

- डाक सेवा के चार्ज में बदलाव:
1 अक्टूबर से स्पीड पोस्ट सेवा में शुल्क बदलेंगे। नई सुविधाओं में ओटीपी आधारित डिलीवरी, रियल-टाइम ट्रैकिंग, ऑनलाइन बुकिंग और एसएमएस नोटिफिकेशन शामिल हैं।

दिवालियापन प्रक्रिया में किसी भी चरण में रद्द हो सकती है समाधान योजना: एनसीएलटी

नई दिल्ली नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान यदि किसी भी स्तर पर धोखाधड़ी सामने आती है, तो नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल को समाधान योजना को रद्द करने का अधिकार है, चाहे वह योजना पहले ही स्वीकृत क्यों न हो। 8 सितंबर को दिए गए आदेश में एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया` कि आईबीसी की धारा 65, जो धोखाधड़ीपूर्ण या दुर्भावनापूर्ण दिवालियापन याचिकाओं से जुड़ी है, यदि लागू होती है तो प्रक्रिया का चरण अप्रासंगिक हो जाता है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि धोखाधड़ी सब कुछ निरस्त कर सकती है, जिसमें स्वीकृत समाधान योजना भी शामिल है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की स्थिरता और व्यापारिक विश्वास को प्रभावित कर सकता है। गांधी लॉ एसोसिएट्स के एक पार्टनर ने कहा` कि धोखाधड़ी का इरादा एक खतरनाक रूप से व्यापक अवधारणा है। अगर इसे जरूरत से ज्यादा फैलाया गया, तो इससे आईबीसी की उस अंतिमता को नुकसान होगा जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता दी है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के भूषण पावर एंड स्टील मामले से विपरीत है, जहां कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि स्वीकृत योजना को फिर से खोलना पैंडोरा का बॉक्स खोलने जैसा होगा।

जिंदल स्टील का अंगुल में 3 एमटीपीए बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रारंभ

नई दिल्ली जिंदल स्टील ने ओडिशा के अंगुल में अपनी 20,000 करोड़ रुपये की विस्तार परियोजना के तहत 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाली बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) को चालू कर दिया है। नए बीओएफ की शुरुआत के साथ संयंत्र की कच्चे इस्पात उत्पादन क्षमता 60 लाख टन से बढ़कर 90 लाख टन प्रति वर्ष हो गई है। बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस गैसीय ऑक्सीजन का उपयोग कर पिघले हुए लोहे को इस्पात में बदलती है। जिंदल स्टील के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि पहली ऊष्मा का सफलतापूर्वक दोहन हो चुका है। यह सफलता कंपनी के 1.2 करोड़ टन प्रति वर्ष इस्पात उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस विस्तार से कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और स्थानीय उद्योग को मजबूती मिलेगी।

चीन ओपन: कोको गॉफ ने बेलिंडा बेन्सिक को हराया, क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने स्विस स्टार बेलिंडा बेन्सिक (Belinda Bencic) को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर चीन ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्णायक सेट में गॉफ ने बेन्सिक की सर्व को ब्रेक किया और मैच अपने नाम किया।

दूसरे सीडेड गॉफ ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 4-2 से बढ़ाया। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ की जीत शामिल है। हालांकि बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत दर्ज की थी।

पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और आगामी टूर्नामेंट

बीजिंग में ATP टूर्नामेंट के दो पुरुष सेमीफाइनल भी निर्धारित थे। जैनिक सिन्नर का सामना एलेक्स डी मिनौर से और लीर्नर टिएन का मुकाबला दानील मेदवेदेव से हुआ। पुरुष फाइनल बुधवार को खेला जाएगा और इसके बाद ATP दौरा शंघाई मास्टर्स के लिए 12 दिन के कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगा, जो 12 अक्टूबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

इगा स्वियाटेक ने 400वीं करियर जीत दर्ज की

विम्बलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने सोमवार को कोलंबियाई खिलाड़ी कैमिला ओसोरियो को हराकर अपनी 400वीं करियर जीत दर्ज की और चीन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने पहले सेट में 6-0 से जीत दर्ज की। ओसोरियो ने दूसरे सेट की पहली गेम में चोट के कारण मैच से वापसी की।

स्वियाटेक ने कहा, 'मुझे कैमिला के लिए अफ़सोस है, क्योंकि वह हमेशा 100 प्रतिशत देती हैं। शुरुआत से ही चोट थी, इसलिए वह खेल नहीं पाई। लेकिन मैंने पहले सेट में अच्छा खेला और अपने गेम से दबाव बनाया।'

स्वियाटेक, जो पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन की विजेता रही और जिनके नाम छह ग्रैंड स्लैम टाइटल हैं, अब अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो के खिलाफ खेलेंगी।

टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हुए पीसीबी के चीफ, लेकिन रख दी ये ऊटपटांग शर्त

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने एक ऊटपटांग शर्त रखी है जो पूरी किसी कीमत में तो पूरी होने से रही। भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में पाकिस्तान पर रोमांचक जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ और पीसीबी के चेयरमैन भी हैं। वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी और विनर्स मेडल वापसी करने के लिए एक शर्त रखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नकवी ने आयोजकों को बताया कि भारतीय टीम को ट्रॉफी और मेडल तभी मिलेंगे जब एक फॉर्मल फंक्शन रखा जाएगा। इतनाही नहीं नकवी ये भी चाहते हैं कि ट्रॉफी और मेडल उनके हाथों से दिलवाया जाएं। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था होने की संभावना बहुत कम है। बता दें कि पाकिस्तान से फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी नहीं मिलने पर कप्तान सूर्यकुमायर यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैरानी जताई।

सूर्या ने कहा कि जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से ये टूर्नामेंट जीता था।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

पहली गेंद पर आउट हुए तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी तफानी बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी आक्रमक को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नोमेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरुरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अबर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छोड़ें। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारुप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला।'

वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबकी सहायता करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं। वह जानते हैं कि ये सब कैसे काम करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने बहाया जमकर पसीना, इन खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने ब्रेक लिया जबकि भारतीय टीम के अन्य सदस्यों ने एशिया कप में शानदार जीत के दो दिन से भी कम समय बाद मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाया।

कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम के सदस्य सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को यहां पहुंचे और टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगभग तीन घंटे तक अभ्यास किया। इसके अलावा रविवार को सफेद गेंद के टूर्नामेंट एशिया कप के समापन और गुरुवार से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की एक श्रृंखला के बीच बहुत कम समय होने के कारण भारत को खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन भी करना होगा।

हल्के वार्म अप और कैचिंग के साथ शुरुआत के बाद सभी बल्लेबाजों ने लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया जबकि अन्य तेज गेंदबाजों ने भी कड़ी मेहनत की। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मौसम साफ होने के बाद लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी की। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट में भी खेले थे।

दोनों दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अच्छी लय में दिखे और बारिश के बाद अभ्यास विकेट पर अच्छी गति और उछाल हासिल किया। यहां पहुंचने के बाद पिच को देखने वाले गंभीर ने भारत का ट्रेनिंग सत्र समाप्त होने के बाद फिर से पिच का जायजा लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी शानदार लय में दिखे जिन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की कप्तानी की थी।

मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल भी अच्छी लय में दिखे लेकिन कप्तान गिल को भारतीय तेज गेंदबाजों और थ्रो डाउन विशेषज्ञ का सामना करते हुए कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। गिल ने कुछ गेंद बल्ले के बीच से खेली लेकिन कुछ पर चूक गए। साथ ही जब वह डिफेंस के लिए आगे बढ़े तो गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा भी लिया।

एक बार वह तब हैरान भी हुए जब छाती की ऊंचाई की एक उठती हुई गेंद उनके दस्तानों पर लगी। फिर भी गिल ने अलग-अलग नेट पर बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजी, स्पिन और थ्रो डाउन के बीच हर संभव संयोजन के खिलाफ बल्लेबाजी की क्योंकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले घरेलू टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार है।

यह भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला घरेलू मैच भी होगा। टीम ने इंग्लैंड में अपने जज्बे और कौशल से सभी को प्रभावित किया था और कड़ी टक्कर वाली श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शीर्ष चार स्थान तय होने के बाद यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन नितीश रेड्डी और पडिक्कल में से अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में किसे चुनेगा।

पडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद नेट में कोई गलती नहीं की जबकि रेड्डी ने भी शानदार लय दिखाई विशेषकर सिराज और प्रसिद्ध के साथ गेंदबाजी करते हुए। रेड्डी के शामिल होने से टीम को तीसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिलेगा और यह देखना बाकी है कि क्या टीम प्रबंधन मैच शुरू होने से पहले मध्यक्रम में इस विकल्प को शामिल करता है।

इन दोनों के एकादश के चयन की बहस में शामिल होने की संभावना है क्योंकि रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप, सिराज और बुमराह सहित बाकी क्रम तय लग रहा है। एशिया कप फाइनल चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं जिसे भारतीय परिस्थितियों में खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। इससे पहले दिन में वेस्टइंडीज की टीम को इनडोर नेट पर अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण उनका नेट सत्र केवल आधे घंटे का रह गया था।

चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग- चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने कैनबरा चिल को 3-1 से हराया

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हरा कर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की। ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम बृहस्पतिवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

गंभीर ने तिलक को लंबे समय तक खेलते रहने कहा था : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में जीत के बाद स्वदेश लौटने पर बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। तिलक की 69 रनों की नाबाद पारी के बल पर ही भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। तिलक जब मैदान में उतरे थे तब भारतीय टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे और वह मुश्किल में थी। सूर्यकुमार के अनुसार जब तिलक खेल रहे थे तो कोच गौतम गंभीर ने उन्हें संदेश भेजा था कि इसी प्रकार लंबे समय तक खेलो तो लक्ष्य अपने आप ही हासिल हो जाएगा। तिलक नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और जीत दिला कर ही वापस लौटे थे। उनकी संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ अच्छी साझेदारियां हुई थीं। सूर्यकुमार ने कहा, कोच ने उन्हें संदेश भेजा था कि बस लंबे समय तक खेलें और अगर वे वहीं टिके रहे, तो काम हो जाएगा। साथ ही कहा कि मैं तिलक के लिए बहुत खुश हूं, हम सभी ने देखा कि वह क्या कर सकते हैं। तिलक ने 53 गेंदों में ही 3 चौके और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 69 रन बनाये थे। एशिया कप 2025 में तिलक ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में 31 रन, ओमान के खिलाफ 29 रन बनाए। पाक के खिलाफ सुपर 4 के मैच में नाबाद 30 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाए थे। 6 मैचों में उन्होंने कुल 213 रन बनाये। वे टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनान वाले बल्लेबाज रहे।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्न56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

लगातार तीसरा रजत पदक

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से चैंपियन तक का सफर

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

भारतीय दल का अब तक का प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक F46 वर्ग में 63.81 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बना।

सुंदर सिंह गुर्जर ने उसी स्पर्धा में 64.76 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले, ऊंची कूद T63 में शैलेश कुमार ने स्वर्ण और वरुण सिंह भाटी ने रजत पदक जीते।

महिलाओं की 400 मीटर T20 स्पर्धा में दीप्ति जीवनजी ने रजत पदक हासिल किया।

हालांकि भाला फेंक में भारत के अजीत सिंह चौथे स्थान पर रह गए, वरना भारत के पदकों की संख्या में एक और पदक जुड़ सकता था।

भारत की उम्मीदें और आगे का रास्ता

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज़ एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी। काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर फ्री पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं। कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर फ्री पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भूलनपुर के मड़ोली निवासी प्रियंका के पिता की किसान है। उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

सैमसन किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी 24 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सैमसन इस पारी में लगाये छक्के के साथ ही भारतीय टीम की ओर से किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रकार सैमसन ने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और पंत ने एक टी20 मल्टीनेशन टूर्नामेंट में 6-6 छक्के लगाए थे, जबकि संजू सैमसन ने टी20 एशिया कप 2025 में 7 छक्के लगाकर उनको पीछे छोड़ दिया। धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 और ऋषभ ने टी20 विश्व कप 2024 में 6 छक्के पूरे सत्र में लगाये थे। सैमसन एशिया कप 2025 से पहले सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल थे पर शुभमन गिल की वापसी के बाद उनको मध्य क्रम में भेज दिया गया पर उन्होंये यहां भी अपने को साबित किया। एक मैच में नंबर तीन पर उतरकर उन्होंने अर्धशतक भी जड़ा था, जबकि तीन अन्य पारियों में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की। इनमें से एक मैच में उन्होंने 13 रन, एक मैच में 39 और फाइनल में 24 रनों की पारी खेली। एशिया कप के 7 मैचों में से 4 मैचों में बल्लेबाजी की। कुल 132 रन 33 के औसत और 124.53 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बनाए।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (W2RC) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है–यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2,000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1,225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

प्राइवेटियर से बनी रोल मॉडल

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज़ माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

ऐश्वर्या का संदेश: सपनों की कोई सीमा नहीं

जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।÷ उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

डकार रैली 2027 पर नजर

पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

ट्रैवल फोटोग्राफी
कैमरे में कैद करो संसार

एक तस्वीर बहुत कुछ बयां कर सकती है। वह आपको चकित या आनंदित कर सकती है। यही नहीं, अगर तस्वीर खींचने वाला यानी फोटोग्राफर कल्पनाशील और क्रिएटिव हो, उसके पास एस्थेटिक सेंस हो, तो वह संसार में मौजूद कई अद्‌भुत चीजों को कैमरे में कैद कर सकता है। फोटोग्राफी के ही कई स्वरूपों में से एक है ट्रैवल फोटोग्राफी।

जिन युवाओं को नौ से पांच ड्यूटी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने में आनंद आता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है। आज युवाओं को यह प्रोफेशन काफी अपील कर रहा है।

क्या है ट्रैवल फोटोग्राफी?

यह फोटोग्राफी का ही एक अंग है, जिसमें किसी खास क्षेत्र के लैंडस्केप, आबादी, संस्कृति, रीति-रिवाज या इतिहास का डॉक्यूमेंटेशन होता है। एक ट्रैवल फोटो वह इमेज होती है, जिसमें हम किसी स्थान या समय की अनुभूति करते हैं, जो किसी इलाके के लोगों, वहां की संस्कृति या प्राकृतिक सौंदर्य से हमारा परिचय कराती है।

एक ट्रैवल फोटोग्राफर देश-दुनिया की सैर कर, अलग-अलग प्रकार की तस्वीरें खींचता है और फिर उन्हें ट्रैवल बुक पब्लिशर्स, पोस्टकार्ड कंपनीज, मैग्जीन्स, होटल्स, न्यूजपेपर्स, वेबसाइट्स आदि को बेचता है। वह प्रोफेशनल या एमेच्योर दोनों हो सकता है।

पर्सनल स्किल्स

तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक कामयाब ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए ट्रैवलिंग के साथ-साथ फोटोग्राफी का भी पैशन होना चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिए कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। आप फील्ड से जुड़ी जितनी जानकारी रखेंगे, उतना बेहतर रहेगा।

इंडस्ट्री में आज जिस तरह की प्रतिस्पर्धा है, बुक्स, मैग्जींस, न्यूजपेपर्स से लेकर ऑनलाइन पोर्टल्स पर विभिन्न फोटोग्राफर्स की उम्दा तस्वीरें देखने को मिलती हैं, उसके मद्देनजर जब आपका भी काम स्तरीय होगा, तो लोग खुद ही अप्रोच करेंगे। इसलिए काम में परफेक्शन और यूनीकनेस बेहद जरूरी है।

इन पर भी दें ध्यान

ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास सबसे पहले एक अच्छा डिजिटल कैमरा होना जरूरी है। इसके अलावा, लाइटिंग की समझ होनी चाहिए। रोशनी के साथ चलने और चीजों को देखने की नजर होनी चाहिए। अगर अपना पोर्टफोलियो और वेबसाइट होगा, तो प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में आसानी होगी। कुल मिलाकर आप जितने क्रिएटिव और टेक्निकली साउंड होंगे, विजुअल्स और कलर में दिलचस्पी रखेंगे, आपका काम उतना ही निखरकर सामने आएगा। एक ट्रैवल फोटोग्राफर को अलग-अलग जगहों की संस्कृति और परंपरा की जानकारी होना जरूरी है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

आप हायर सेकंडरी या ग्रेजुएशन के बाद फोटोग्राफी से रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स फोटोग्राफी और ट्रैवल फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कराते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन रिसर्च करके भी इसके बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई इंस्ट्रक्शनल वीडियोज मौजूद हैं, जिन्हें फॉलो कर फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी जा सकती हैं।

बहुत है स्कोप

ट्रैवल फोटोग्राफर्स किसी ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़कर या फ्रीलांसिंग कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपके पास प्रभावशाली राइटिंग स्किल भी है, तो फोटोग्राफी के साथ-साथ ट्रैवल राइटिंग में भी हाथ आजमा सकते हैं। नेशनल ज्योग्राफिक और आउटलुक ट्रैवलर्स में हमेशा क्वॉलिटी प्रोफेशनल्स की डिमांड रहती है। इसके अलावा, किसी स्टूडियो में या सीनियर फोटोग्राफर के असिस्टेंट के रूप में भी आप काम शुरू कर सकते हैं।

क्लाइंट की इमेज चमकाएगी आपका करियर

आपकी इमेज ही सब कुछ है, जो पहली बार में दूसरों के सामने आपका इंप्रेशन क्रिएट करती है। हर मौके पर आप हर तरह से परफेक्ट और स्पेशल दिखें, इमेज कंसल्टेंट इसी में आपकी मदद करता है। सेलिब्रिटीज, कॉर्पोरेट्स आदि को इसकी खास जरूरत पड़ती है। आप इससे संबंधित कोर्स और ट्रेनिंग के बाद आसानी से इमेज कंसल्टेंट बन सकते हैं।

क्या है काम?

इमेज कंसल्टेंट ही इस बात का ध्यान रखता है कि किस अवसर पर किसी सेलिब्रिटी को किस तरह की ड्रेस पहननी है। साथ ही, वह ड्रेस की स्टाइल और कलर, हेयर स्टाइल और एक्सेसरीज भी सिलेक्ट करता है। इमेज कंसल्टेंट को फैशन स्टाइलिस्ट और वॉर्डरोब मैनेजर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि वह अपने क्लाइंट के लिए हर खास मौके का वॉर्डरोब भी मैनेज करता है। पब्लिक प्लेस में उसका क्लाइंट खुद को कैसे प्रस्तुत करता है, इसके लिए इमेज कंसल्टेंट कम्यूनिकेशन स्किल के साथ बॉडी लैंग्वेज पर भी नजर रखता है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए डिग्री लेवल का कोई कोर्स नहीं है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल या एडवांस्ड डिप्लोमा इन इमेज कंसल्टिंग और सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं। इसमें स्टाइल, बॉडी एंड कलर एनालिसिस, वॉर्डरोब मैनेजमेंट की जानकारी आदि दी जाती है। वहीं कुछ संस्थान इमेज कंसल्टेंट्स का सर्टिफिकेट लेवल का ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रोग्राम भी चलाते हैं।

चाहिए ये स्किल्स

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए लेटेस्ट फैशन की जानकारी, अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल के साथ-साथ मजबूत प्रेजेंटेशन स्किल होना चाहिए। मार्केटिंग और सेल्फ प्रमोशन के साथ अलग-अलग संस्कृतियों को पहचानने की स्किल भी होनी चाहिए ताकि कल्चर के अनुसार ही इमेज कंसल्टिंग की जा सके। क्लाइंट की बॉडी लैंग्वेज और कलर की साइकोलॉजिकल समझ के साथ उसकी लाइफस्टाइल के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि आप उसे बेहतर लुक दे सकें और क्लाइंट भी कंफर्टेबल महसूस कर सके।

करियर स्कोप

एयरलाइंस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सफलता एम्प्लॉयीज की बेहतर इमेज पर निर्भर करती है क्योंकि इनके एम्प्लॉयीज यहां आने वाले लोगों से इंटरेक्शन करते हैं। ऐसे में एम्प्लॉयीज में बेहतर इंटरेक्शन स्किल विकसित करने के लिए इस इंडस्ट्री में इमेज कंसल्टेंट की मांग बढ़ी है। फैशन इंडस्ट्री में मॉडल्स और डिजाइनर्स के पर्सनल इमेज कंसल्टेंट के तौर पर भी अच्छी संभावनाएं हैं। गारमेंट रिटेल इंडस्ट्री भी इमेज कंसल्टेंट्स को नियुक्त कर रही है, जो फैशन बदलने पर कैसे गारमेंट्स खरीदने हैं, क्लाइंट्स को इसकी सलाह देते हैं। एचआर और रिक्रूटमेंट एजेंसी में भी काम कर सकते हैं, ताकि जॉब सीकर्स की एनालिसिस की जा सके और सोर्स कंपनीज को परफेक्ट एम्प्लॉयीज मिल सकें। आप प्राइवेट इमेज कंसल्टेंट, वॉर्डरोब मैनेजर और फैशन एडवाइजर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

सैलरी कितनी?

इमेज कंसल्टेंट की कोई तय सैलरी नहीं है। यह इमेज कंसल्टेंट के वर्क नेचर, अनुभव और क्लाइंट पर निर्भर करती है। खुद की फर्म शुरू करना बेहतर होता है क्योंकि इसके लिए आपको न तो बहुत ज्यादा इनवेस्टमेंट करने की जरूरत पड़ती है और न ही स्टाफ रखने की। आपको खुद ही क्लाइंट की काउंसलिंग करनी होती है। अगर आपके पास आवश्यक स्किल्स हैं, तो मार्केट डिमांड के अनुसार प्रति माह 15,000 से 20,000 रुपए आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इमेज कंसल्टिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- इस्टीट्यूटी कैलगरी, मुंबई
- फर्स्ट इम्प्रेशन, भुवनेश्वर
- स्टर्लिंग स्टाइल एकेडमी, मुंबई
- इमेज, स्टाइल एंड एटिकेट कंस्लटेंट, गुड़गांव

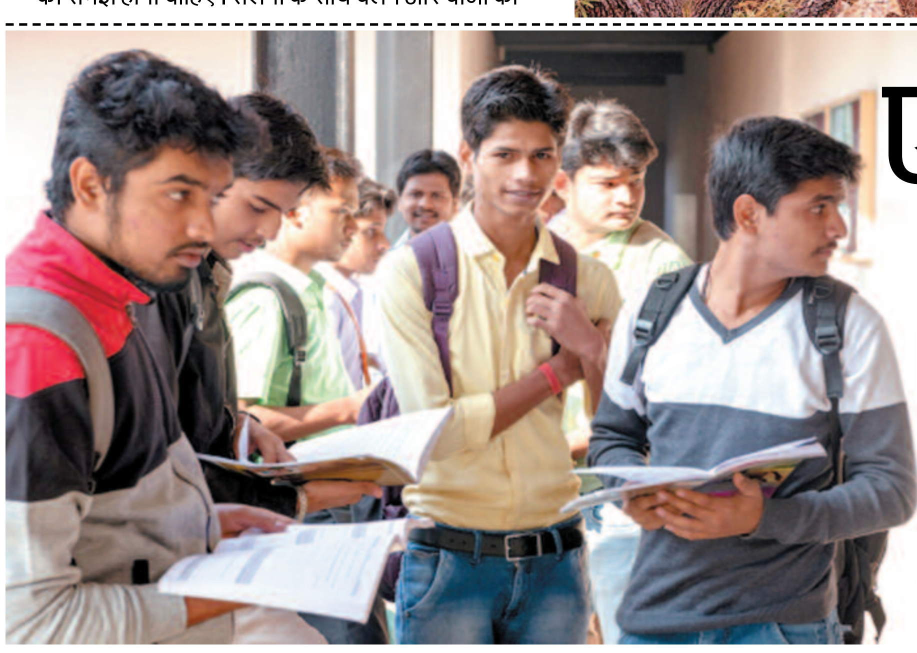

एडमिशन से पहले करें यह होमवर्क

एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना हर स्टूडेंट के सामने एक कड़ी चुनौती होती है। अगर इस मोड़ पर कोई गलती हो गई, तो पूरा करियर इस गलती की सजा भुगत सकता है। अतः यहां कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे आप एडमिशन से पहले का 'होमवर्क' भी कह सकते हैं।

स्टूडेंट को स्वयं को परखना चाहिए कि वह कहां खड़ा है, उसकी पढ़ाई का क्या बैकग्राउंड है। इसके लिए संस्थानों की वेबसाइट देखकर एडमिशन का विवरण समझ लें। फिर स्वयं संस्थान में जाकर पड़ताल करें। प्रत्येक संस्थान के एडमिशन के क्राइटेरिया अलग-अलग होते हैं। उसी आधार पर स्वयं का आकलन कर संस्थान का चयन करें। संस्थान चयन में यह सतर्कता आपकी राह आसान करेगी।

चयन का फॉर्मूला

किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पूर्व संस्थान की संबद्धता, मान्यता, मैनेजमेंट, फैकल्टी और वहां पढ़ रहे स्टूडेंट्स से मिलकर वहां के नियम-कायदे को जानना ठीक रहता है। संस्थान चयन में विज्ञापन के मायाजाल से बचने के लिए स्वयं वहां जाकर उसकी गुणवत्ता को परखें और विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा जरूर करें। अगर आप इस तरह की जांच-पड़ताल करते हैं, तो आप बेहतर संस्थान के काफी करीब पहुंच सकते हैं।

जानें मान्यता

आप जिस भी संस्थान में पढ़ाई करने का निर्णय करने जा रहे हैं, उससे पहले बेहतर होगा कि आप जान लें कि उस संस्थान की मान्यता है भी कि नहीं। अगर है, तो संस्थान की संबद्धता किस आधार पर है। जिस आधार पर मान्यता मिली है, उसकी कसौटी पर वह कितना खरा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो गुमराह होने की संभावना कम हो सकती है।

फैकल्टी है अहम

किसी भी संस्थान की फैकल्टी का रोल अहम होता है। यदि फैकल्टी अच्छी है, तो भविष्य भी बेहतर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए फैकल्टी को पहली प्राथमिकता देते हुए संस्थान को वरीयता क्रम में फर्स्ट चॉइस में रखें। करियर की दृष्टि से यह जानना महत्वपूर्ण है कि टीचर का बैकग्राउंड क्या है, अर्थात वह किस संस्थान से पास-आउट है। यह सब जानकारी उस संस्थान में पढ़ रहे सीनियर्स से बेहतर कोई नहीं दे पाएगा।

स्विमसूट में फोटोज पर साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी की रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी बीते दिन आलोचनाओं का शिकार हुई थीं। उनकी बहन पूजा कन्नन ने सोशल मीडिया पर समंदर किनारे वेकेशन मनाने की तस्वीरें शेयर की थीं। जिसके बाद एक्ट्रेस की स्विमसूट पहने कई एआई -जनरेटेड तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थी। जिस वजह से लोगों ने उन पर निशाना साझा था। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह और उनकी बहन कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन मनाते दिख रहे हैं। क्लिप में दोनों बहनें समंदर किनारे आराम फरमाती दिख रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने उस वक्त जो कपड़े पहने थे, उसका भी वीडियो और फोटो पोस्ट किया, जिसे मॉर्फ किया गया है।

साई पल्लवी को बताया असली हीरा

साई पल्लवी के इस पोस्ट पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, कैप्शन मस्त है। एक ने लिखा, एक कैप्शन से ही सबको रोस्ट कर दिया। एक ने लिखा, हम आपसे प्यार करते हैं क्वीन। एक ने लिखा, कैप्शन पसंद आया। एक ने लिखा, हम जानते हैं मैम कि आप असली हीरा हो। एक ने लिखा, आपने छिपाया लेकिन उन्होंने डिकोड कर लिया। आपने वन पीस या स्विमसूट पहना था, ये सच है।

साई पल्लवी की फिल्में

साई पल्लवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार चंदू मोंडेती की फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य के साथ नजर आई थीं। अब वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह आमिर खान के बेचे जुनैद खान के साथ सुनील पांडे की डायरेक्टेड फिल्म पर भी काम कर रही हैं। इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी पब्लिक नहीं है।

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इस समय राइज एंड फॉल रियलिटी शो में नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल संग तलाक और अपने रिश्ते पर बेबाकी से बात रखी है, जिसकी बीते दिनों खूब चर्चा हुई थी। अब एकबार फिर से उन्होंने चहल के साथ डिवोर्स मामले पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वो किसी बात पर नेटिजंस पर भड़कती भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एलिमनी को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए हैं।

चहल संग तलाक पर धनश्री ने दी प्रतिक्रिया राइज एंड फॉल शो से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धनश्री वर्मा प्रतियोगियों से बातें करती दिख रही हैं। वीडियो में आदित्य नारायण ने धनश्री से चहल संग रिश्ते पर सवाल करते हुए पूछा, 'आपको आधिकारिक रूप से अलग हुए कितने दिन हो गए?' इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक साल हो गया। बाद में किसी ने सवाल किया कि बहुत जल्दी हो गया सब। इस पर डांसर ने कहा, 'वो आपसी सहमित से था, इसलिए जल्दी हो गया।'

एलिमनी मामले पर भड़कीं धनश्री

धनश्री वर्मा ने आगे कहा, 'इसीलिए जब लोग एलिमनी की बात कहते हैं, तो वो गलत है। अगर मैं कुछ नहीं बोल रही हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि लोग कुछ भी उल्टा-सीधा बोलेंगे। लेकिन मेरे माता-पिता ने ये सिखाया है कि आप अपने लोगों को प्रति ही जवाबदेही रखिए, नाकि अन्य लोगों के प्रति।'आपको बताते चलें कि धनश्री और चहल का रिश्ता 2020 में शादी के बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ ही वर्षों में दोनो के रिश्ते में दरार पड़ने लगीं और फरवरी 2025 में दोनों का तलाक आधिकारिक रूप से हो गया था।

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर?

प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया।

अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती हैं, 'मैं ओजी क्वीन हूं 'के ड्रामा' की (क्योंकि... जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।'

देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जेन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।

इस फिल्म की असफलता से टूट गई थीं आलिया

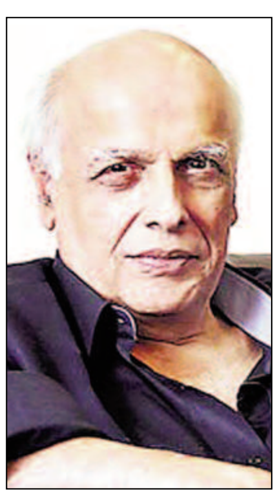

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने साल 2012 में हिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद वे हाइवे, 2 स्टेट्स, हम्पी शर्मा की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों कहा हिस्सा बनीं। साल 2015 में उनकी फिल्म आई शानदार। मगर, बॉक्स ऑफिस पर यह कतई शानदार नहीं रही और आलिया के करियर की पहली फ्लॉप साबित हुई। हाल ही में आलिया के पिता और लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट ने खुलासा किया कि इस फिल्म की असफलता ने आलिया को झकझोर कर रख दिया था।

कई हिट के बाद हिस्से आई असफल फिल्म

महेश भट्ट ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में फिल्म शानदार (2015) की असफलता का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता का उन पर लंबे समय तक असर रहा। इस फिल्म में आलिया के साथ शाहिद कपूर नजर आए थे। महेश भट्ट ने कहा, आलिया को जब अपनी पहली असफलता का स्वाद चखना पड़ा, जो कि फिल्म शानदार थी तो वह इससे पूरी तरह हिल गई थी।

यह फ्लॉप फिल्म क्योंकि कई हिट फिल्मों के बाद उसके हिस्से आई। महेश भट्ट ने आगे कहा, भले ही वह बाहर से एक सख्त लड़की हो, लेकिन असफलता तो असफलता ही होती है। उन्होंने कहा कि असफलताएं हमें याद दिलाती हैं कि सितारे भी आम इंसान होते हैं, जिन्हें भी दूसरों की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

हर कलाकार को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है

इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थीं कि तृप्ति बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तृप्ति ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अनविता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तृप्ति का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

तृप्ति का करियर ग्राफ

तृप्ति डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लैला मजनूं और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तृप्ति अपनी बोल्ड चॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

कौन हैं सैम मर्चेंट?

सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंस इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे और इसके बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। आज वह एक सफल उद्यमी माने जाते हैं। उनकी लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। यही वजह है कि जब तृप्ति और सैम को साथ देखा गया तो दोनों के रिश्ते की अटकलें तेज हो गईं।

रीमेक का दौर कभी खत्म नहीं होगा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते हैं। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूं। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूं तो देखता हूं कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूं और ऐसी कहानियां पसंद करता हूं जो मुझे सच में छूती हैं।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएगी मस्ती 4

निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी ममस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीक्वल, ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज नोरौजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है

ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को मिली बड़ी राहत

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को ड्रग मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने रिया चक्रवर्ती को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की ज़मानत की शर्तों को कम कर दिया है। आरोप है कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से पहले, रिया और उनके भाई अक्सर विभिन्न व्यक्तियों के माध्यम से हशीश और गांजा जैसे नशीले पदार्थ मंगवाते थे। इस मामले में उन्हें 2020 में गिरफ्तार किया गया था। ज़मानत देते हुए, निचली अदालत ने शर्त लगाई थी कि रिया चक्रवर्ती विशेष न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकतीं। इस शर्त में ढील दी गई है। दरअसल रिया चक्रवर्ती के वकील ने हाईकोर्ट में इस बाबत दलील दी। उन्होंने कहा कि उन्हें (रिया चक्रवर्ती) काम के सिलसिले में विदेश जाना पड़ता है और पूर्व अनुमति मिलने में देरी के कारण उन्हें काम छोड़ना पड़ता है। इस वजह से उन्हें आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ रहा है। अदालत को यह भी बताया गया कि इस मामले में आठ सह-आरोपियों को भी राहत दी गई है। उधर विरोधी वकीलों ने आपत्ति जताई कि रिया चक्रवर्ती को विशेष सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। क्योंकि वह एक सेलिब्रिटी हैं। वह देश वापस नहीं लौट सकती है। भागने का खतरा है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा, रिया चक्रवर्ती ने अब तक मामले में सहयोग किया है और उन पर लगाई गई ज़मानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है। ट्रायल कोर्ट की अनुमति से यात्रा करने पर वह देश वापस आ सकती हैं। हाईकोर्ट ने कहा, विदेश यात्रा से कम से कम चार दिन पहले एजेंसी को सूचित किया जाना चाहिए। पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यात्रा कार्यक्रम में उनके होटल और फ्लाइट की जानकारी होनी चाहिए। उनका फ़ोन हर समय चालू रखने का भी निर्देश दिया गया है।

सीएम योगी की फोटो से छेड़छाड़ करने वाला दबोचा

गाजियाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। गाजियाबाद के लोनी में उत्तरांचल विहार सोसायटी में रहने वाले युवक ने मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। वहीं लोगों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया है। तिलक राम कॉलोनी निवासी मोहन शर्मा ने उत्तरांचल विहार सोसायटी निवासी सैफ के खिलाफ प्रदेश के मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर धमकी भरे गाने के साथ फेसबुक आईडी पर वायरल करने की शिकायत पुलिस से की। शिकायत में बताया कि आरोपी ने क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने और दंगा भड़काने के नीयत से सोशल मीडिया पर फोटो वायरल की है। एसीपी ने बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

मुंबई-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी से मच गया हड़कंप, दिल्ली एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार सुबह मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप मच गया। फ्लाइट संख्या 6ई 762 में करीब 200 यात्री सवार थे। सुरक्षा एजेंसियों को यह धमकी अस्पष्ट लगी, लेकिन सूचना मिलते ही एहतियातन दिल्ली एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल (फुल इमरजेंसी) घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह उड़ान एयरबस ए321 नियो विमान से संचालित हो रही थी। जानकारी अनुसार, विमान को सुबह लगभग 7:53 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड कराया गया। इस संबंध में इंडिगो इंडिगो एयरलाइन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, कि 30 सितंबर 2025 को मुंबई से दिल्ली की उड़ान 6ई 762 में सुरक्षा संबंधी खतरे की सूचना मिली। स्थापित प्रोटोकॉल के तहत तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और विमान को परिचालन की मंजूरी देने से पहले आवश्यक सुरक्षा जांच की गई।

आपात स्थिति में क्या हुआ?

जैसे ही धमकी की खबर मिली, एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। रनवे, ग्राउंड स्टाफ, सीआईएसएफ, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित सभी को अलर्ट कर दिया गया। विमान लैंड होते ही यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। इसके बाद बॉम्ब डिस्पोज़ल स्क्वॉड ने विमान और यात्रियों के सामान की गहन जांच शुरू की। हालांकि, राहत की बात यह रही कि विमान और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब धमकी के स्रोत और उसकी विश्वसनीयता की जांच में जुटी हैं।

असम में जुबिन गर्ग की मौत पर एफआईआर? मुख्यमंत्री की पत्नी समेत कई बड़े नाम शामिल

गुवाहाटी (एजेंसी)। मशहूर गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में असम में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गायक के करीबी मित्र अंकुर हजारिका ने 27 सितंबर को गुवाहाटी के वशिष्ठा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा शर्मा की पत्नी रिंकी भुवन शर्मा, टीवी एंकर अर्नब गोस्वामी समेत कई प्रभावशाली लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जुबिन गर्ग की मौत वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और कथित साजिश से जुड़ी है। दर्ज आवेदन में भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं का हवाला देते हुए कहा गया, शिकायत में दर्ज लोगों की साजिश, लापरवाही और षड्यंत्र के चलते गर्ग की जान गई है। जुबिन गर्ग का निधन हाल ही में सिंगापुर में संदेहप्रद हालत में हुई थी. उनकी मौत को लेकर असम में पहले सवाल उठ रहे हैं। अब लिखित शिकायत पर एफआईआर की अर्जी में मुख्यमंत्री की पत्नी का नाम सामने आने से मामला गरमा गया है। राजनीतिक तौर पर भी यह घटना अहम मानी जा रही है. हाल ही में बोडोलैंड परिषद चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। विपक्ष इसे हेमंता सरकार के खिलाफ जनता के असंतोष से जोड़ रहा है। पुलिस ने शिकायत की पुष्टि की है. अभी मामले की जांच की जा रही है। भाजपा खेमे के लिए यह शिकायत बड़े संकट का संकेत बन सकती है।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव का पीएम मोदी ने किया स्वागत कहा- अमन का बेहतर रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में शांति के अमेरिकी प्रस्ताव का पीएम नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के 20-प्वाइंट पीस प्लान (शांति प्रस्ताव) का स्वागत किया। इस प्लान का मकसद इजराइल-गाजा युद्ध को समाप्त करना है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन ने तन्याहू से मुलाकात के कुछ ही घंटे बाद यह घोषणा की। इस ऐलान पर पीएम मोदी ने कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ बड़े पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यावहारिक रास्ता है।

बता दें कि स्थानीय समयानुसार सोमवार को, ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की इस योजना पर चर्चा की। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 20-प्वाइंट प्लान जारी किया। इसमें कहा गया कि अगर इजराइल और हमास दोनों इस योजना को स्वीकार कर लें, तो तुरंत संघर्ष समाप्त किया जाएगा। योजना स्वीकार किए जाने पर इजराइली सेना को निर्धारित रेखा पर वापस लौटना होगा ताकि बंधकों की रिहाई की तैयारी की जा सके।

इस प्रस्ताव को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हम राष्ट्रपति डॉनल्ड जे. ट्रंप की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और सतत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक व्यावहारिक रास्ता है। हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित लोग राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के पीछे एकजुट होंगे और इस प्रयास का समर्थन करेंगे ताकि संघर्ष समाप्त हो और शांति स्थापित हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने आशा व्यक्त की कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के लिए एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव के अंतर्गत सभी सैन्य गतिविधियां, जिनमें हवाई हमले और तोपखाना शामिल हैं, को रोका जाएगा और युद्ध रेखाएं तब तक स्थिर रहेंगी, जब तक चरणबद्ध वापसी की शर्तें पूरी नहीं होतीं। योजना का मकसद फिलिस्तीन में एक अस्थायी प्रशासनिक बोर्ड स्थापित करना भी है, जिसका नेतृत्व ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे।

20 प्वाइंट प्लान के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा तो वे हमास सदस्य जो शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने हथियारों को निरस्त कर देते हैं, उन्हें माफी दी जाएगी। ट्रंप और नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि वे गाजा में युद्ध समाप्त करने की योजना पर सहमत हो गए हैं लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हमास इन शर्तों को स्वीकार करेगा या नहीं।

म्यांमार में आए भूकंप का भारत पर असर, पूर्वोत्तर राज्यों में लगे झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में मंगलवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। बाद में पता चला कि म्यांमार में आए भूकंप का असर भारतीय राज्यों में भी हुआ है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई, जिसकी पुष्टि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने की है। सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र भारत-म्यांमार सीमा के बेहद नज़दीक था। इस झटके की तीव्रता ज़्यादा भले न रही हो, लेकिन मणिपुर, नागालैंड और असम सहित कई राज्यों में लोगों ने इसे साफ़ तौर पर महसूस किया। सुबह-सुबह ज़मीन के हिलने से लोगों में कुछ समय के लिए हलचल और चिंता का माहौल बन गया। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अभी तक जान या माल के किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। फिर भी प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां सतर्क हैं और स्थिति का आंकलन कर रही हैं। मणिपुर के उखरुल ज़िले से केवल 27 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में। इसकी गहराई ज़मीन के अंदर 15 किलोमीटर आंकी गई, जो इसे सतह के काफ़ी क़रीब बनाती है। यह भूकंप उस समय आया है, जब कुछ ही दिन पहले बांग्लादेश में भी धरती डोली थी। शनिवार, 27 सितंबर को बांग्लादेश में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था, जो भारत के कोलकाता से महज़ 89 किलोमीटर दूर पूर्वोत्तर दिशा में था। उस भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। इससे भी ज़्यादा संयोग की बात यह है कि आज ही के दिन, 30 सितंबर को, भारत ने एक भयानक त्रासदी का सामना किया था। वर्ष 1993 में इसी तारीख को महाराष्ट्र के लातूर में एक विनाशकारी भूकंप आया था, जिसमें हजारों लोगों की जान चली गई थी। उसी दिन राजस्थान के जोधपुर में एक मंदिर में मची भगदड़ में भी सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

करूर भगदड़ हादसे की जांच के लिए एनडीए टीम करेगी दौरा, 41 की हो चुकी है मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर जिले में राजनेता विजय की तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) की रैली में मची भगदड़ ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। इस हादसे में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 18 महिलाएं, 9 बच्चे और 13 पुरुष शामिल हैं। हादसे की जांच के लिए मंगलवार को हेमा मालिनी के नेतृत्व में एनडीए टीम दौरा करने वाली है।

पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन समेत तमाम राजनेताओं ने हादसे पर दुख प्रकट कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, एल मुरुगन और तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने पहले ही प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। करूर हादसे में 41 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना 27 सितंबर को वेलुसाम्यपुरम में करूर-ईरोड हाईवे पर हुई, जहां मिली अनुमति से ज्यादा समर्थक जुट गए। भीड़ के अपने प्यारे अभिनेता और राजनेता विजय को देखने के उत्साह में स्टेज की ओर बढ़ने से भगदड़ मची। तमिलनाडु सरकार ने पूर्व न्यायाधीश अरुणा जगदीश की एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है, जो घटनास्थल का दौरा कर चुका है।

सीएम एम के स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए और घायलों को 1 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। वहीं, टीवीके प्रमुख विजय ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट में डीएमके पर साजिश का आरोप लगाते हुए सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की है। पुलिस ने टीवीके के जनरल सेक्रेटरी बुशी आनंद और दो अन्य पर एफआईआर दर्ज की है, जिसमें भीड़ प्रबंधन की लापरवाही का आरोप है।

अयोध्या के राम मंदिर को लेकर फिर दायर हो सकती है क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की एक टिप्पणी ने अयोध्या विवाद एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। उन्होने एक इंटरव्यू में कहा था कि बाबरी मस्जिद का निर्माण ही मूल रूप से अपवित्र था। उनका कहना था कि जिस स्थान पर पहले से मस्जिद हो, वहां मस्जिद बनाना ही अपवित्र था। इसी को लेकर विवाद शुरू हो गया है और प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने तो राम मंदिर पर आए फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ के बयान के आधार पर ही क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल की जा सकती है।

वहीं दूसरी तरफ चंद्रचूड़ अपने बयान पर सफाई भी दे चुके हैं। उनका कहना है कि उनके शब्दों को संदर्भ से बाहर निकालकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और सुप्रीम कोर्ट का अयोध्या फैसला साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों पर आधारित था, न कि आस्था पर। उन्होंने यह भी कहा कि आलोचक अक्सर पूरे फैसले को नहीं पढ़ते, जो 1,000 से अधिक पृष्ठों का है। कहा जाता है कि इस फैसले की ड्राफ्टिंग खुद चंद्रचूड़ ने ही की थी। चंद्रचूड़ के साक्षात्कार की क्लिप्स सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं।

प्रोफेसर जी. मोहन गोपाल ने कहा कि डीवाई चंद्रचूड़ के बयान में वह बात कही गई है, जो फैसले में ही नहीं है। ऐसे में इसके आधार पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा सकती है। 2019 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने राम मंदिर केस में फैसला सुनाया था। इस बेंच में तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस अब्दुल नजीर शामिल थे। बेंच ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष यह साबित करने में असफल रहा है कि बाबरी मस्जिद वाले स्थान पर उनका कोई निर्बाध मालिकाना हक रहा है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया गया और अब राम मंदिर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। राम मंदिर पर आए फैसले में यह भी स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया कि बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए मंदिर को तोड़ने का कोई प्रमाण नहीं है। प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने चंद्रचूड़ की टिप्पणी के जवाब में कहा कि अब अयोध्या का फैसला दूषित हो गया है और फैसले तथा बाद की टिप्पणियों के बीच असंगति से निर्णय में विश्वास कमजोर हो सकता है।

चैतन्यानंद के मोबाइल में मिली लड़कियों के चैट्स, पूछताछ में कर रहा गुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्राओं से यौन उत्पीड़न का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती पूछताछ में पुलिस को सहयोग नहीं कर रहा है। उसे अपने किए गए कृत्य पर कोई पछतावा नहीं है। पूछताछ में वह लगातार झूठ पर झूठ बोल रहा है। उसकी दो महिला सहयोगियों को हिरासत में लेकर आमना-सामना करवाया जा रहा है। पुलिस को उसके मोबाइल फोन से कई लड़कियों के चैट्स भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चैट्स में सबूत मिला है कि चैतन्यानंद लड़कियों को झांसा देता था और उन्हें प्रलोभन भी देता था। साथ ही उसने कई एयरहोस्टेस के साथ फोटो खिंचवाकर फोन में रखी है। इसके अलावा कई लड़कियों की डीपी की स्क्रीनशॉट्स और गंदी चैट भी उसके मोबाइल फोन में मिली हैं। सख्ती से पूछताछ और चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ मौजूद सबूतों को दिखाने पर ही बाबा सवालों के जवाब देता है। पूछताछ में बाबा के फर्जीवाड़े के नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां एक निजी संस्थान में 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती का मंगलवार को उनकी दो महिला सहयोगियों से आमना-सामना कराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों महिला सहयोगियों ने पीड़ितों को धमकाया और उन्हें अपने अश्लील मैसेजे डिलीट करने के लिए मजबूर किया। पुलिस को चैतन्यानंद के फोन में कई महिलाओं के साथ चैट मिली हैं। जिसमें झूठे वादे करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। अधिकारी ने बताया कि चैतन्यानंद के फोन में एयरहोस्टेस के साथ कई फोटों भी मिली है। बता दें दिल्ली में एक केंद्र द्वारा अनुमोदित निजी संस्थान के अध्यक्ष पद पर रहते हुए चैतन्यानंद ने बाबा के भेष में अपने आपराधिक कारनामे जारी रखे।

वांगचुक और कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करें तभी बातचीत संभव

-एलएबी ने चार प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपनाया कड़ा रुख

लेह (एजेंसी)। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा उपाय करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। इसका नेतृत्व कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच शुरू होने और सोनम वांगचुक समेत सभी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करने तक बातचीत में शामिल नहीं होने की घोषणा की। एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग और सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने से पहले लद्दाख में अनुकूल माहौल की बहाली जरुरी है। एलएबी ने 4 प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपना रुख कड़ा कर लिया है।

एलएबी ने कहा कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देने और सभी कैदियों को रिहा करने की मांगें मान लेती है तो वह बैठक में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर विचार करेगी और 6 अक्टूबर को वार्ता में शामिल होगी। दोनों नेताओं ने कहा कि हम गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे वहां व्याप्त भय, गम और आक्रोश के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं। बातचीत का बहिष्कार करने की घोषणा प्रदर्शन में हुई हिंसा के दौरान मारे गए चौथे मृतक का कर्फ्यूग्रस्त लद्दाख की राजधानी में भारी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई। मृतक पूर्व सैनिक था।

गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख मामलों पर एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार हैं। इसमें कहा गया कि हम लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के जरिए लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। बयान में क्षेत्र में विकास और रोजगार लाने वाले पिछले नतीजों की ओर इशारा किया गया है। इसके मुताबिक लद्दाख को लेकर संवाद करने के लिए गठित तंत्र से अब तक अच्छे परिणाम मिले हैं, जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। हमें यकीन है कि निरंतर बातचीत से भविष्य में सही नतीजे हासिल होंगे।

आई लव मुहम्मद पर सीएम धामी की चेतावनी, शांति भंग करने पर कीमत चुकानी पड़ेगी

किसी भी दंगाई से इसकी कीमत वसूली जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को आई लव मुहम्मद लिखी तख्तियों के प्रदर्शन पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने इस प्रदर्शन को त्यौहारों और सार्वजनिक शांति भंग करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया है। सीएम धामी ने इन हरकतों को सोची-समझी साजिश कहा, जिसका उद्देश्य त्यौहारों और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान अशांति पैदा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे वे ताकतें हैं जो भारत को मजबूत होते और विकसित भारत के संकल्प में हो रहे विकास को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर आप किसी से जुड़े हैं, तो आपको उनके नाम की तख्ती लेकर घूमने का अधिकार किसने दिया? उन्होंने कहा कि सच्चा सम्मान व्यवहार में झलकना चाहिए।

सीएम धामी ने अल्टीमेटम देकर कहा कि शांति भंग करने पर कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले किसी भी दंगाई से इसकी कीमत वसूली जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तराखंड की धरती पर इस तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दरअसल ये पूरा विवाद उत्तर प्रदेश के बरेली शहर से जुड़ा है, जहाँ 26 सितंबर को आई लव मुहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था, जिससे शहर में तनाव बना हुआ है। शुक्रवार की नमाज के बाद प्रदर्शनकारी आई लव मोहम्मद की तख्तियां लिए हुए आला हजरत दरगाह और आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के घर के बाहर जमा हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव हुआ और पुलिस के साथ झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को व्हाट्सएप पर भड़काऊ संदेशों के जरिए उकसाया गया था। बरेली पुलिस ने 56 गिरफ्तारियाँ की हैं, जिनमें बरेली हिंसा मामले का प्रमुख साजिशकर्ता नदीम खान भी शामिल है। एसएसपी अनुराग आर्य ने पुष्टि की कि नदीम को हिंसा भड़काने में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हालिया हिंसा में शामिल उपद्रवियों की कड़ी आलोचना की और उन्हें पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी।

बड़ी मुश्किल से अध्यक्ष चुन पाई थी कांग्रेस, फिर भी मच रहा है घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमाम विचार मंथन और असंतुष्ट नेताओं को समझा बुझाकर कांग्रेस ने हरियाणा में अपना प्रदेश अध्यक्ष चुना था। इसके लिए पार्टी को पूरा एक साल लग गया। इसके बाद भी अब अध्यक्ष को लेकर न केवल सवाल उठ रहे हैं बल्कि कांग्रेस के भीतर घमासान भी शुरु हो गया है।

कैप्टन अजय यादव ने ट्वीट किया, हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के लगातार गिरते ग्राफ को देखते हुए आज लिए गए निर्णय पर पार्टी को आत्म निरीक्षण करने की आवश्यकता है। राहुल गांधी की इच्छा थी कि हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष एक ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए जिसकी छवि पूरी तरह साफ-सुथरी, बेदाग और युवा नेतृत्व की पहचान रखने वाली हो। लेकिन आज का निर्णय इसके ठीक उलट दिखाई देता है। इस वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं और कैडर का मनोबल बिलकुल गिर गया है। उनका सीधा इशारा राव नरेंद्र सिंह की ओर है, जिन्हें प्रदेश अध्यक्ष की कमान मिली है।

सीनियर लीडर कैप्टन अजय यादव ने यह साफ नहीं किया कि वह क्यों राव नरेंद्र सिंह को साफ-सुथरी छवि का नेता नहीं मानते हैं, लेकिन इसके तार 2016 के एक केस जोड़े जा रहे हैं। दरअसल राव नरेंद्र सिंह पर 2016 में एफआईआर दर्ज हुई थी। उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने जमीन का इस्तेमाल बदलने के लिए कैश लिया था। लोक अदालत की जांच के बाद राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ केस फाइल हुआ था। माना जा रहा है कि कैप्टन अजय यादव ने इशारों में उसी केस का जिक्र करते हुए राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने का विरोध किया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि ओबीसी नेता के नाम पर खुद कैप्टन अजय यादव दावेदारी कर रहे थे। ऐसे में उनकी ही बिरादरी के राव नरेंद्र सिंह को बनाए जाने से वह खफा हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनकी अपनी सियासी जमीन भी कमजोर होगी।

हरियाणा में कांग्रेस ने बीते साल विधानसभा चुनाव में करारी मात खाई थी। 2009 में आखिरी बार विधानसभा चुनाव जीतने वाली कांग्रेस को लगातार तीन बार हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद नेतृत्व को लेकर रस्साकशी हुई तो एक साल बाद ही नेता विपक्ष के तौर पर भूपिंदर सिंह हुड्डा को चुना गया है तो वहीं प्रदेश अध्यक्ष अहीरवाल बेल्ट के नेता राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। कांग्रेस को लगता है कि इससे उसे भाजपा के गढ़े बने अहीरवाल में सेंध लगाने में मदद मिलेगी, लेकिन इसका उलटा होता दिख रहा है। कैप्टन अजय सिंह यादव ने ही इस फैसले पर सवाल उठा दिए हैं, जो पार्टी के सीनियर लीडर हैं। उनका कहना है कि यह फैसला गलत है और इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ0प्र0) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)